जबलपुर

रविवार, 17 दिसंबर 2023

- अगहन मास शुक्ल पक्ष–5
- वर्ष : 18, अंक : 226
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 रुपये

मौसम

अधि. 24
न्यून. 12

haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

विकसित भारत संकल्प यात्रा में पीएम मोदी बोले

inh

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि पाठक पुरस्कार योजना-2023

मास्टर कूपन 17 दिसंबर 2023

कूपन नं. 8

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के उज्जैन में राज्यस्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम यादव ने कहा

पीएम मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करेगी यह यात्रा

पीएम मोदी ने कहा- जहां से दूसरों की उम्मीदें खत्म होती हैं, वहीं से शुरू हो जाती है मोदी की गारंटी

प्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा 16 दिसंबर से 26 जनवरी 2024 तक आयोजित की जा रही है। भारत सरकार से इस यात्रा के लिए सभी जिलों को 366 आईईसी वैन उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मप्र सहित 5 राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का वर्चुअली शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मप्र सहित देश के 5 राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हरी झंडी दिखाकर वर्चुअली शुभारंभ किया। जबकि उज्जैन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करेगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई क्षेत्रों में विश्व में उत्कृष्ट छवि निर्मित की है।

भारत में 6 करोड़ छोटे शहर हैं। अमृत मिशन और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से इनका भी समग्र विकास किया जा रहा है।

यात्रा का रहेगा यह स्वरूप...

वैन के साथ ही एग्री ड्रोन को भी प्रदर्शित किया जाएगा

प्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा 16 दिसंबर से 26 जनवरी 2024 तक आयोजित की जा रही है। भारत सरकार से इस यात्रा के लिए सभी जिलों को 366 आईईसी वैन उपलब्ध कराई गई है। आईईसी वैनों को सभी नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत में ले जाया जाएगा और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वैन के साथ ही एग्री ड्रोन को भी प्रदर्शित किया जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए उक्त ड्रोन का निर्माण किया गया है।

भारत में संकल्प यात्राको शुरू हुए एक महीना पूरा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में संकल्प यात्रा को शुरू हुए एक महीना पूरा हो चुका है। अभी तक यह यात्रा हजारों गांव एवं लगभग डेढ़ हजार शहरों में पहुंच चुकी है। आचार संहिता के कारण 5 राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मिजोरम में यह यात्रा शनिवार से शुरू हो रही है।

ऐसे बदली जा रही देश की तस्वीर

- भारत में 6 करोड़ छोटे शहर हैं। अमृत मिशन और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से इनका भी समग्र विकास किया जा रहा है।
- शहरों में जलापूर्ति, ड्रेनेज, सीवेज, सीसीटीवी, स्वच्छता के साथ ही ईज ऑफ लिविंग, ईज ऑफ डूईंग बिजनेस, ईज ऑफ ट्रेवल पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना में शहरों के छोटे व्यवसायियों को सरकार की गारंटी पर व्यवसाय के लिए ऋण दिया जा रहा है। इनमें 45 प्रतिशत महिला हितग्राही हैं।
- कोरोना संकट में सरकार ने 20 करोड़ महिलाओं के खाते में सहायता राशि दी।
- अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के माध्यम से हितग्राहियों

अब देश के टीयर 2 और टीयर 3 शहरों के 'विकास पर बल'

◆ मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश के कोने-कोने में पहुंच रही

पीएम ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरकार की योजनाओं से संबंधित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। इस कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। एक महीने में चौथी बार यह देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लाभार्थियों से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी हर कोने में पहुंच रही है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर विकसित भारत के संकल्प में देश के शहरों की बड़ी भूमिका का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि आजादी के लंबे समय तक जो भी विकास हुआ, उसका दायरा देश के कुछ बड़े शहरों तक सीमित रहा, लेकिन आज हम देश के टीयर 2 और टीयर 3 शहरों के विकास पर बल दे रहे हैं। देश के सैंकड़ों छोटे शहर ही विकसित भारत की भव्य इमारत को सशक्त करने वाले हैं।

ये भी कहा पीएम ने

- अटल पेंशन योजना से अबतक देश के 6 करोड़ साथी जुड़ चुके हैं। इसके तहत 60 वर्ष की आयु के बाद हर महीने 5 हजार रुपए महीने पेंशन सुनिश्चित हो रही है।
- आयुष्मान कार्ड के कारण गरीबों का 1 लाख करोड़ रुपए बचा है।
- जन औषधि केंद्रों पर दवाई में 80 फीसदी की छूट है। अगर जनऔषधि केंद्र न होता तो लोगों को 25 हजार करोड़ ज्यादा खर्च करना पड़ता। सरकार अब जन औषधि केंद्र की संख्या बढ़ाकर 25 हजार करने जा रही है।
- पिछले 9 साल में केंद्र सरकार 4 करोड़ से ज्यादा घर बना चुकी है, जिसमें से 1 करोड़ से अधिक घर शहरी गरीबों को मिले हैं।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी केटीएस संग वंदेभारत की देंगे सौगात

वाराणसी। प्रधानमंत्री 17 दिसंबर को नमो घाट पर काशी-तमिल संगमम के मौके पर 22 कोचों वाली इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद कन्याकुमारी से यह ट्रेन रवाना होगी। दौरे के दूसरे दिन 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री

बरकी की जनसभा में वंदेभारत और मेमू ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय और न्यू भाउपुर की भी दो मालगाड़ियों का फ्लैग ऑफ होगा। उत्तर और दक्षिण भारत के रिश्तों में प्रगाढ़ता और आवागमन सुगम बनाने के लिए कन्याकुमारी (तमिलनाडु) से चलने वाली केटीएस ट्रेन आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और यूपी के विभिन्न स्टेशनों से गुजरते हुए 50 घंटे में वाराणसी पहुंचेगी।

कुएं में मिले तीन दिन से लापता दो बहनों के शव

सागर। गांव में कन्याभोज करने गई दो बहने अचानक लापता हो गई। कई जगह तलाशने के बाद नहीं मिलीं तो 13 दिसंबर को

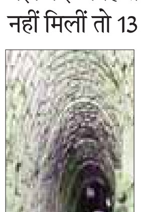

परिजनों ने बिनेका थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद 16 दिसंबर को गांव के एक कुंए में दोनों बच्चियों के शव तैरते मिले। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिए भेज दिया है। मर्ग कायम कर पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरु कर दी है।

1997 बैच के राघवेंद्र सिंह बने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव

शपथ ग्रहण में भी नहीं दिखे थे रस्तोगी उसी समय से तय हो गया था 'हटना'

मनीष रस्तोगी

मंत्रालय में बिना विभाग के प्रमुख सचिव बने मनीष रस्तोगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक जमावट करना शुरू कर दिया है। अभी हालांकि मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी को ही हटाया गया है।

बाकी प्रशासनिक सर्जरी मंत्रिमंडल के गठन के बाद होने की संभावना है। रस्तोगी की जगह पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव पद की जवाबदारी 1997 बैच के आईएएस खनिज विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह को दी गई है। जबकि रस्तोगी को मंत्रालय में बिना विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण करने के बाद से ही रस्तोगी को हटाने की चर्चा चल रही थी। शपथ ग्रहण के समय लाल परेड ग्राउंड पर रस्तोगी नहीं

राघवेंद्र कुमार सिंह

दिखे थे। उसी समय तय हो गया था कि वे किसी भी समय विदा हो जाएंगे। ऐसा इसलिए भी है कि मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण से लेकर अन्य सभी तरह के कार्यक्रम आदि में समन्वय से लेकर अन्य तरह की जवाबदारी मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव की होती है।

इसरो के सबसे बड़े अभियान 'गगनयान' का लोगों को इंतजार

2024 में इसरो के 6 बड़े अभियानों पर होगी दुनिया की निगाहें

कई देश चंद्रमा पर कदम रखने की योजना पर कर रहे काम

एजेंसी ⏭ श्रीहरिकोटा

एक समय था जब भारत की स्पेस एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो को भारत की सरकारी संस्था से अधिक नहीं माना जाता था। लेकिन आज वह दुनिया की प्रमुख स्पेस एजेंसियों में से एक बनने की ओर कदम बढ़ाती दिख रही है। नासा जैसी बड़ी एजेंसी के अलावा लोगों की निगाहें इसरो के भी 2024 के अभियानों पर हैं। इसरो के जिस सबसे बड़े अभियान का लोगों को इंतजार है, वह गगनयान अभियान है। इसरो का यह अभियान तीन चरणों में होगा और 2024 में इसके पहले दो चरण पूरे होने की उम्मीद है। गगनयान1 के जनवरी या फरवरी 2024 में प्रक्षेपित होने की उम्मीद है। यह क्रू रहित अभियान अंतरिक्ष यान के तंत्रों का परीक्षण करेगा। जबकि गगनयान 2 में एक ह्यमनॉइड को अंतरिक्ष में भेज यान की रीएंट्री और लैंडिंग सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा।

नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार 2024 में प्रक्षेपित होगा

इसरो का 2024 का एक बहुत बड़ा अभियान नासा के सहयोग के साथ होने वाला "नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार" यानि निसार अभियान है। यह सैटेलाइट जनवरी 2024 में प्रक्षेपित किया जाएगा जो रिमोट सेंसिंग के जरिए पृथ्वी की प्राकृतिक प्रक्रियाओं का अवलोकन करेगा। करीब 1.5 अरब डॉलर के इस अभियान के जरिए भूकंप, भूस्खलन, सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी भी हासिल की जा सकेगी। दुनिया के कई देश चंद्रमा पर कदम रखने की योजना पर काम कर रहे हैं।वह अपने दूसरे मंगल यान मार्स ऑर्बिटर मिशन 2 (एमओएम2) की तैयारी कर रहा है।

सीएम व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आज जाएंगे दिल्ली

मंत्रिमंडल के गठन पर विमर्श और सत्र के बाद शपथ संभव

संभावित मंत्रियों की सूची शीर्ष नेतृत्व को सौंपेंगे

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मंत्रिमंडल गठन की चर्चा के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा रविवार को दिल्ली जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पद की शपक्ष लेने के बाद डॉ. यादव का यह पहला दिल्ली दौरा है।

वे पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित सभी प्रमुख नेताओं से मुलाकात करेंगे और उन्हें सीएम पद का दायित्व देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करेंगे। दौरे के दौरान उनकी मंत्रिमंडल के गठन पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि डॉ. यादव और वीडी शर्मा ने अपनी ओर से संभावित मंत्रियों की सूची तैयार कर ली है। यह सूची वे पार्टी नेतृत्व को सौंपेंगे। अवसर मिला तो इस सूची पर चर्चा होगी और शामिल किए जाने वाले मंत्रियों के नाम फाइनल किए जाएंगे। समय न मिला तो सूची सौंप कर दोनों वापस आ जाएंगे।

मंत्रिमंडल के गठन पर और विलंब संभव

18 दिंसबर से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र से पहले मंत्रिमंडल का गठन नहीं होगा बल्कि इसके लिए और इंतजार करना पड़ सकता है। नेतृत्व इस मामले में जल्दबाजी में नहीं दिखता। जल्दी होती तो मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्रियों के साथ कुछ मंत्रियों को भी शपथ दिला दी जाती। मुख्यमंत्री पद पर नया चेहरा लाने के बाद वरिष्ठों की क्या प्रतिक्रिया रहती है, शीर्ष नेतृत्व इसका बारीकी से आकलन कर रहा है। तभी वह अगला धमाका करने के मूड में है। यदि वरिष्ठों को दरकिनार कर नए मंत्रियों को ज्यादा तवज्जो मिली तो यह भी एक धमाका जैसा ही होगा।

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

24 दिसंबर को आएगा नया पश्चिमी विक्षोभ, इससे बदलेगा मौसम

बारिश के आसार कम, अगले दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम राजस्थान से लगे हिस्सों में ज्यादा गहराएंगे बादल

बादलों के असर से.. दिन के तापमान में अब कमी और रात का पारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पाकिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राजस्थान में इंड्यूस्ड सिस्टम बना है। इससे शनिवार से प्रदेशभर में बादल छाने का क्रम शुरू हुआ, जो दो दिन जारी रहेगा। इस बीच भोपाल सहित पूरे प्रदेश में अभी बारिश के आसार नहीं हैं। बादल छाने और हवाओं का रुख बीच-बीच में दक्षिण-पूर्वी होने से रात के तापमान में बढ़त रहेगी। पूरे प्रदेश में रात का पारा औसतन एक डिग्री बढ़ा है। दिन के तापमान में गिरावट रही।

कहां-कितना बढ़ा रात का पारा

प्रदेश में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान में वृद्धि गुना में 3 डिग्री की रही। यहां पारा 12.1 डिग्री रहा। राजगढ़ में 2.6 डिग्री की बढ़त के साथ पारा 9.6 डिग्री रहा। इंदौर में न्यूनतम पारा 1.3 डिग्री बढ़कर 15.5 डिग्री रहा। भोपाल में 1.1 डिग्री बढ़कर 12 डिग्री रहा। उमरिया में सबसे कम रात का पारा 7.2 डिग्री रहा। प्रदेशभर में रात का पारा अभी सामान्य से औसतन 2 डिग्री अधिक, जबकि दिन का नॉर्मल से दो डिग्री कम दर्ज हुआ है। दिन के तापमान में औसतन 1.3 डिग्री गिरावट रही। दिन का औसत पारा 25.4 और रात का 12.2 डिग्री रहा है।

राजस्थान से लगे हिस्सों में ज्यादा बादल

अभी राजस्थान से लगे मप्र के हिस्सों में बादलों का असर ज्यादा रहेगा। धूप में कमी रहने और दिन में हवाएं उत्तरी रहने से तापमान में कमी बनी रहेगी, जबकि दो बाद रात में बादलों का असर कम होने से सर्दी में इजाफा होगा। सोमवार से रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की गिरावट होने का अनुमान है।

ग्वालियर में दो युवकों पर डकैती की धारा लगाने पर जांच के निर्देश सीएम ने दिए

सीएम यादव ने कहा- युवकों की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं, ऐसे में धारा लगाना न्यायोचित नहीं

◆ युवकों ने मानवीय दृष्टि से तो सही कार्य किया है किंतु यह सही है कि युवकों का तरीका गलत था।

हिमांशु सु

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर मामले में दोनों युवकों पर डकैती की धारा लगाने को गलत करार दिया है।

उन्होंने इस मामले की तत्काल जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने डीजीपी को निर्देश दिए हैं कि युवकों पर डकैती की धारा लगाना न्यायोचित नहीं लगता, क्योंकि युवक आपराधिक पृष्ठभूमि के नहीं हैं। युवकों ने मानवीय दृष्टि से तो सही कार्य किया है, किंतु यह सही है कि युवकों का तरीका गलत था।

कुलपति को हार्ट अटैक पर जज की कार से ले गए थे अस्पताल

हाल ही में ग्वालियर में विश्वविद्यालय के कुलपति को अटैक आने पर उन्हें अस्पताल में एडमिट कराकर उनकी जीवन रक्षा का प्रयास करने वाले विद्यार्थी परिषद से जुड़े दो युवकों पर पुलिस की कार्रवाई और संपूर्ण घटना की जांच होगी। इस प्रकरण में दो युवकों के अनधिकृत रूप से एक जज के वाहन के उपयोग और युवकों पर की गई कार्रवाई के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवकों ने मानवीय दृष्टि से तो सही कार्य किया है, लेकिन यह सही है कि युवकों का तरीका गलत था। उन्होंने कहा कि यह मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा मामला है।

खबर संक्षेप

औबेदुल्लागंज में दो बाघ भिड़े, एक की मौत

भोपाल। रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज वन मंडल के अंतर्गत आने वाली रातापानी सेंचुरी में एक बाघ की मौत का मामला सामने आया है। बाघ की मौत का कारण सेंचुरी प्रबंधन फिलहाल टेरीटोरियल फाइट होना बता रहा है। प्रबंधन का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही इसके सही कारण पता चल सकेगा। फिलहाल प्रबंधन ने मृत बाघ का अंतिम संस्कार कर दिया ।

फर्जी पीएमओ अधिकारी गिरफ्तार किया

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने खुद को पीएमओ के अधिकारी बताने वाले फ्रॉड को गिरफ्तार किया है। जम्मू-कश्मीर में भी इस शख्स के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो चुका है। इस आरोपी के खिलाफ कश्मीर पुलिस ने भी गैर जमानती वारंट जारी किया है। आरोपी की पहचान सैयद ईशान बुखारी के रूप में हुई है।

कूनो फेस्टिवल का आज शुभारंभ करेंगे सीएम

श्योपुर। प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कूनो फेस्टिवल का शुभारंभ करने 17 दिसंबर को श्योपुर पहुंचेंगे। जहां वह फेस्टिवल में शामिल होने के साथ फॉरेस्ट रिट्रीट (टेंट सिटी) का शुभारंभ भी करेंगे। पर्यटकों को बढावा देने के उद्देश्य से कूनो फेस्टिवल का आयोजन 17 से 23 दिसंबर तक किया जा रहा है। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री यादव करेंगे इसकी तैयारी प्रशासन ने पूरी कर ली है।

आखिरकार, कमलनाथ की छुट्टी, नए नेतृत्व को मौका

जीतू पटवारी होंगे प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष, उमंग नेता प्रतिपक्ष

हेमंत कटारे बने उप नेता प्रतिपक्ष

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

कांग्रेस हाईकमान ने अंततः प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को पीसीसी के अध्यक्ष पद से हटा दिया। उनकी जगह पूर्व मंत्री जीतू पटवारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व संभालेंगे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जवाबदारी युवा आदिवासी विधायक उमंग सिंघार को सौंपी गई है। उप नेता प्रतिपक्ष युवा विधायक हेमंत कटारे को बनाया गया है।

»» ***राहुल गांधी कैंप के हैं जीतू-उमंग, जीतू को तब यह दायित्व सौंपा गया जब वे विधानसभा का चुनाव हार गए***

एक साथ तीन वर्ग साधने की कोशिश

भाजपा की तरह जीतू, उमंग और हेमंत को मौका देकर कांग्रेस ने भी एक साथ तीन वर्गों को साधने की कोशिश की है। जीतू पटवारी पिछड़े वर्ग से आते हैं जबकि उमंग कांग्रेस के युवा आदिवासी चेहरे हैं। हेमंत चंबल- ग्वालियर अंचल के ब्राह्मण हैं। बता दें, भाजपा ने पिछड़े वर्ग से मुख्यमंत्री, और ब्राह्मण एवं दलित वर्ग से उप मुख्यमंत्री बनाकर तीन वर्ग साधे थे।

सतना नगर निगम आयुक्त रहते डॉक्टर दंपती से की थी 50 लाख की मांग

22 लाख की रिश्वत लेते पकड़ाया अधिकारी बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सुरेंद्र कुमार कथूरिया को राज्य सरकार ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने 3 जुलाई 2023 को आए कोर्ट के फैसले के बाद मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग से अभिमत मांगा था। अभिमत आने के बाद राज्य सरकार ने बर्खास्तगी का आदेश जारी कर दिया गया। 2001 बैच के अधिकारी सुरेंद्र कुमार कथूरिया ने सतना नगर निगम आयुक्त रहते हुए एक डॉक्टर दंपती से 50 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। उन्हें 22 लाख रुपए नकदी और सोना लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने गिरफ्तार किया था। सिंहस्थ के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने उन्हें सम्मानित किया था।

संसद की सुरक्षा में सेंध: मास्टरमाइंड ललित झा ने लिखा था-भारत को आज एक बम की जरूरत है

ललित झा के सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट की भरमार, स्पेशल सेल जांच में जुटी

अग्निरोधक जैल से 'ढक' कर आत्मदाह करने का भी था प्लान

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भाजपा के सांसद प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज करने की भी योजना स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों को लिखा पत्र। उच्चस्तरीय जांच कमेटी की बात से कराया अवगत

संसद में कुछ बड़े बदलाव

1. दर्शक दीर्घा के चारों ओर ग्लास की शील्ड बनेगी
2. सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है
3. बॉडी स्कैनिंग मशीन लगाने पर भी सहमति

आरोपियों से ये सवाल पूछे जा रहे?

- किसके कहने पर संसद में स्मोक अटैक किया था?
- प्लानिंग किसने की थी, ये कैसे तय हुआ कौन अंदर जाएगा, कौन बाहर?
- पहली बार कब मिले थे सब, कैसे बनाई गई थी रणनीति?
- 13 दिसंबर से पहले कितनी बार मीटिंग की थी, कहां मिले?
- स्मोक बम लाने की जिम्मेदारी किसकी थी, कहां से लाए?
- 13 दिसंबर को ही हमला क्यों, कोई खास वजह?
- प्लान के बारे में किस-किस को पता था?
- हमला करने का असल मकसद क्या था?
- किसी आतंकी संगठन से भी कोई संपर्क था या नहीं?

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कहा कि वह संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मास्टरमाइंड ललित मोहन झा के सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी नजर रख रही है।

स्पेशल सेल ने बताया कि ललित के कुछ पोस्ट, जिनमें से एक में कहा गया है- भारत को बम की जरूरत है- जांच के दायरे में है। 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने में मामले में गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों से पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। उन्होंने धुएं के डिब्बे के साथ लोकसभा के कक्ष में कूदने की योजना बनाने से पहले आत्मदाह और पर्चे बांटने की योजना बनाई थी। ललित ने 13 दिसंबर, बुधवार को संसद सुरक्षा में चूक की घटना से कुछ हफ्ते पहले 26 अक्टूबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यह पोस्ट डाला था। ललित ने बंगाली में पोस्ट किया था कि भारत को आज जिस चीज की जरूरत है वह एक बम है. इसे अत्याचार, अन्याय और अराजकता के खिलाफ एक मजबूत आवाज की जरूरत है। जो कोई भी आजीविका और अधिकारों के बारे में बात करता है, चाहे वह कोई भी हो, उसे 'कम्युनिस्ट' करार दिया जाता है। स्पेशल सेल ललित के सोशल मीडिया लिंक की जांच कर रही है।

संसद में घुसपैठ की साजिश चल रही थी 2 साल से

संसद के भीतर पर्चे भी बांटने वाले थे

13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने में मामले में गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों से पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। उन्होंने धुएं के डिब्बे के साथ लोकसभा के कक्ष में कूदने की योजना बनाने से पहले आत्मदाह और पर्चे बांटने की योजना बनाई थी। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस योजना को अंतिम रूप देने से पहले आरोपियों ने कुछ ऐसे तरीके तलाशे थे, जो सरकार तक अपना संदेश भेजने में प्रभावशाली हो सकते हैं। उन्होंने सबसे पहले अपने शरीर को अग्निरोधक जैल से ढक कर आत्मदाह करने का विचार किया। लेकिन, इस विचार को छोड़ दिया। मामले की जांच कर रही, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बीजेपी के सांसद प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज करने की भी योजना बना रही है।

»» छठे आरोपी को 7 दिन की रिमांड पर भेजा

गिरफ्तार किए गए छठे आरोपी महेश कुमावत को दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को 7 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट को बताया कि संसद में घुसपैठ करने की साजिश पिछले 2 साल से चल रही थी और जितनी भी मीटिंग इस मामले को लेकर हुई उनमें आरोपी महेश शामिल रहता था।

अचल संपत्ति पर गृहमंत्रालय का निर्देश

सभी आईपीएस को 31 जनवरी तक हर हाल में देना होगा ब्यौरा

अन्य रूप में अचल संपत्ति रिटर्न स्वीकार नहीं

नई दिल्ली। आईपीएस अधिकारियों द्वारा अचल संपत्ति रिटर्न (आईपीआर)-2023 की ऑनलाइन फाइलिंग शीर्षक वाला नोट 11 दिसंबर को एक रिमाइंडर के साथ जारी किया गया था। अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 के नियम 16 (2) के संदर्भ में, के प्रत्येक सदस्य सेवा को 31 दिसंबर को समाप्त होने वाले पिछले वर्ष के संबंध में हर साल 31 जनवरी तक निर्धारित फॉर्म में अपनी अचल संपत्ति रिटर्न (आईपीआर) जमा करने का प्रावधान है। गृह मंत्रालय ने देश भर के सभी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को अगले साल 31 जनवरी तक अपनी अचल संपत्ति रिटर्न 2023 जमा करने का निर्देश दिया है।

आरोपी को पुलिस ने खोज लिया

टाटा को जान से मारने की धमकी कहा- मिस्त्री जैसा ही करेंगे हाल

धमकी देने वाला आरोपी गंभीर बीमारी से पीड़ित है

मुंबई। देश के दिग्गज उद्योगपति टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को धमकी देने वाले युवक को मुंबई पुलिस ने ढूंढ निकाला है। आरोपी युवक ने मुंबई पुलिस को फ़ोन कर रतन टाटा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहा था। इसके साथ धमकी दी थी कि वरना टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री जैसा हश्र होगा। धमकी मिलने के बाद पुलिस पूरी तरह से अलर्ट हो गई। वहीं, परिवार से पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि रतन टाटा को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स सिजोफ्रेनिया नामक बीमारी से पीड़ित है। और पिछले कई दिनों से लापता है।

केंद्र सरकार ने जारी किया अलर्ट

सैमसंग.. के बाद अब हुआ आईफोन यूजर्स को खतरा

हैकर्स के निशाने पर एपल के प्रोडक्ट

नई दिल्ली। अगर आपके पास भी आईफोन है तो आपके लिए बड़ी खबर है। सैमसंग के बाद भारत सरकार ने आईफोन यूजर्स के लिए सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। सरकार की साइबर सिक्योरिटी वॉचडॉग कंप्यूटर इमर्जेंसी रिस्पॉन्स टीम ऑफ इंडिया (सीईआरटी-इन) ने कहा कि उसे एपल के प्रोडक्ट्स में कई खतरे मिले हैं। इनसे यूजर्स के डेटा की सेफ्टी हैकर्स के निशाने पर आ गई है। सीईआरटी-इन के मुताबिक एपल प्रोडक्ट के सॉफ्टवेयर में कई तरह की कमियां देखने को मिली हैं, जिससे हैकर्स आपकी डिवाइस को कंट्रोल में ले सकते हैं। ऐसे में यूजर्स का डेटा और जानकारी चोरी हो सकता है। जिन डिवाइस पर ज्यादा खतरा है, उसमें iOS, iPadOS, macOS, tvOS, watchOS और सफारी ब्राउजर शामिल हैं।

मोबाइल टॉवर्स की जरूरत नहीं

अब सैटेलाइट से फोन में हर जगह मिलेगा इंटरनेट

मस्क करने जा रहे हैं बड़ा प्रयोग

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स द्वारा सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक चलाई जाती है। इस सर्विस के जरिए कंपनी अर्थ के लोवर ऑर्बिट से दुनिया के दूर-दूराज के इलाकों में भी सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट पहुंचाया जाता है। लेकिन, एलन मस्क की ये कंपनी एक कदम आगे जाते हुए अब मोबाइल में सीधे सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा देने की तैयारी में है। स्टारलिंक की सैटेलाइट सर्विस जल्द ही अब स्मार्टफोन्स तक पहुंच सकती है। कंपनी इसकी तैयारी अमेरिका में कर रही है। इसके लिए कंपनी ने अमेरिका में टी-मोबाइल के साथ साझेदारी की है। यानी टी-मोबाइल के ग्राहकों को सबसे पहले स्मार्टफोन पर इंटरनेट कनेक्टिविटी सुविधा मिलेगी।

शनिवार अलसुबह पहुंचा अधिकारियों का काफिला

अधिकारियों पर पत्थर चलाने वाले रेत माफिया के घर चली जेसीबी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

अधिकारियों पर जानलेवा हमला करने वाले रेत माफिया निमोदा भाइयों के घर शनिवार अल सुबह अधिकारियों का भारी भरकम अमला पहुंचा। जेसीबी की मदद से रेत माफिया निमोदा भाईयो के द्वारा किए गए मेहराघात के अतिक्रमण को तोड़ा गया। इस दौरान ग्रामिणों की भीड़ जमा हो गई। वहां पर किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस भी मुस्तैद रही। जानकारी के अनुसार शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने एवं मारपीट के प्रकरण में आरोपियों के

विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार राजस्व एवं पुलिस विभाग के अमले द्वारा शनिवार सुबह आरोपी सोनू निमोदा एवं मयंक निमोदा के ग्राम मेहरघाट स्थित मकान के अवैध हिस्से को जेसीबी से ढहाया गया है।

गुरुवार को किया था नायब तहसीलदार पर हमला

तहसीलदार कीर्ति प्रधान गुरुवार को जमीन का सीमांकन का काम पूरा कर जिला मुख्यालय लौट रही थी। इस दौरान पांजराकला में उन्हें रेत से भरी ट्रॉली नजर आई। अधिकारी की गाड़ी देखकर ट्रैक्टर चालक ने ट्राली वहीं छोड़कर ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया था। रेत की जब्ती के लिए तहसीलदार ने माइनिंग इंस्पेक्टर पिंकी चौहान, कृष्णा परस्ते और एक निजी चालक छुट्टी गोस्वामी को मौके पर बुलाया। जैसे ही जब्त करने के लिए ट्रैक्टर को रेत से भरी ट्रॉली से जोड़ा गया। इस दौरान निमोदा भाई वहां पहुंच गए और अधिकारियों पर पत्थर से हमला बोल दिया।

सफल टेस्टिंग : डीआरडीओ ने कर दिया कमाल... थर्रा उठेंगे चीन-पाकिस्तान

दुश्मन को टारगेट कर चुपचाप लौट आएगा यह अमेरिका के बी-2 बॉम्बर की तरह नजर आने वाला स्वदेशी स्टेल्थ ड्रोन

◆ मानवरहित विमानों के विकास की दिशा में डीआरडीओ की तरफ तैयार किया गया यह ड्रोन भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

एजेंसी. न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बड़ी खबर

रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की तरफ एक और कदम बढ़ाते हुए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेश निर्मित स्टेल्थ ड्रोन की सफल टेस्टिंग की। इस कड़ी में कर्नाटक के चित्रदुर्ग से स्वदेशी हाई-स्पीड फ्लाइंग विंग यूएवी श्रेणी के ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर ड्रोन ने दूसरी बार उड़ान भरी।

कर्नाटक के चित्रदुर्ग से स्वदेशी हाई-स्पीड फ्लाइंग विंग यूएवी श्रेणी के ड्रोन ने दूसरी बार उड़ान भरी।

क्या है खासियत?

इस ड्रोन ने पहली उड़ान जुलाई 2022 में भरी इसके बाद दो इन-हाउस निर्मित प्रोटोटाइप का उपयोग करते हुए अन्य चरणों में छह फ्लाइट टेस्ट किए गए। अमेरिका के बी-2 बॉम्बर ड्रोन की तरह नजर आने वाला यह विमान पूरी तरह से ऑटोमेटिक है।

देश बढ़ा रहा आत्मनिर्भर भारत की तरफ कदम

ड्रोन अपनी उड़ान के दौरान छोटे टर्बोफैन इंजन का इस्तेमाल करता है। उपयोग किए जाने वाले एयरफ्रेम, अंडरकैरिज, पूरा फ्लाइट कंट्रोल और एवियोनिक्स सिस्टम स्वदेशी है। सफलता के जरिए भारतीय सैन्य प्रणालियों के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' का मार्ग भी प्रशस्त होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टेस्टिंग के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी है और कहा है कि स्वदेशी रूप से ऐसी महत्वपूर्ण तकनीक के सफल विकास से भारतीय सशस्त्र बल और मजबूत होंगे।

आसियान-जापान सहयोग की 50वीं वर्षगांठ पर शिखर सम्मेलन शुरू

टोक्यो ने की आसियान-जापान शिखर सम्मेलन की मेजबानी

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

जापान और 10 दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ के बीच 50 साल की दोस्ती और सहयोग को चिह्नित करने के लिए टोक्यो ने शनिवार से तीन दिवसीय आसियान-जापान शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। आसियान के महासचिव कंबोडिया के काओ किम होर्न जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के निमंत्रण पर 16 से 18 दिसंबर के शिखर सम्मेलन में आसियान सचिवालय से एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

पिछले दशकों में आसियान-जापान संबंधों में प्राप्त उपलब्धियों का जायजा लिया और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की भविष्य की दिशा तय की। किशिदा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के साथ शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। वह रविवार को एक भव्य रात्रिभोज का भी आयोजन होगा।

आसियान-जापान मित्रता और सहयोग के 50 वीं वर्षगांठ पर दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में कई देशों का प्रतिनिधिमंडल अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शामिल हुआ। सभी के बीच चर्चा भी हुई।

खास बातें

- व्यापक रणनीतिक साझेदारी की भविष्य की दिशा में आगे बढ़े कई देश
- दशकों में आसियान-जापान संबंधों में प्राप्त उपलब्धियों का जायजा लिया
- समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा सहयोग पर बल दिया गया

सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा देने पर रहा जोर

जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो ने आसियान के महासचिव डॉ. काओ किम होर्न को सम्मेलन में आमंत्रित किया है। शिखर सम्मेलन में आसियान-जापान संबंधों में पिछले 50 वर्षों की उपलब्धियों जिक्र किया जाएगा। यह सम्मेलन आसियान-जापान व्यापक रणनीतिक साझेदारी की दिशा में विस्तार से बातचीत हुई। दक्षिण पूर्व एशिया और जापान के नेता सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के साथ ऊर्जा सहयोग पर जोर दिया गया। बीजिंग लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, जो एक महत्वपूर्ण व्यापार गलियारा है, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों द्वारा दावा किए जाने वाले क्षेत्रों में चीन के बढ़ते प्रभाव ने क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा दिया है। सम्मेलन में इसे भी एक महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में शामिल किया गया।

वीडियो कांफ्रेसिंग कल होगी

जापान द्वारा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए शिखर सम्मेलन में चर्चा की उम्मीद है, एशियाई नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन समुदाय (एजेईसी) मंच की बैठक सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से होने वाली है। आसियान में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। म्यांमार भी एक सदस्य है। 2021 के तख्तापलट के बाद शांति योजना विफल रहने पर जुंटा के नेताओं को उच्च-स्तरीय बैठकों से प्रतिबंधित कर दिया गया।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र खुला हो और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करें

सुरक्षा सहयोग सहित नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र जो स्वतंत्र और खुला हो, और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान व क्षेत्रीय अखंडता पर जोर दिया गया। सितंबर में आसियान देशों की सेनाओं ने अपना पहला संयुक्त अभ्यास आयोजित किया था। हालांकि मेजबान इंडोनेशिया ने कहा कि वे गैर-लड़ाकू अभ्यास थे, जो आपदा राहत और समुद्री गश्त जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित थे।

आसियान देशों की कुल आबादी 662 मिलियन

दक्षिणपूर्व एशियाई देशों का संगठन एक क्षेत्रीय समूह है, जिसका उद्देश्य अपने दस सदस्यों: ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के बीच आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है। आसियान देशों की कुल आबादी 662 मिलियन है और संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.2 ट्रिलियन डॉलर है।

मदद करने हुआ समझौता

जापान ने फिलीपींस की मदद करने के लिए पिछले महीने नए तट रक्षक जहाजों को सुरक्षित करने, रडार प्रणाली की आपूर्ति करने और एक-दूसरे की धरती पर सैनिकों को तैनात करने के लिए समझौता हुआ है।

खबर संक्षेप

दक्षिण गाजा में इजराइल हमले में पत्रकार की मौत

यरूशलम। दक्षिण गाजा में इजराइल के हवाई हमले में एक न्यूज चैनल के एक पत्रकार की मौत हो गई और उसका सहयोगी घायल हो गया। खान यूनिस के एक स्कूल पर इजराइल के मिसाइल हमले में उसके कैमरामैन समीर अबू दक्का और गाजा के ब्यूरो चीफ वाएल अल-दहदौह घायल हो गए थे। समीर की ज्यादा खून बहने से मौत हो गई, क्योंकि इजराइली बलों ने एम्बुलेंस और बचाव कर्मियों को उन तक पहुंचने से रोक दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि इजराइल जानबूझकर युद्ध कवर करने वाले पत्रकारों को निशाना बना रहा है।

चंद्रयान-3 शुरुआत, अब चांद पर इंसान जाएगा

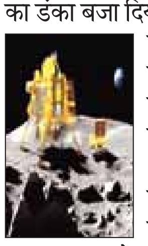

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की सफलता ने पूरी दुनिया में भारत का डंका बजा दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि आगे चांद पर इंसान को भेजने की तैयारी है। भारत 2040 तक यह कारनामा कर देगा। चंद्रयान-3 तो सिर्फ एक शुरुआत है। भारत की चंद्र मिशन को लेकर बड़ी तैयारी है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि भारत कब तब चांद पर इंसान को भेजने की योजना को अमल में ले आएगा। गगनयान मिशन में मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता के प्रदर्शन की परिकल्पना की गई है।

मदद के लिए अरब सागर में सर्विलांस एयरक्राफ्ट और युद्धक जहाज भेजा

माल्टा के मालवाहक जहाज को लुटेरों से रेस्क्यू करने में जुटी भारतीय नौसेना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में लुटेरों से माल्टा का झंडा लगे एक मालवाहक जहाज को रेस्क्यू करने में जुटी है। नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट और युद्धक जहाज को भेजा और लगातार माल्टा के जहाज की निगरानी की जा रही है। फिलहाल माल्टा का ये मालवाहक जहाज सुरक्षित सोमालिया के तट के नजदीक पहुंच गया है।

खास बातें

- मालवाहक जहाज में लगा था माल्टा का झंडा
- मालवाहक जहाज सुरक्षित सोमालिया के तट के नजदीक पहुंच गया
- लगातार माल्टा के जहाज की निगरानी की जा रही

भारतीय नौसेना का एयरक्राफ्ट लगातार माल्टा के जहाज पर नजर रख रहा है और जहाज की मूवमेंट की निगरानी कर रहा है।

हूती समूह ने लाइबेरिया के जहाजों पर दागी मिसाइलें

इराजइल-हमाज के युद्ध के बीच यमन के हूती समूह ने लाल सागर कॉरिडोर में लाइबेरिया के जहाजों पर मिसाइल दागी। यूएस सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी। शुक्रवार को बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य के पास लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों ने एक कार्गो जहाज पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। इस हमले के कुछ घंटे पहले भी एक जहाज पर हमला किया गया था। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए बताया कि सना समय के अनुसार 15 दिसंबर को करीब 0900 बजे हूती द्वारा यूएवी लॉन्च किया गया, जिसने लाइबेरिया के झंडे वाले मोटर जहाज अल जेएएसआरएएच को टक्कर मार दी, जिससे इसमें आग लग गई।

स्थिति पर काबू पाने की तत्काल कार्रवाई

भारतीय नौसेना ने बताया कि स्थिति पर तुरंत कार्रवाई करते हुए भारतीय नौसेना ने सर्विलांस एयरक्राफ्ट को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया। साथ ही नौसेना ने अदन की खाड़ी में तैनात अपने एंटी पाइरेसी पेट्रोल युद्धक जहाज को भी माल्टा के जहाज की मदद के लिए भेजा। नौसेना का एयरक्राफ्ट लगातार माल्टा के जहाज पर नजर रख रहा है और जहाज की मूवमेंट की निगरानी कर रहा है। फिलहाल यह जहाज सोमालिया के तट की तरफ बढ़ रहा है।

ब्रिटेन ने दी जहाजों को सलाह, अलर्ट रहें

बता दें कि ब्रिटेन की सरकार की तरफ से जहाजों को सलाह दी गई है कि जब वह अरब सागर में सोमालिया के नजदीक से गुजरें तो अलर्ट रहें। दरअसल इस इलाके में समुद्री लुटेरों के कई गिरोह सक्रिय हैं। सलाह दी गई है कि जहाज अलर्ट रहें।

अरब सागर में समुद्री लुटेरों का बड़ा खतरा

भारतीय नौसेना ने बताया कि माल्टा के मालवाहक जहाज पर 18 क्रू मेंबर तैनात हैं। क्रू के सदस्यों ने यूकेएमटीओ पोर्टल पर 14 दिसंबर 2023 को एक संदेश भेजा था, जिसमें बताया गया था कि छह अज्ञात लोग जहाज की तरफ बढ़ रहे हैं। इस सूचना पर नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने सर्विलांस एयरक्राफ्ट को माल्टा के जहाज की मदद के लिए रवाना किया। नौसेना के एक अधिकारी ने बताया कि पूरी स्थिति पर इलाके में अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर करीबी नजर रखी जा रही है। अधिकारी ने कहा कि भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय साझेदारों और मित्र देशों के साथ क्षेत्र में सबसे पहले मदद करने और व्यापारी जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लॉन्चपैड पर 300 आतंकवादी

भारत में फिर बड़ी साजिश की तैयारी में पाकिस्तान! सेना हाई अलर्ट पर

- घुसपैठ की किसी भी कोशिश को करेंगे नाकाम

एजेंसी ▶▶ पुलवामा

पाकिस्तान एक बार फिर बड़ी संख्या में घुसपैठियों को भारत में घुसाने की फिराक में है। खुफिया जानकारी के अनुसार, थोड़े बहुत नहीं बल्कि 250 आतंकी तक भारत में घुसने की कोशिश में हैं। सीमा पार बने लौन्चिंग पैड से आतंकियों की घुसपैठ हो सकती है। इसे लेकर बीएसएफ ने बयान दिया है। बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) ने कहा कि हमें ख़ुफ़िया जानकारी मिली है। हम सतर्क हैं और आतंकियों की घुसपैठ को नाकाम करने के लिए तैयार हैं।

खुफिया सूचनाओं को हमने गंभीरता से लिया

बीएसएफ के महानिरीक्षक अशोक यादव ने पुलवामा जिले में कहा कि खुफिया सूचनाएं हैं कि 250-300 आतंकवादी लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हमने और सेना ने सभी संवेदनशील इलाकों पर कब्जा कर लिया है और सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि हम घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना के बहादुर जवान सीमावर्ती इलाकों में सतर्क हैं और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे। यादव ने कहा कि हम घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने को लेकर आश्वस्त हैं।

सुरक्षा बलों-लोगों के बीच बड़ा जुड़ाव

उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों और कश्मीर के लोगों के बीच जुड़ाव बढ़ा है। अगर लोग हमारा सहयोग करें तो हम विकासात्मक गतिविधियों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं।

ओमान के सुल्तान का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया स्वागत

पीएम मोदी के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता

समृद्धि के लिए सहयोग की दिशा में आगे बढ़ेंगे भारत और ओमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर सुल्तान हैथम बिन तारिक शनिवार से भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। उनके साथ वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। भारत और ओमान के बीच राजनयिक संबंधो के लिए यह यात्रा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनकी दोपहर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी हुई। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक का राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वागत किया।

ओमान में 70000 भारतीय प्रवासी

ओमान में भारतीय प्रवासियों का एक बड़ा समूह भी रहता है,जो ओमान के आर्थिक विकास और सांस्कृतिक विविधता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ओमान में भारतीय प्रवासियों में काफी बढ़ोत्तरी हुई कोविड महामारी के प्रवासियों की संख्या 700,000 से अधिक हो गई है। इसके अतिरिक्त प्रवासी भारतीयों में ब्लू-कॉलर श्रमिकों की काफी संख्या में मौजूद है।

भारत का ओमान के साथ ऐतिहासिक संबंध

भारत का ओमान के साथ सदियों पुराने संबंध हैं। भारत और ओमान के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों पर आधारित दीर्घकालिक मित्रता है। गौरतलब है कि भारत के प्रधानमंत्रियों ने नियमित रूप से ओमान का दौरा किया है।

विजय दिवस पर राजनाथ ने वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर विजय दिवस के मौके पर कहा कि शनिवार को विजय दिवस पर हम उन सभी बहादुर नायकों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने 1971 में निर्णायक जीत सुनिश्चित करते हुए कर्तव्यनिष्ठा से भारत की सेवा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायुसेना के उपप्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने भी शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि 16 दिसंबर का दिन 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत की याद में मनाया जाता है। भारत ने पाकिस्तानी सेना के 93,000 सैनिकों को भारतीय सेना ने आत्मसमर्पण करने पर विवश कर दिया था। इस जीत के बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद हो गया, जिसे आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। इस युद्ध में भारतीय सेना के करीब 3,900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे, जबकि 9,851 घायल हो गए थे।

आतंकियों और उनके मददगारों के प्रति अपनाएं शून्य सहिष्णुता

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि आतंकियों और उनके मददगारों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाए। छोटे और हल्के हथियारों की अवैध आपूर्ति आतंक को जारी रखने में आंतकियों की मददगार साबित हो रही है। यही कारण है कि उनतक हथियारों को पहुंचने से रोकने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। भारत सीमा पार आतंकवाद और हिंसा से ग्रस्त है। आतंकी अवैध हथियारों के बल पर इसे जारी रखने में सक्षम होते हैं। भारत इन छोटे और हल्के हथियारों के खतरों से भली भांति परिचित है।

आतंकवादियों को मुहैया कराए जा रहे छोटे हथियार और गोला-बारूद

उन्होंने कहा कि भारत कई दशकों से आतंकवाद के अभिशाप से लड़ा है। भारत को इस बात की जानकारी है कि छोटे हथियारों और गोला-बारूद को हथियारों से लैस संगठन और आतंकवादियों को मुहैया कराया जा रहा है। तस्करी किए गए इन अवैध हथियारों का उपयोग करके की हमें काफी नुकसान पहुंचाया गया है।

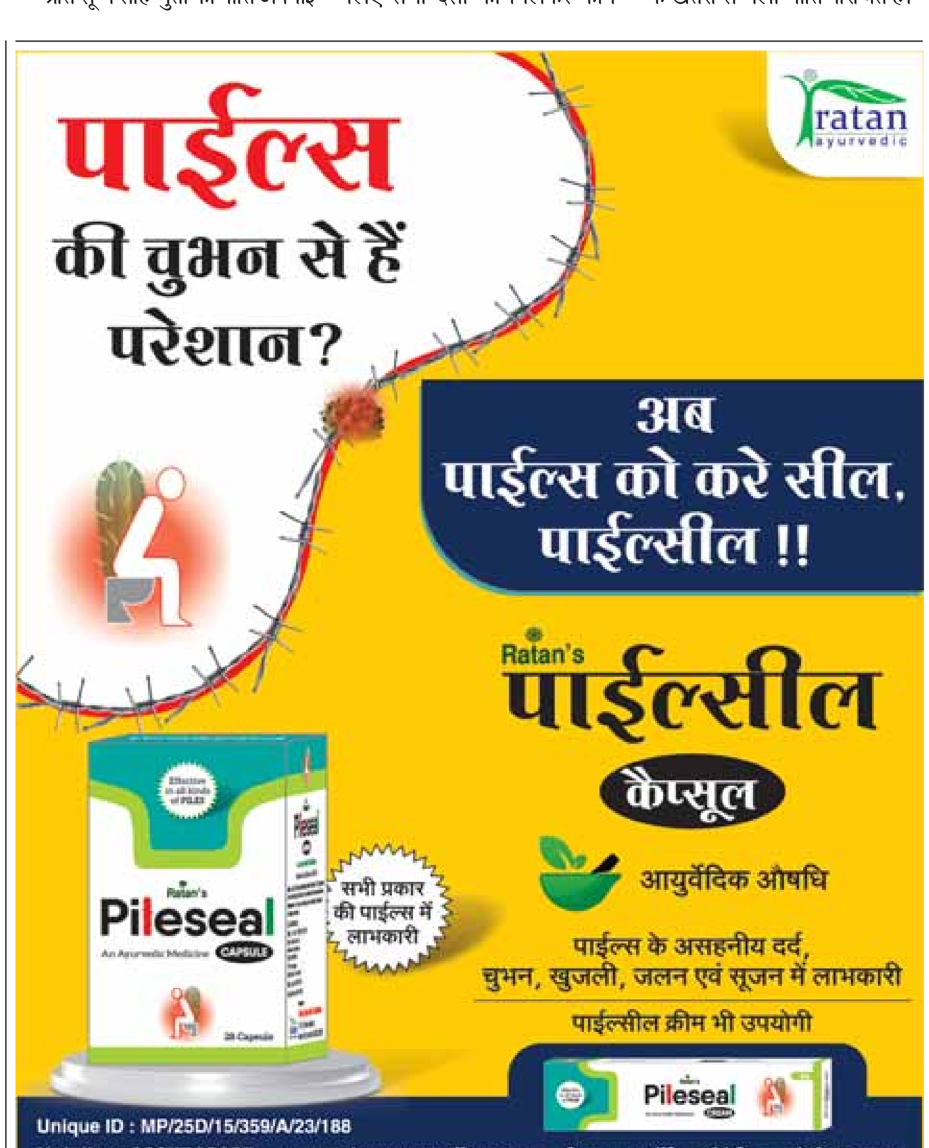

एएसआई से एसआई के 15 दिन में होंगे प्रमोशन, धार्मिक मेलों में बेहतर हों बंदोबस्त

सीएम ने कहा- अपराधों पर सख्ती से नियंत्रण हो, पुलिसकर्मियों की दक्षता बढ़ाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दायित्व संभालने के बाद पहली पुलिस मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की दक्षता बढ़ाने के लिए मौजूदा संसाधनों में बेहतर कार्य के प्रयास करें। प्रत्येक तरीके के अपराधों पर सख्ती से नियंत्रण हो। मध्य प्रदेश को अपराध नियंत्रण में वर्तमान स्तर को दुरुस्त करना है। ओरछा उज्जैन और अन्य नगरों में धार्मिक मेलों पर भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना है। जिला स्तर पर भी पुलिस बैंड हो। पुलिस बैंड से कार्यक्रमों की गरिमा बनती है ,इस नाते इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जाए। पुलिसकर्मियों सहित होमगार्ड जवानों और स्कूल के विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

रोजाना तैयार करें अपराध समीक्षा रिपोर्ट

बैठक में सीएम मोहन यादव ने अफसरों ने जिलेवार समीक्षा रिपोर्ट मांगी। उन्होंने कहा कि रोजाना अपराध की समीक्षा रिपोर्ट तैयार की जाए। अपराधिक घटनाओं के रोकथाम के लिए बेहतर साबित होगा। डीजीपी ने चर्चा के बाद कहा कि जल्द ही एसपी और आईजी के साथ बैठक होगी। इससे पहले जिल स्तर पर नवाचार और अपराधों की समीक्षा की रिपोर्ट सीएम सचिवालय को भेजी जाए। जिससे आने वाले दिनों में जिन जिलों में अपराध का ग्राफ बढ़ा है। उस पर एक्शन टेकन रिपोर्ट तैयार हो सके।

फॉरेंसिक लैब, पदों की भर्ती करने के निर्देश

भारत विकास यात्रा को लेकर भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए गए है। यात्रा की शुरुआत से लेकर सुरक्षा के संबंध में अफसरों के साथ चर्चा की गई है। इसके अलावा फारेंसिक लैब, पदों की भर्ती और जरूरतों को पूरा करने के लिए डीजीपी से चर्चा की गई है। मध्य प्रदेश में पुलिस ने कल ही नक्सली का एनकाउंटर किया है। बालाघाट में अतिरिक्त बटालियन की जरूरत होगी। उसे भी पूरा किया जाएगा। पुलिसभर्ती के संबंध में भी रिव्यू किया गया है। पुलिसकर्मियों की पारिवारिक समस्याओं को भी ध्यान में रखते हुए फैसले लेने के लिए निर्देश दिए है। पुलिस के वाहनों की कमी को पूरा करने के लिए भी चर्चा की गई है। बजट से लेकर प्रस्तावों पर मंथन किया गया है।

25 साल का टास्क

पीएम मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का फैसला किया है। मध्य प्रदेश में पुलिस को 25 साल की प्लानिंग करने के लिए कहा गया है। आने वाले सालों में क्या-क्या सुधार किए जा सकते हैं। इस संबंध में डीजीपी को निर्देश दिए गए हैं। जो भी जरूरतें हैं, उन्हें सरकार पूरा करेगी।

डीजी स्तर के अधिकारियों को सीएम ने यह भी दिए निर्देश

- हॉक फोर्स में केवल निरीक्षक तक ही क्यों आउट ऑफ़ टर्न प्रमोशन, आगे भी मिलना चाहिए।
- कंपनियां रेंज में ही होना चाहिए।
- अनुकम्पा नियुक्ति तत्काल दें।
- पदोन्नति में देरी नहीं करें।
- निजी आवास बनाने में जवानों को सरकारी सब्सिडी की योजना बनाएं।

मोहन-वीडी बना रहे संभावित मंत्रियों की सूची

मंत्रिमंडल गठन के लिए खरमास की चिंता नहीं करेगी भाजपा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री द्वय राजेंद्र शुक्ला एवं जगदीश देवड़ा की शपथ के बाद अब मंत्रिमंडल के गठन का इंतजार है। शपथ को लेकर आशंका इसलिए है क्योंकि शनिवार 16 दिसंबर से खरमास लग रहा है। आमतौर पर खरमास में कोई शुभ कार्य नहीं होते। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी मंत्रिमंडल के गठन के लिए खरमास की चिंता नहीं करेगी। जिस तरह भाजपा ने आलोचना की परवाह किए बगैर पितृपक्ष में भाजपा ने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी थी, उसी तर्ज पर खरमास में नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। मंत्रिमंडल गठन को लेकर मुख्यमंत्री पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में हैं।

दिन भर उड़ी सूची दिल्ली भेजने की अफवाह

सोशल मीडिया में शुक्रवार सुबह से ही एक खबर फैली कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संभावित मंत्रियों की सूची दिल्ली भेज दी है। खबर यह भी थी की कल यानि शनिवार को नए मंत्रियों को शपथ दिला दी जाएगी लेकिन इस खबर की किसी भी स्तर पर पुष्टि नहीं हुई। यह महज अफवाह निकली। मंत्रिमंडल के गठन पर अभी काम चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि सूची भेजना तो दूर, अभी उस पर काम ही नहीं हुआ है। इसमें अभी और समय लग सकता है।

मंत्रियों को लेकर चल रहा है तीन स्तर पर मंथन

मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले चेहरों को लेकर तीन स्तर पर मंथन चल रहा है। सीएम और डिप्टी सीएम की तर्ज पर केंद्रीय नेतृत्व मंत्रियों के नामों की सूची तैयार कर रहा है। दूसरा, मुख्यमंत्री डॉ यादव वरिष्ठ नेताओं की राय लेकर सूची बना रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा अपने स्तर पर सूची तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव और वीडी शर्मा मिलकर एक सूची फाइनल कर रहे हैं। यह सूची दिल्ली केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजी जाएगी।

केंद्रीय नेतृत्व फाइनल करेगा नाम

अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व को लेना है। इसलिए डॉ. यादव और वीडी द्वारा तैयार सूची पर डिस्कशन होगा। नेतृत्व उसमें काट- छांट करेगा। फिर अनुमोदित सूची राज्यपाल के पास शपथ के लिए भेजी जाएगी। माना जा रहा है कि नेतृत्व इस बार वरिष्ठों की सिफारिश को नजर अंदाज कर नए विधायकों को ज्यादा मौका दे सकता है। ऐसा नया नेतृत्व तैयार करने के उद्देश्य से ही किया जाएगा।

प्रदेश के लिए पीएम मोदी की गारंटी है संकल्प पत्र

संकल्प पत्र-2023 के क्रियान्वयन के लिए सात दिन में रोड मैप बनाने के मुख्यमंत्री के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह संकल्प पत्र प्रदेश के लिए प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। उन्होंने सभी विभागों को संकल्प पत्र-2023 के अनुसार संकल्पों और घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए सात दिन में रोड मैप बनाने के निर्देश दिए हैं। यह मध्यप्रदेश के भविष्य का विजन है।

इसका क्रियान्वयन मिशन मोड में करें। संकल्प पत्र-2023 की संकल्पों और घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा मुख्य सचिव स्तर से की जाएगी। ˈकल्प पत्र-2023 में समृद्ध किसान, जनजातीय कल्याण, उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा, सबका साथ विकास, सुदृढ़ आधारभूत संरचना, स्वस्थ प्रदेश, प्रगतिशील अर्थ व्यवस्था और औद्योगिक विकास, सुशासन एवं कानून व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण तथा सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन के बिन्दुओं के अंतर्गत विकास और जनकल्याण के लिए किए जाने वाले कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

खासकर किसानों के लिए संकल्प पत्र में गेहूं और धान के लिए समर्थन मूल्य पर बोनस की गारंटी दी गई है। इसके तहत 2700 रुपए प्रति क्विंटल पर गेहूं तथा 3100 रुपए प्रति क्विंटल पर धान की खरीदी होगी। पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 12 हजार रुपए वार्षिक वित्तीय सहायता जारी रहेगी।

जनजातियों के लिए यह कार्य होंगे

जनजातीय समुदाय के लिए अगले 5 वर्ष में स्वास्थ, शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण पर 3 लाख करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। तेंदुपत्ता संग्रहण की दर 4 हजार रुपए प्रति बोरा रहेगी। प्रत्येक एसटी ब्लाक में एकलव्य विद्यालय की स्थापना की जाएगी। एसटी बहुल जिलों- मंडला, खरगोन, धार, बालाघाट और सीधी में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण होगा। जनजातीय श्रृद्धा स्थल संरक्षण मिशन के तहत पूजा स्थलों के विस्तार और नवीनीकरण पर 100 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

दो एसपी समेत अन्य अमला रहेगा तैनात

सीएम डॉ. यादव को मिली जेड प्लस सिक्योरिटी

- 36 एनएसजी के कमांडो सहित काफिले में 14 से 17 वाहन शामिल रहेंगे
- सीएम डॉ . यादव की सुरक्षा में 24 घंटे कड़ी सुरक्षा का घेरा रहेगा।
- दो एएसपी, चार डीएसपी, विसुब के जवान और राज्य पुलिस के हथियारबंद जवान तैनात रहेंगे

पहले ही फैसले से चचाएओं में

बता दें मध्य प्रदेश के नए मुखिया के रूप में उज्जैन दक्षिण से विधायक डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद डॉ. मोहन यादव महाकाल के दर्शन करने के लिए उज्जैन गए थे। उज्जैन से लौटने के बाद उन्होंने मंत्रालय में बैठकी की और पहली बैठक में एक बड़ा आदेश दिया। बीजेपी के मुख्यमंत्री ने अपने निर्णय में मध्य प्रदेश में मांस और मटन की खुले में बिक्री को बंद करने का आदेश दिया. उनके इस आदेश के बाद सीएम मोहन यादव चर्चा में आ गए हैं।

शिवराज की सुरक्षा में 34 जवान रहे

तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा में 34 जवानों की ड्यूटी लगाई जाती थी। इसमें एमपी पुलिस के साथ हाकफोर्स के जवान होते थे। डीएसपी, इंस्पेक्टर, एसआई और एएसआई सहित 34 जवान सुरक्षा में शामिल रहते थे। वहीं काफिले में वानर, पायलट, ई-1 और ई-2 (दो गाड़ियों में किसी एक भी सीएम बैठते थे।) दो अन्य वाहन में रहते थे। इसके साथ फालो वाहन भी शामिल होते थे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश के नवागत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश के उन चुनिंदा लोगों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई है। वर्तमान में जेड प्लस सिक्योरिटी देश के चुनिंदा लोगों के पास ही है। जिसके बाद ये साफ हो गया कि मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा में 24 घंटे कड़ी सुरक्षा का घेरा रहेगा। सीएम डॉ. यादव की सुरक्षा में हमेशा 36 एनएसजी के कमांडो तैनात रहेंगे।

सीएम मोहन यादव को मिली जेड प्लस सिक्योरिटी के तहत अब उनकी सुरक्षा में दो एसपी, दो एएसपी, चार डीएसपी, विशेष सुरक्षा बल के जवान और राज्य पुलिस के हथियारबंद जवान तैनात रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के काफिले में 14 से 17 वाहन शामिल रहेंगे। इस काफिले में एक बुलेटप्रूफ कार भी शामिल रहेगी, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव सफर करेंगे। मध्य प्रदेश के 29 वें सीएम यादव हैं, जिन्हें जेड प्लस सिक्योरिटी दी गई है। अबतक किसी भी मध्य प्रदेश के सीएम रह चुके नेताओं को इस श्रेणी की सुरक्षा नहीं दी गई।

सीएम घर 24 घंटे तैनात रहेंगे सुरक्षाकर्मी

प्रदेश के नए सीएम डॉ. मोहन यादव उज्जैन के रहने वाले हैं। उनका उज्जैन में भी बंगला है। सीएम बनने के बाद उनके उज्जैन वाले घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यहां 24 घंटे सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। सीएम मोहन यादव के अब्दालपुरा स्थित बंगले पर मेटल डिटेक्टर मशीन लगा दी गई है। उनके आवास पर हर आने जाने वाले व्यक्ति को कड़ी जांच के बाद ही घर में प्रवेश दिया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने किया चित्रकूट में वैदिक एवं संस्कृत विद्यापीठ का लोकार्पण

सनातन धर्म और संस्कृति के संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा विद्यापीठः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि धैर्य और संयम के साथ अपने कर्तव्यों को पूरा करना ही राजनीति का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की पवित्र धार्मिक नगरी में बलराम देशिक संस्कृत विद्यापीठ की ओर से संचालित प्रियंबदा बिड़ला वैदिक एवं संस्कृत विद्यालय हमारी संस्कृति और सनातन धर्म के संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल चित्रकूट के नयागांव में आचार्य आश्रम के समीप नवनिर्मित प्रियंबदा बिड़ला वैदिक एवं संस्कृत विद्यालय के भव्य भवन के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आचार्य आश्रम नयागांव के पूज्य डॉ बदरी प्रपन्नाचार्य महाराज, वरुण प्रपन्नाचार्य महाराज, चित्रकूट के साधु-संतों की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने वैदिक मंत्रो और श्लोक के बीच विधि विधान पूर्वक वैदिक एवं संस्कृत विद्यापीठ का लोकार्पण किया। उन्होंने संस्कृत विद्यालय के प्रत्येक पठन कक्षों में जाकर पठन-पाठन के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

मप्र को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश की जनता ने सरकार को इतना बड़ा जनादेश दिया है। यह जनादेश जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश को देश का विकसित और सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प लिया है। इसके साथ ही विंध्य क्षेत्र को हिंदुस्तान का सबसे बेहतर और समृद्धशाली क्षेत्र बनाने का संकल्प भी पूरा होगा। उन्होंने कहा कि आचार्य आश्रम के स्वामी बदरी प्रपन्नाचार्य जी ने संस्कृत विद्यालय के 1982 में स्थापना काल से अब तक की प्रगति का रेखांकन करते हुए संस्कृत विद्यालय की स्थापना और भवन निर्माण के लिए सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री शुक्ल को संस्कृत भाषा में रचित अभिनंदन पत्र भेंट किया गया।

मां के दरबार में पहुंचे डिप्टी सीएम शुक्ल

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शुक्रवार को मैहर पहुंच कर मां शारदा देवी के दर्शन और पूजा अर्चना की। उन्होंने सपत्नीक मंदिर में हवन पूजन कर प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं मैहर और रीवा के स्थानीय जनप्रतिनिधि गण व अन्य उपस्थित रहे।

शुक्ल रीवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम में होंगे शामिल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल 16 दिसंबर को रीवा प्रवास में रहेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 2 बजे सिरमौर चौराहा सब्जी मंडी, रीवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत

मुठभेड़ के बाद बीजापुर में नक्सल कैंप किया ध्वस्त

कोर इलाके में घुसी फोर्स की फायरिंग के बाद भागे नक्सली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है कि फोर्स नक्सलियों के कोर इलाके में घुसी। नक्सली कमांडर दिनेश मोड़यिम और दुला कारम की टीम के साथ जवानों की मुठभेड़ हुई। हालांकि, फोर्स को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले हैं। जवानों ने कैंप ध्वस्त किया है। मौके से विस्फोटक समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। मामला गंगालूर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सली कमांडर और गंगालूर एरिया कमेटी का सचिव दिनेश मोड़यिम, गंगालूर एलओएस कमांडर दुला कारम पेद्दा कोरमा के जंगल में हैं। मुखबिर की इसी सूचना के आधार पर डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर और कोबरा बटालियन के जवानों को मौके के लिए रवाना किया गया था। रात भर सर्चिंग के बाद जवान सुबह नक्सलियों के इसी कोर इलाके में घुसे। जवानों को आता देख नक्सलियों ने फायर खोल दिया। जिसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। बताया जा रहा है कि, दोनों तरफ से करीब आधे घंटे तक मुठभेड़ हुई। जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली मौके से भाग निकले। जिसके बाद जवानों ने नक्सली कैंप को भी ध्वस्त कर दिया है। फिलहाल जवान लौट चुके हैं।

गाड़ियों के नंबर बदलने के बाद अब ब्लेजर-जूतों के लिए खर्च होंगे 26 लाख

नए मुख्यमंत्री की सिक्योरिटी के जवानों की बदलेगी ड्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सीएम विष्णुदेव साय की सुरक्षा में लगे जवानों को नई ड्रेस किट देने की तैयारी पुलिस मुख्यालय के अधिकारी कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने जवानों के लिए सफारी सूट, ब्लेजर और जूतों की खरीदी का प्रपोजल तैयार कर लिया है। खरीदी में 26 लाख रुपए खर्च होंगे। कुछ दिन पहले ही गाड़ियों का नंबर बदला गया था। प्रपोजल का टेंडर निविदा शनिवार को माना स्थित कार्यालय सेनानी वीआईपी सुरक्षा वाहिनी के कार्यालय से निकाला गया। इच्छुक कारोबारियों को 9 जनवरी तक निविदा पत्र कार्यालय से प्राप्त

करने और उसे 10 जनवरी की दोपहर दो बजे तक कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया है। सेनानी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सीएम सिक्योरिटी में लगे जवानों के लिए 170 सफारी सूट, 138 ब्लेजर, 164 पेन्ट और 266 जोड़े जूते खरीदे जाएंगे। खरीदी का बजट सेनानी के अधिकारियों ने 26 लाख से ज्यादा रखा है। सफारी सूट का कलर नेवी ब्लू, डॉर्क ग्रे और लाइट ग्रे, ब्लेजर का कलर ब्लू, ब्लैक, ग्रे, पेन्ट का कलर नेवी ब्लू, ब्लैक, ग्रे और डॉर्क ग्रे और जूतों का कलर ब्लैक कलर में रहेगा।

10 जनवरी को खुलेगा टेंडर

इस सामान की सप्लाई करने वाले कारोबारियों को टेंडर के जरिए आवेदन देना होगा। टेंडर माना स्थित सेनानी कार्यालय में 10 जनवरी की शाम चार बजे खोला जाएगा। 10 जनवरी को किसी कारण शासकीय अवकाश घोषित रहता है, तो कार्यालय खुलने के दिन इस प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। जिस कारोबारी को टेंडर मिलेगा, उसे तय दिनों में सप्लाई पूरी करनी होगी।

हर साल होती है खरीदी

चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, माना के अधिकारियों ने बताया, सीएम सिक्योरिटी में लगे जवानों को हर साल शासन की तरफ से ड्रेस, जूते सहित अन्य सामान देने का प्रावधान है। उनके लिए हर साल खरीदी होती है। ठंड और गर्मी में पहनने वाली दोनों तरह की ड्रेस किट जवानों को दी जाती है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में रामविचार नेताम होंगे प्रोटेम स्पीकर

नव निर्वाचित विधायकों को दिलाएंगे शपथ, छठवीं बार चुने गए हैं विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाजपा के वरिष्ठ नेता राम विचार नेताम को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है। विधानसभा का सत्र 19 से 21 दिसंबर के बीच होगा। इस दौरान नेताम नव निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे। नेताम ने बताया कि संगठन की ओर से यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। संगठन तय करता है कि किसे कौन सी भूमिका दी जाए। राम विचार नेताम सरगुजा के रामानुजगंज से विधायक चुने गए हैं। रामविचार नेताम रामानुजगंज विधानसभा से छठवीं बार के विधायक हैं। इसके पहले वे पाल से चार बार और रामानुजगंज विधानसभा से एक बार विधायक व राज्यसभा सांसद भी रहे। नेताम राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के बड़े आदिवासी चेहरे हैं।

शिक्षक की नौकरी छोड़कर बने विधायक

रामविचार नेताम ने बताया कि उन्होंने विधायक बनने के लिए शिक्षक की सरकारी नौकरी छोड़ी और राजनीति में कदम रखा। 1990 में अपने पहले चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के बड़े नेता हीरालाल मराबी को बड़े अंतर से हराकर मध्यप्रदेश विधानसभा पहुंचे। उन्होंने लगातार पांच बार विधायक बनने का रिकार्ड अपने क्षेत्र से बनाया।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने तैयार किया है प्लान भोपाल में अटका

जबलपुर के मास्टर प्लान में कौन अटका रहा रोड़ा...!

हरिभूमि जबलपुर।

शहर के लिये बना मास्टर प्लान की समय सीमा 2021 को समाप्त हो चुकी है। जबलपुर का नया मास्टर प्लान भी लगभग बनकर तैयार है। वर्ष 2035 तक के लिये बनाये गये इस मास्टर प्लान में जबलपुर के विकास का विजन तैयार किया गया है। परंतु एक साल से ऊपर का समय बीत गया है, आज तक मास्टर प्लान को लागू नहीं किया जा सका। भोपाल में अटके मास्टर प्लान को लागू करने में कहीं न कहीं कोई तो रोड़ा अटका रहा है।

उल्लेखनीय है कि कार्यालय संयुक्त संचालक नगर एवं निवेश द्वारा बनाये गये मास्टर प्लान को अप्रैल 2022 तक लागू हो जाना था परंतु प्लान बनकर तैयार होने के बाद भी लगभग डेढ़ वर्ष से ऊपर का समय बीत चुका है। इसे लागू नहीं किया गया और न ही कोई अधिकारी मास्टर प्लान को लागू करने में को दिलचस्पी दिखा रहे हैं। नगर एवं निवेश के अधिकारियों ने डेढ़ वर्ष पूर्व बताया था कि जबलपुर के लिये बनाये गये मास्टर प्लान का कार्य लगभग पूरा हो गया है, भोपाल स्तर पर बैठकों का दौर जारी है इसके बाद क्या हुआ किसी ने भी इसकी सुध नहीं ली।

रिंग रोड भी शामिल

कहा जा रहा है कि मास्टर प्लान में केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना भारतमाला प्रोजेक्ट के अंतर्गत बनने वाली रिंग रोड को भी शामिल किया गया है। लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की इस योजना के साथ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, नये फ्लाईओव्हर, नई सड़कों को शामिल किया गया है।

देरी की वजह भोपाल

बताया जाता है कि नया मास्टर प्लान बनकर तैयार है लेकिन इसको भोपाल स्तर से मंजूरी मिलना है। भोपाल से ही इसमें देरी हो रही है। मास्टर प्लान लागू हो जाता तो शहर में विकास की नई तस्वीर देखने को मिलती।

नये प्रोजेक्ट अटके

मास्टर प्लान बनने तथा उसे अमल में लाने के लिये एक साल से ज्यादा का समय हो गया है। एक साल पीछे चलने के कारण नये प्रोजेक्टों में देरी हो रही है। जबकि शासन स्तर पर इसको हो जाना चाहिए था। इस प्रोजेक्ट में 64 गांवों को भी जोड़ा गया है। इन गांवों में भी शहर जैसा विकास संभव हो पाता।

सीजीएचएस, डिस्पेंसरी सलाहकार समिति की हुई बैठक

ठंड में बुर्जुग संयमित दिनचर्या रखे

जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) डिस्पेंसरी नंबर 4 के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ए0के0 सुधांशु की अध्यक्षता में नगर के वरिष्ठ नागरिकों के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ सलाहकार समिति की मासिक बैठक डिस्पेंसरी नंबर 4 हेड पोस्ट ऑफिस परिसर जबलपुर में आयोजित की गई। इस डिस्पेंसरी के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ ए0 के0 सुधांशु ने सलाहकार प्रतिनिधि बेनिफिसरी बेल्फेयर एसोसियेशन ऑफ इंडिया के अरविंद पटेल, त्रिपुरी वरिष्ठ नागरिक महासंघ के मदन गोपाल शर्मा, वरिष्ठ नागरिक परिषद जबलपुर के अनिल शुक्ला, वरिष्ठ नागरिक जन कल्याण संघ के किशन लाल, वरिष्ठ नागरिक परिषद कटनी के दिलीप कुंडे, भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के अर्जुन सिंह का स्वागत करते हुए कहा कि ठंड का सीजन है पूरी सावधानी व सतर्पता से अपनी दिनचर्या पर सयंम बरतने की सलाह दी।

बैठक में मेडिसन आपूर्तिकर्ता के प्रतिनिधि पलास नन्दवानी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सीनियर्स सिटीजनो के स्वास्थ को लेकर डॉ एके सुधांशु ने आश्वस्त किया कि इलाज और दवाइयों की कभी कोई कमी नही होगी उन्हें पूरे सम्मान के साथ इलाज की उचित सलाह दी जाएगी। अनिल शुक्ला ने बताया कि डॉ सीएल अहिरवार, इस माह रिटायर्ड हो रहे है उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा। इस पर अरविंद पटेल सहित सभी ने इस परम्परा का स्वागत किया और डॉ एके सुधांशु ने कहा कि 30 दिसम्बर को विदाई समारोह मिलकर करेंगे। बैठक के अंत मे प्रदीप सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। बैठक में डिस्पेंसरी स्टाफ मनोज कुमार, विनोद राय, प्रदीप सिंह, प्रेमलता साहू, अनू कुमारी, रवि दहायट, गोपाल भट्ट, हेमराज आर्मे, रंजना सहित सभी का योगदान सराहनीय रहा।

हर दिन प्रत्येक विकासखंड के दो ग्राम पंचायतों में पहुंचेगी यात्रा

चौदह ग्राम पंचायतों में पहुँचेगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

जबलपुर। केन्द्र शासन की योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को पहुंचाने तथा देश में हुये विकास से आम लोगों को परिचित कराने जिले में से प्रारंभ हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा रविवार 17 दिसम्बर को चौदह ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगी। यात्रा के दौरा एलईडी स्क्रीन से सुसज्जित रथ द्वारा केन्द्र शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जायेगा। इसके साथ ही इन योजनाओं का लाभ लेने से शेष रह गये पात्र हितग्राहियों से फार्म भरवाकर आवेदन प्राप्त करने संबंधित विभागों द्वारा शिविर लगाये जायेंगे। यात्रा के दौरा नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अलग से शिविर भी लगाया जायेगा। जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकसित भारत संकल्प यात्रा रविवार 17 दिसम्बर को जबलपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत आमा हिनौता में सुबह 10 बजे तथा ग्राम पंचायत पिपरिया मेडिकल में दोपहर 2 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार मझौली जनपद पचापत में सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत उमरिया (ढिरहा) एवं दोपहर 2.30 बजे ग्राम पंचायत बनखेड़ी, जनपद पंचायत सिहोरा में सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत गांधीग्राम एवं दोपहर 2 बजे देवनगर, जनपद पंचायत पनागर में सुबह 10 बजे ग्राम पंचायत सिंगलदीप एवं दोपहर 2 बजे ग्राम पंचायत गुलौदा, जनपद पंचायत पाटन में सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत धनेटा एवं दोपहर 2.30 बजे ग्राम पंचायत बरही, जनपद पंचायत शहपुरा में सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत कूड़न एवं दोपहर 1 बजे ग्राम पंचायत बिल्हा तथा जनपद पंचायत कुण्डम में सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत मड़ई कला एवं दोपहर 1.30 बजे ग्राम पंचायत मोहनी पहुंचेगी।

ग्राम पंचायतों में पहुंचने पर यात्रा के साथ पहुंचने वाली प्रचार रथों का स्वागत होगा। केन्द्र शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभांवित हितग्राही "मेरी कहानी मेरी जुबानी" की थीम पर अपना अनुभव साझा करेंगे। किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने माटी कहे पुकार की थीम पर स्कूल बच्चों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे। केन्द्र शासन की विभिन्न जनकल्याण कारी योजनाओं पर केनद्रित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता भी होगी। मृदा परीक्षण एवं स्वाइल हेल्थ कार्ड बनाने कृषि विभाग द्वारा शिविर लगाया जायेगा। आयुष्मान कार्ड बनाने, विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों के ई-केवायसी करने, आधार अपडेशन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की पात्रता पची बनाने, बैंको से जुड़ी प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना एवं अटल पेंशन योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों को पहुंचाने तथा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करने भी शिविर इन ग्राम पंचायतों में संबंधित विभागों द्वारा लगाये जायेंगे। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए भी अलग से स्टॉल लगाया जायेगा।

फिर गर्माया बंगला-बगीचा क्षेत्रों का मामला

जबलपुर। केंट में बंगला और बगीचा क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की बेदखली का मुद्दा फिर एक बार गर्म हो गया। इस बार संसद भवन तक जा कर प्रर्दशन करने की बात यहां के निवासी और प्रदर्शनकारी कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगला व बगीचा क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को लगातार बेदखली के नोटिस दिए जा रहे हैं। जिसमें 7 5 दिन में कब्जा छोड़ने की बात की गई है। इस मामले में कांग्रेस नेताओं ने आगे आकर संसद भवन के घेराव तक का ऐलान कर दिया है। पूर्व उपाध्यक्ष अभिषेक चिंटू चौकसे ने बताया कि नर्मदा क्लब,संजय गांधी नगर, कटंगा में डिफेंस ईस्टेट ऑफिस (डीईओ) के द्वारा डेढ़ सौ घरों में नोटिस दिया गया। जिसमें यह लिखा गया की 7 दिन के अंदर अगर आप मकान खाली नहीं करते हैं तो अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के तहत उसे ध्वस्त कर दिया जाएगा। पूर्व बोर्ड मेंबर अमर चंद कविता बावरिया, राकेश बावरिया, राहुल रजक ने बताया नर्मदा क्लब में नोटिसों को लेकर बैठक रखी गई। यहां करीब 100 परिवारों को नोटिस भेजा गया और 5 दिन के अंदर खाली करने के आदेश दिए गए हैं। पूर्वजों के समय से रहने वाले लोग कहां जाएंगे, पूरी बस्ती में दहशत का माहौल बना हुआ है।

स्वतः संज्ञान के आधार पर हो रही है सुनवाई

आइटी पार्क व सेटेलाइट सिटी मामले में रिकार्ड हाई कोर्ट में प्रस्तुत

जबलपुर। हाई कोर्ट के पूर्व निर्देश के पालन में बरगी हिल्स के समीप आइटी पार्क व सेटेलाइट सिटी के लिए वन भूमि की जमीन आवंटित करने के रिकार्ड पेश किए गए। मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने जानकारी को अभिलेख पर लेते हुए अगली सुनवाई शीतकालीन अवकाश के बाद किए जाने की व्यवस्था दे दी। उल्लेखनीय है कि इस मामले में हाई कोर्ट ने पूर्व में तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि यदि भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया में त्रुटि पाई गई तो निर्माण हटाने का आदेश जारी करने से इन्कार नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि बरगी हिल्स के समीप आइटी सिटी व सेटेलाइट सिटी के लिए सरकार द्वारा जमीन आवंटित किए जाने के विरुद्ध हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसमें कहा गया था कि बरगी हिल्स

का क्षेत्रफल लगभग 100 हैक्टेयर का है। बरगी हिल्स में तेंदुए सहित अन्य वन प्राणियों को देखा गया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में पक्षी भी रहते हैं। मदन महल पहाड़ी को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लाखों रूपये व्यय किए गए थे। सैकड़ो की संख्या में परिवारों को विस्थापित किया गया था। बरगी हिल्स भी मदन महल पहाड़ी के पीछे का हिस्सा है। सरकार ने आइटी पार्प व सेटेलाइट सिटी स्थापित करने के लिए बरगी हिल्स में जो जमीन आवंटित की है, वह पर्यावरण के दृष्टि से सही नहीं है। आइटी पार्प व सैटेलाइट सिटी निर्माण के लिए ब्लास्ट कर पहाड़ी को समतल किया जा रहा है। याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने सरकार से हलफनामा में जवाब मांगा था।

याचिका वापस लेने पर हाई कोर्ट ने स्वतः लिया था संज्ञान

मामले में पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से याचिका वापस लेने का आग्रह किया गया था। युगलपीठ ने आग्रह को स्वीकार करते हुए उक्त मामले की सुनवाई संज्ञान याचिका के रूप में करने के निर्देश दिए थे। युगलपीठ ने याचिका में अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय को कोर्ट मित्र नियुक्त किया। कोर्ट मित्र ने सुनवाई के दौरान न्यायालय को बताया गया था कि नगर वन भूमि की जमीन को दूसरे विभाग में स्थानांतरित करने में प्रक्रिया व आरवीसी के प्रविधानों का पालन नहीं किया गया है। नियमों के विपरीत आदेश पारित किए गए हैं।

हाई कोर्ट ने तलब किया था रिकार्ड

वहीं सरकार की ओर से युगलपीठ को बताया था कि जमीन के स्थानांतरण की प्रक्रिया साल 2006 में हुई थी। याचिकाकर्ता ने याचिका दायर करने में देरी की है, वर्तमान में जमीन पर निर्माण कार्य हो गया है। युगलपीठ ने नगर वन भूमि के स्थानांतरण में प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए जमीन के स्थानांतरण प्रक्रिया के दस्तावेज पेश करने के आदेश जारी किए थे।

महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय को रेल मंत्री ने सौंपी शील्ड

लेखा एवं वित्त प्रबंधक में पमरे को मिली शील्ड

जबलपुर। रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड स्तर पर भारत मंडपम, प्रगति मैदान नई दिल्ली में 15 दिसंबर को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में लेखा एवं वित्त प्रबंधन की शील्ड पश्चिम मध्य रेल को प्रदान की गई है। रेलवे बोर्ड स्तर की दक्षता शील्ड रेलमंत्री द्वारा पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक, श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय को प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रधान वित्त सलाहकार डॉ. नवल किशोर श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। वित्त एवं लेखा विभाग द्वारा वर्ष भर किये गये उत्कृष्ट कार्यों के चलते यह शील्ड पश्चिम मध्य रेलवे को हासिल हुई है। इसके अतिरिक्त पश्चिम मध्य रेल के एक अधिकारी एवं एक कर्मचारी को भी व्यक्तिगत रूप से अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

लेखा एवं वित्त प्रबंधन शील्ड

रेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कार्य निष्पादन के आधार पर संपूर्ण भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनल रेलवे के साथ साथ वर्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रेल अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2022-23 में सर्वश्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के आंकलन के आधार पर पश्चिम मध्य रेल को लेखा एवं वित्त प्रबंधन शील्ड घोषित हुई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय को राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में दक्षता शील्ड प्रदान की।

अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

इसके अतिरिक्त पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (मूवमेंट) के पद पर पदस्थ प्रिंस विक्रम को मुख्यालय द्वारा दिए गए मानकों के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने, जबलपुर मंडल का अब तक का सर्वेत्तम (34.75 एमटी) लदान करने एवं अन्य उत्कृष्ट कार्यों के चलते अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार कोटा मंडल में श्री महावीर स्टेशन पर कार्यरत के.के.शर्मा, वरिष्ठ प्लेटफार्म पोर्टर को भी अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री शर्मा ने दिनांक 30 मई 2022 को गाड़ी के इंजन से चौथे कोच में धुआँ देखा, उन्होंने हॉट एक्सेल डिटेक्ट कर त्वरित कार्यवाही की। सतर्पता के इस प्रशंसनीय कार्य हेतु इन्हें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस तरह पश्चिम मध्य रेलवे के उपर्युक्त दोनों हीरोज को रेल मंत्री द्वारा इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिव्यांगों की विकास खण्ड स्तरीय खेलकूद एवं सामर्थय प्रतियोगिता सम्पन्न

जबलपुर। नगर शिक्षा केन्द्र 1 के अंतर्गत समस्त शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के दिव्यांग छात्रों की चित्रकला,मेहंदी,रंगोली,गायन,नृत्य नीबू दौड़,50मीटर दौड़,100 मीटर दौड़ की प्रतियोगिता सम्पन्न हुई । कार्यक्रम का शुभारंभ बी आर सी नगर 1 डॉ डी सी अहिरवार, बी ए सी श्वेता श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर सरस्वती पूजन के साथ किया ।इसके बाद सरस्वती वंदना अंशु ताम्रकार,संगीता शुक्ला,अलका कोरी ,रश्मि ने की । निर्णायक मंडल में बी ए सी संतोष ठाकुर ,अजय सिंह ठाकुर जन शिक्षक,राजीव लोचन ,जुगलकिशोर राठौर सलेहा ,ने सराहनीय भूमिका निभाई।आज की प्रतियोगिता में कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमे रांगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आर्या लोधी को मिला,चित्रकला प्रतियोगिता में लक्ष्मी चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,मेहंदी में छीता वरकड़े प्रथम, दौड़ में गौरव श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को बी आर सी महोदय ,बी ए सी अजय रजक द्वारा स्वेटर एवं प्रमाण पत्र वितरित किया गया।साथ ही शेष छात्रों को सांत्वना पुरस्कार में प्लोवर एवं प्रमाण दिया गया।कार्यक्रम का संचालन अजय रजक एवं आभार प्रदर्शन विवेक रंजन शुक्ला ने किया।सम्पूर्ण प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में एम आर सी अंशु ताम्रकार एवं संगीता शुक्ला का विशेष योगदान रहा।इस अवसर में सुभाष नगर विद्यालय के समस्त शाला परिवार एवं के एल कुशवाहा वर्षा चौकसे ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

जनप्रतिनिधियों ने रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 राज्यों में वर्चुअली विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त सर्वसुविधायुक्त मोबाइल वेन हर ग्राम पंचायत तक पहुंचेगी और केन्द्राrय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने और नवाचारी योजनाओं से देश हुए विकास से आम लोगों को परिचित भी करायेगी। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा से 26 जनवरी तक चलेगी। यह यात्रा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में से गुजरेगी और केन्द्रीय योजनाओं से वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित करवायेगी। मध्यप्रदेश में कृषि और ग्रामीण विकास विभाग की यात्रा में अहम भूमिका रहेगी। उल्लेखनीय है कि इसमें यह प्रयास किया जा रहा है कि केन्द्रीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को मिले। अतः ग्राम स्वराज अभियान, विस्तारित ग्राम स्वराज अभियान, प्रमुख योजनाओं का शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने संकल्प यात्रा निकाली जा रही है।

जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में रथों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ शनिवार को शाम 4 बजे जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्वारीघाट रोड पर बिग बाजार के समीप स्थित मैदान पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुआ। जिसमें जनप्रतिनिधियों ने रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्वारीघाट में माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान विधायक राकेश सिंह, अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, संतोष वरकड़े, नीरज सिंह, मध्यप्रदेश पर्यटन निगम के अध्यक्ष विनोद गोंटिया सहित निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, अखिलेश जैन, आशीष दुबे तथा अन्य प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन, पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह, नगर निगम कमिश्नर स्वप्निल वानखड़े तथा अन्य नोडल अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व सांस्कृतिक गतिविधियों से हुआ। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम का लाइव प्रसारण लोगों ने देखा।

बुलेरो ने 2 बाईकों को टक्कर मारी, 5 घायल

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत महाराजपुर रोड में करोंदा नाला के पास एक बुलेरो कार ने दो बाईक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक में सवार पांच लोग घायल हो गए, जिनमें एक महिला शामिल है। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं टक्कर मारने वाला आरोपी मौके से फरार हो गया। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार संजीवनीनगर सतपुड़ा एवेन्यू संजीवनीनगर निवासी 31 वर्षीय दिप्तांशु बरकड़े गत दिवस मोहर सिंह ठाकुर के साथ बाईक में एवं शोभन बरकड़े एवं रोशनी पटेल दूसरी बाईक में और संतोष बंसल, दीपचंद अहिरवाल, कमलेश विश्वकर्मा एक अन्य बाईक में बैठकर पनागर शादी प्रोग्राम में जा रहे थे। दिप्तांशु बरकड़े और मोहर सिंह सबसे पीछे थे और बाकी लोग आगे चल रहे थे। जैसे ही महाराजपुर रोड में करोंदा नाला के पास पहुंचे तभी बुलेरो कार क्रमांक एमपी 51 सीए 1711 के चालक ने शोभन बरकड़े और संतोष बंसल दोनों की बाईक पीछे से टक्कर मार दी। दोनों बाईक में सवार शोभन बरकड़े, रोशनी पटेल, संतोष बंसल, दीपचंद अहिरवाल एवं कमलेश विश्वकर्मा सभी बाईक सहित नीचे गिरकर घायल हो गए। वहीं कार चालक अपनी कार से भाग गया। टक्कर लगने से शोभन बरकड़े, रोशनी पटैल, संतोश बंसल, दीपचंद अहिरवाल एवं कमलेश विश्वकर्मा को हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आ गयीं। दिप्तांशु बरकड़े और मोहर सिंह ने पांचों घायलों को आटो से ले जाकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 279, 337 तथा 184 मोटर व्हीकल एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

नए साल 2024 में 30 दिन विवाह मुहूर्त, मई-जून में नहीं है मुहूर्त

जारी वर्ष में अब विवाह के लिए 15 दिसंबर को ही मुहूर्त शेष हैं। वहीं ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक आगामी वर्ष में 21 अप्रैल के बाद व मई-जून में विवाह के लिए कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं हैं।

हरिभूमि, जबलपुर

16 जुलाई देवशयनी एकादशी से चातुर्मास लगने के चलते फिर नवम्बर तक विवाहों पर विराम लग जाएगा। नए साल में कुल 72 दिन विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। शुक्र अस्त होने के चलते दो माह नहीं हैं विवाह मुहूर्त 16 जुलाई से लग जाएगा चातुर्मास गुरु, शुक्र रहेंगे अस्त, इनकी स्थिति महत्वपूर्ण।

15 मार्च से खरमास भी

16 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। चातुर्मास के चलते 16 जुलाई से 12 नवंबर तक भी विवाह नहीं होंगे। इसके अलावा 15 मार्च से 16 अप्रेल के बीच मीन राशि की संक्रांति होने के कारण खरमास रहेगा और विवाह इस दौरान नहीं हो सकेंगे।

नए साल में विवाह मुहूर्त जनवरी में दस दिन

16, 17, 20, 21, 22, 27, 28, 29, 30 और 31 को विवाह के मुहूर्त हैं। फरवरी में बीस दिन- 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 26, 27 और 29 को। मार्च में नौ दिन- 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 11 और 12 को। अप्रैल में पांच दिन- 18, 19, 20, 21 और 22 को। जुलाई में आठ दिन- 3, 9, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 को। नवंबर में नौ दिन- 16, 17, 18, 22, 23, 24, 25, 26 और 28 को विवाह के मुहूर्त हैं। दिसंबर में ग्यारह दिन- 2, 3, 4, 5, 9, 10, 11,12, 13, 14 और 15 को विवाह के मुहूर्त हैं।

गुरु और शुक्र ग्रह का अच्छी स्थिति में होना जरूरी

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार विवाह के लग्न मुहूर्त देखते समय गुरु और शुक्र ग्रह का अच्छी स्थिति में होना जरूरी होता है। इनमें से एक भी ग्रह अस्त होने या खराब स्थिति में होने पर उस तिथि में विवाह का मुहूर्त नहीं बनता। देवगुरु बृहस्पति और शुक्रदेव को विवाह के लिए कारक माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में गुरु और शुक्रग्रह मजबूत स्थिति में होते हैं तो जल्द शादी के योग बनते हैं। इन दोनों ग्रहों के कमजोर होने पर विवाह में बाधा आने लगती है। यह भी माना जाता है कि गुरु और शुक्र तारा के अस्त होने पर विवाह नहीं किया जाता। हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2024 में 23 अप्रैल से 30 जून के बीच शुक्र ग्रह अस्त होने के कारण विवाह नहीं होंगे।

विजय दिवस पर सैनिकों के चेहरों पर दिखी शौर्य चमक

जबलपुर। वर्ष 1971 के पाक युद्ध में विजय की याद में आज भारतीय सेना विजय दिवस मना रही है। इसके तहत सैनिकों के चेहरों पर आत्मविश्वास से लबरेज गौरव की झलक दिखी। सदर स्थित वॉर मेमोरियल पर सैन्य अधिकारियों द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। सेनिकों ने कहा कि आज 16 दिसंबर वर्ष 1971 में हुए भारत-पाक युद्ध में अदम्य साहस और चीरता का परिचय देने वाले वीर सैनिकों को उनके पराक्रम के लिए याद किया जाता है, शहर का योगदान आया 71 याद, पाकिस्तानी सेना ने किया था घुटना टेक ग्रेनेडियर्स के जांबाजों ने इस युद्ध में अपना पराक्रम दिखाते हुए पाकिस्तानी सेना को परास्त किया और 93 हजार सैनिकों का आत्मसमर्पण हुआ था। जबलपुर में आत्म समर्पित सैनिकों के प्रमुखों को रखा गया था। इस आत्मसमर्पण को इतिहास का सबसे बड़ा आत्मसमर्पण माना जाता है। 71 के युद्ध के वीर योद्धाओं ने एक परमवीर चक्र सहित 12 सम्मान हासिल किए। सैनिकों को आज उन सभी योद्धाओं का बलिदान याद आया जो देश के लिए अपनी जान न्योछावर कर दिए। इसी तरह कश्मीर राइफल्स के 28 वीरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके साहस और पराक्रम के लिए जैक को श्यामगंज बैटल ऑनर से सम्मानित किया गया था। यह दिन इसीलिए भी यादगार बन जाता है क्योंकि पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी को जबलपुर के कॉलेज ऑफ मटेरियल मैनेजमेंट की बैरक में युद्ध बंदी के रूप में रखा गया था।

निर्धन छात्र-छात्राओं को बांटी स्वेटर

जबलपुर। ठंड के कारण अध्ययन में आ रही बाधा को दूर करने गोरखपुर नवीन विद्या भवन शाला के गरीब छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित की गई। इस अवसर पर अतिथिद्वय एड. अंकित अग्रवाल व अभिषेक अग्रवाल व विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को बताया कि ठंड में वातावरण का तापमान कम होता है जिसका सीधा प्रभाव हमारे शरीर के रक्त प्रवाह पर पड़ता है जरूरी है कि उचित खान-पान व नियमित व्यायाम से ठंड में शरीर को स्वस्थ रखा जाए। इस मौके पर आयोजित कार्यशाला में शालिनी सिंह, रुक्मणी झारिया, नेहा यादव, मीना साहू, प्राचार्य रूपेश कुमार अग्रवाल, उप प्राचार्य हेमंत कुमार कोरी, परेश कुमार राठौर, रंजना गुप्ता, मयंक सेठ सहित अन्य शिक्षक- शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

सामान्य प्रसव व नवजात की देखभाल पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

जबलपुर। एसओएमआई (सोसायटी ऑफ मिडवाइफरी इंडिया) ने रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के साथ मिलकर सामान्य प्रसव और नवजात बच्चों की देखभाल के विषय में नेशनल संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें अलग-अलग राज्य से आए स्पीकर ने जानकारी प्रदान किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ गीता गुईन डीन (एन.एस.सी.बी.), डॉ ऊषा उकांडे (प्रेसींडेंट ऑफ एसओएमआई), संस्था के संस्थापक एस.डी. बडेरिया, चेयरमेन ग्लोबल ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूशन सौरभ बडेरिया, डायरेक्टर, प्राचार्या एवं नर्सिंग के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। डॉ गीता गुईन डीन (एन.एस.सी.बी.) ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को जच्चा, बच्चा सुरक्षा एवं प्राथमिक और गलत अवधारणाओं को दूर करने के लिए ध्यान आकर्षित किया। जिसमें डॉ ऊषा उकांडे ने सामान्य प्रसव को बढ़ावा देने के लिये, योगा ओwर अन्य व्यायाम के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विभिन्न नर्सिंग महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक तथा विद्यार्थियों ने रुची दिखाई और संगोष्ठी में शामिल हुए।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हिन्दी दिवस पुरस्कार वितरित

जबलपुर। बैंक ऑफ महाराष्ट्र देश के सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक है। बैंक द्वारा पुणे में हिन्दी दिवस पुरस्कार वितरण समारोह अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री ए. एस. राजीव ने की। प्रख्यात फिल्म व टीवी अभिनेत्री सुश्री आर्या शर्मा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। श्री आशीष पाण्डेय, कार्यपालक निदेशक, श्री रोहित ऋषि, कार्यपालक निदेशक, श्री अमित श्रीवास्तव, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री के. राजेश कुमार, महाप्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधान कार्यालय के महाप्रबंधकगण, देश भर से आए कार्यपालक, अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित थे। श्री के. राजेश कुमार, महाप्रबंधक ने सभी उपस्थित व्यक्तियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बैंक की ई-पत्रिका "महाबैंक संवाद सरिता" के वार्षिक संकलन का विमोचन मंच पर उपस्थित मान्यवरों के कर कमलों से किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित आंतरिक राजभाषा ट्रॉफी योजना के पुरस्कार वितरित किए गए।

पठान समाज ने किया मुफ्ती-ए-आज़म म.प्र. का सम्मान

जबलपुर। पठान समाज के संरक्षक मौलाना मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी के मुफ़्ती-ए-आज़म म.प्र. नियुक्त होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए पठान समाज ने मुफ़्ती साहब का सम्मान कर स्वागत किया। पठान समाज ने कहा कि मुफ़्ती साहब म.प्र. के गौरव हैं और कौमी एकता के प्रतीक हैं।

इस दौरान पठान समाज के सरदार सर्वश्री हाजी मुईन खान, हाजी सलीम खान, नसीम खान, अकबर खान, जमा खान, हाफिज जावेद खान, समीर खान, मकसूद चिश्ती, मोइन खान, बाबू खान, जुबेर खान, मोहसिन खान, शरीफ खान एड., एफाज खान, तौसीफ खान सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय जन उपस्थित रहे। तदोपरांत देश में अमन-चैन, भाईचारा और जबलपुर शहर की तरक्की के लिए दुआ मांगी गई।

मुफ्ती ए आज़म मप्र का इस्तकबाल किया

जबलपुर। मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना मुहम्मद मुशाहिद रजा कादरी बुर्हानी का इस्तकबाल करने जिला वक़्फ़ बोर्ड कमेटी के एडवोकेट सलामुद्दीन साहब, मुहम्मद नुरुल्लाह खान, इंजी. शेख शाहिद, शाहिद खान, मो. कलीम खान, अकरम, मकसूद मंसूरी, असलम आदि पहुँचे। इस दौरान नौजवानो में शिक्षा मे तरक़्क़ी के लिए विशेष चर्चा हुई।

शासकीय कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिया जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेष जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि राज्य सरकार द्वारा सुरू की गयी कैषलैस मेडिक्लेम सुविधा का लाभ न मिलने से कर्मचारियों ने फिर सिस्टम पर सवाल उठाए हैं। कर्मचारियों को इस सुविधा का लाभ देने के लिए वित्त विभाग को मेडिकल राशि का निर्धारण करना था, परंतु इस विषय पर सरकार की मोहर नहीं लग पाई और कर्मचारियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।संघ ने आगे बताया कि प्रदेश के कर्मचारियों के लिए शासन स्तर पर कैशलैस मेडिक्लेम की सुविधा के संबध में अभी तक किसी भी प्रकार के आदेष जारी नहीं हुए हैं जिसकी वजह से गंभीर बीमारियों से पीड़ति कर्मचारी पैसों के अभाव में अपना इलाज नहीं करवा पा रहे है। संघ के जिलाध्यक्ष-रॉबर्ट मार्टिन, जियाउरहीम, दिनेश गौड़, हेमंत ठाकरे, राकेष श्रीवास, गुडविन चार्ल्स , रऊफ खान, एनोज विक्टर, आदि ने मुख्य मंत्री महोदय से मांग की है कि प्रदेष के कर्मचारियों के लिए कैषलेस उपचार योजना हेतु आदेष जारी किये जाए।

कृषि विवि में विकसित भारत पर परिचर्चा

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि महाविद्यालय जबलपुर एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर के छात्राओं के लिए विकसित भारत अंतर्गत भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र गतिशील विकास हेतु कृषि के योगदान विषय पर सामूहिक चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातक स्तर के 25 छात्र सम्मिलित हुए हैं, जिन्होंने भारतीय कृषि के योगदान एवं 2047 तक विस्तृत भारत के स्वरूप में कृषि के योगदान विषय पर सामूहिक चर्चा की। इसके अलावा चर्चा के माध्यम से अपने महत्वपूर्ण विचारों का आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के सभी 11 महाविद्यालय में विकसित भारत कार्यक्रम के अंतर्गत युवा छात्र-छात्राओं के संवाद, जागरूकता कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिताएं, विशेषज्ञों के व्याखान सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।। कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवाये डॉ. जी.के. कौतु, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, सहित सभी अधिकारी बैठक में शामिल हुये।

जबलपुर से दो वरिष्ठ विधायकों को बनाया जाए कैबिनेट मंत्री

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसियेशन के पदाधिकारियों ने देश के प्रधानमंत्री से मांग की है कि महाकोशल क्षेत्र के विकास के लिए जबलपुर जिले से दो वरिष्ठ विधायकों को कैबिनेट मंत्री बनाया जाए। संघ के अध्यक्ष एचपी उरमलिया, शेषमणि पांडेय, गौरीशंकर पांडेय, अरुण सलारिया, एके पिल्ले, आरके श्रीवास्तव, एसके श्रीवास्तव, राधारमण तिवारी सहित अन्य ने मांग का समर्थन किया है।

गंगा स्नान से शरीर व कथा सुनने से अंतःकरण होता है शुद्धः नरसिंह दास

सिहोरा। परम शक्ति तत्व की मीमांसा करते हुए नृसिंह पीठाधीश्वर श्री नरसिंह दास जी महाराज ने शारदा मंदिर वार्ड 2 में शिवशक्ति महिला मंडल के संयोजन में चल रहे श्रीदेवी महा पुराण में व्यासपीठ से कहा की सम्पूर्ण विश्व महाशक्ति को ही विलास है। ईश्वर मात्र द्रष्टा है किन्तु समूची सृष्टि का विस्तार करने वाली माँ जगदम्बा है। उसी की दिव्य विभूतियों गुणों का तथा अपार करुणा का गायन इस महापुराण में किया गया जिस कारण इसके श्रवण और पठन से स्वाभाविक पुण्य लाभ अन्तः करण की परिशुद्धि,पराम्बा भगवती के चरणों में रति व विषयों से विरक्ती होती है। स्वामी जी ने आगे कहा सारे जगत को पावन करने गंगा का प्राकट्य हुआ। गंगा स्नान करने से केवल शरीर शुद्ध होता है और भगवान की कथा सुनने से हमारा अंतःकरण शुद्ध होता है। श्रीमद् देवी भागवत के अनुसार इस पृथ्वी पर 108 शक्ति पीठ स्थित हैं जब आदिशक्ति मां दक्ष पुत्री के रूप में आकर भगवान शिव को प्राप्त हुई और बिना बुलाये पिता के यज्ञ में पहुंच कर अपने स्वामी शिव का अपमान देखा तो हवनकुंड में अपने प्राणों को त्याग कर दिया तपोबल से देह को लेकर जब शिव-चले तो श्रीहरि ने अंगों को जहां-जहां खंडित कर पतित किया वही शक्ति पीठ बन गये। कथा के पूर्व सभी भक्तों ने व्यासपीठ का पूजन किया।

धान बेचने के लिए स्लाट बुक नहीं करा पा रहे किसान

सिहोरा। खेती को लाभ का धंधा बनाने के दावे तो अनेक किए जाते हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और बयां कर रही है एक तरफ जहां किसान धान उपार्जन हेतु रात-रात भर जाकर खरीदी केदो में अपनी उपज की चौकीदारी कर रहा है वहीं अनेक किसान स्लाट बुक कराने चक्कर लगा रहे हैं किंतु उपार्जन हेतु किसानों का स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा। ग्राम लमकना निवासी सेवा सहकारी समिति लमकाना के किसान अमित कुमार पटेल ने बताया की अपनी उपज धान के उपार्जन के लिए विगत लेकिन 15 दिनों से स्लाट बुक कराने प्रयासरत है लेकिन विभागीय सॉफ्टवेयर की त्रुटि के चलते स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा जिसके कारण किसान अपनी फसल नहीं बेच पा रहे। लमकाना निवासी बहादुर पटेल,राजकुमार अमित पटेल,सेजल पटेल, आदि ने बताया कि जबलपुर जिले में सैकड़ो किसानो का ट्रांजैक्शन फेल होना बताया गया है जबकि किसानों ने बैंक में अपना आधार नंबर डीबीटी तथा पुनः ई के वाय सी कराने के बाबजूद भी स्लाट बुक नहीं हो रहा। इस संदर्भ में किसानों ने जब कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी मझौली से संपर्क किया तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल पा रहा है।

श्री रामकंडेय तिवारी- बावली लाइन पोलीपाथर ग्वारीघाट रोड निवासी श्री रामकंडेय तिवारी (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनीष कुरील- गोरखपुर आजाद चौक के पास कुरील मोहल्ला निवासी श्री चमन कुरील के पुत्र श्री मनीष कुरील (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सुशील कुमार अवस्थी- रानीपुर माली मोहल्ला मदनमहल निवासी श्री रमेश चंद्र अवस्थी के पुत्र श्री सुशील कुमार अवस्थी (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अभिषेक दाहिया- लालमाटी बड़ी संतोषी माता मंदिर के पास निवासी श्री राम प्रसाद दाहिया के पुत्र श्री अभिषेक दाहिया (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजकुमार तिवारी- सोनपुर सुंदरपुर निवासी श्री राजकुमार तिवारी (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रतन लाल कोरी- सिंगल क्वाटर चांदमारी लालमाटी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ममता मलिक- झामनदास चौक द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री श्याम मलिक की धर्मपत्नी श्रीमती ममता मलिक (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रमेश चंद्र पांडेय- गुलौआचौक गढ़ा निवासी श्री रमेश चंद्र पांडेय जी का 76बर्ष कि उम्र में निधन हो गया। अन्तिम संस्कार दोपहर 12 बजे ग्वारीघाट में होगा आप सैलजा नीरजा और अनुजा के पिता थे।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

नन्हें वैज्ञानिकों ने बनाया चंद्रयान 3, कार सेप्टी सिस्टम

सिहोरा। शालेम इंग्लिश मीडियम स्कूल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में नन्हें नन्हें वैज्ञानिकों ने मिशन चंद्रयान 3 अलावा एक से बढ़कर एक माडल बनाकर साबित कर दिया की आने वाले समय में वे भी एक वैज्ञानिक बनकर देश का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय के नियमित अध्ययनरत छात्र छात्राओं द्वारा बनाये गये माडलों में रिवर क्लीनिंग, ऐकोनामी डब्लामेंट, स्मार्ट फोन, सोलर सिस्टम, वर्टीकल विंड, एग्जास्ट, स्ट्रक्चर ऑफ ह्यूमन आई, स्ट्रक्चर एंड फंक्शनिंग ऑफ स्मार्ट फोन, रिडॉक्स रिएक्शन, वर्किंग ऑफ ह्यूमन हार्ट, रेस्पिरेटरी सिस्टम, कार सेफ्टी सिस्टम, इंटर कन्वर्जन ऑफ एनर्जी, लेजर सिक्योरिटी सिस्टम आदि आकर्षण का केंद्र रहे। वही नॉन वर्किंग मॉडल में स्केलेटल सिस्टम, अवेयरनेस ऑफ ऑनलाइन स्कैम्स,डिजिटल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, वेस्ट वाटर मैनेजमेंट, जलचक्र, फ्यूचर इंडिया, सांसद भवन, आदि आकर्षक प्रस्तुतिकरण किया। इसके साथ मेंहदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा 11वी की छात्र छात्राओं में पल्लवी परौहा,हिमांशी शुक्ला, शिवि गर्ग,मनु पटेल, राधिका पालीवाल,पावनी गुप्ता,शिवि दुबे,शुभ विश्वकर्मा,यशिका दहायत चंद्रयान 3,10 वीं के छात्र अंकुश दुबे, प्रत्यूष कुररिया,राज शुक्ला,शुभ उपाध्याय,आर्यन सराफ,अंकित मिश्रा,धनराज पटेल,प्यूष पटेल,हर्ष बागरी ने लेजर सिक्योरिटी सिस्टम, 7 वीं छात्रा रानी पटेल, अंशिका पाठक, इच्छा नायक, आस्था नायक, अवनी मिश्रा,प्राची सिंह,जीनत परवीन,धनुश्री शुक्ला ने एग्रीकल्चर वर्क, 6 वीं की छात्रा नमामी पटेल, लेखिका पटेल, आस्था दुबे, सर्वेश्वरी चौबे, आराध्या कुररिया, दीपाली यादव,पूर्वी बट्टे,सेजल पटेल ने स्मार्ट सिटी ने आदि का शानदार माडल बनाया।

CHANGE OF NAME

I,WAS KNOWN AS **SUMESH RAVI** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **SUMESH RAVI ACHARYA** S/O KOCHURAMAN RAVINDRAN RESIDENT OF H.NO. 1448, GURUDWARA ROAD, PATEL KIRANA STORE VIDUT NAGAR, CHHIWLAHA, JABALPUR (M. P.) 482008.

इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही बैलेंस से मिलेगा हाई रिटर्न, राजनीतिक निरंतरता भी बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ा रही

अगले साल के लिए ऐसा बनाएं पोर्टफोलियो, रहेंगे फायदे में

- वर्तमान वैल्युएशन पर, लार्जकैप में मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन
- शेयर बाजार रोज नए रिकॉर्ड बना रहा, सभी फंडों में दिख रहा उछाल, दे सकता है बढ़िया रिटर्न
- बाजार की लेटेस्ट रैली में सेंसेक्स 70500 के लेवल से पार गया, निवेशकों ने करोड़ों कमाए
- निफ्टी भी 21150 के पार निकला और लाखों निवेशकों को दे गया अच्छा मुनाफा

बिजनेस डेस्क

अगर आप निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं और अगले साल अच्छा मुनाफा चाहते हैं जो कुछ बातें पल्ले गांठ बांध लें और निवेश के लिए तैयार हो जाएं। अपने पोर्टफोलियों को इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही बैलेंस से मजबूत बना लें और अच्छा मुनाफा कमाने के लिए तैयार हो जाएं। इससे आपको हाई रिटर्न मिलेगा और आप आसानी से मालामाल हो जाएंगे। राजनीतिक निरंतरता भी बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ा रही हैं। जो निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद हैं। तो आप भी निवेश के लिए तैयार हो जाएं और नए साल से पहले अपने पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने के बारे में विचार करें। वैसे भी शेयर बाजार रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है।

बाजार की लेटेस्ट रैली में सेंसेक्स 70500 के लेवल को पार कर गया तो निफ्टी भी 21150 के पार निकल गया। साल 2023 में दोनों इंडेक्स में 16 से 17 फीसदी तेजी आई है। ऐसे में बाजार का वैल्युएशन एक चिंता वाली बात है। इसलिए नए साल के पहले अलग-अलग एसेट क्लास मसलन इक्विटी, डेट और गोल्ड में अपना पैसा बैलेंस तरीके अलोकेट करना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड तरीके से मजबूत किया जा सके। साथ ही आने वाले दिनों में रिस्क कम करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल हो सके। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल आप सधी शुरूआत के साथ बाजार में उतरेंगे और अपनी रिस्क क्षमता के साथ सावधानीपूर्वक बाजार का मंथन कर निवेश करेंगे तो बेहद कम समय में ही मालामाल होकर अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर लेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको कुछ ऐसे ही ऐसेट्स बताएंगे जो आपको निवेश करने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। हलांकि बाजार में उतार-चढ़ाव तो बना ही रहता है।

अभी किस एसेट पर क्या व्यू

- इक्विटी: ओवरवेट - बेहतर मैक्रो के चलते बाजार में रहेगी तेजी
- डेट : न्यूट्रल
- गोल्ड : न्यूट्रल
- **इक्विटी:** रैली बनाए रखने पर बाजार की नजर

कई ब्रोकरेज हाउस के अनुसार फेवरेबल मैक्रोज के चलते बाजार की अभी एक और रैली पर नजर है। ओवरआल इक्विटी मार्केट के पक्ष में मैक्रोइकोनॉमिक आउटलुक में बदलाव के कारण नवंबर 2023 भारतीय इक्विटी मार्केट के लिए एक रिकवरी महीना साबित हुआ, जिसके चलते निफ्टी ने 1 दिसंबर, 2023 को 20,268 के आल टाइम हाई को टच कर लिया और निवेशकों को बेहतर मार्जन दिया। कई मैक्रोइकोनॉमिक पैरामीटर्स में सुधार से मसलन, अमेरिका में 10-साल की बॉन्ड यील्ड में कूल-ऑफ, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, हाई-फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स में सुधार, क्यू-2एफवाई-24 में मजबूत अर्निंग, और राज्य चुनावों में सत्ताधारी दल के बेहतर प्रदर्शन। सभी चीजें बाजार के अनुकूल दिखाई दे रही हैं। ऐसे में निवेशकों को घबराना नहीं चाहिए। हालांकि थोड़े लंबे समय के लिए निवेश करना चाहिए।

निफ्टी के लिए बड़ा टारगेट

कुछ ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि वर्तमान वैल्युएशन पर, लार्जकैप में मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन दिख रहा है। बहरहाल, ब्रॉडर इंडियन मार्केट की लॉन्ग टर्म स्टोरी आकर्षक बनी हुई है और इस संदर्भ में,

'ग्रोथ ऐट ए रीजनेबल प्राइस' थीम अभी के माहौल में आकर्षक लग रही है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2024 के लिए निफ्टी का टारगेट बढ़ाकर 23,000 कर दिया है। यह और निवेशकों को लुभाने वाली बात है।

अर्थव्यवस्था में जारी रहेगी मजबूती

विधानसभा चुनावों में 4 प्रमुख राज्यों में से 3 में भाजपा के धमाकेदार प्रदर्शन के बाद यह मैक्रोइकोनॉमिक नैरेटिव और मजबूत हुआ है। 2024 के आम चुनावों में राजनीतिक निरंतरता की इस कहानी ने बाजार के आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया है। इससे नीतिगत निरंतरता पर विजिबिलिटी भी बढ़ी है, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था को अपनी विकास गति को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ महीनों में मिडकैप और स्मॉलकैप की मजबूत पकड़ के साथ, हमारा मानना है कि लार्जकैप की तुलना में कुछ पॉकेट्स में मौजूदा स्तरों पर सेफ्टी मार्जिन कम हो गया है। जानकारों का कहना है कि अर्थव्यवस्था मजबूत रहेगी।

कहां व कितना करें निवेश

परिसंपत्ति	जोखिम	रूढ़िवादी	ग्रोथ	अग्रेसिव	
इक्विटी	0%	20%	50%	70%	90%
सोना	70%	70%	35%	15%	5%
ऋण	30%	10%	15%	15%	5%
कुल	100%	100%	100%	100%	100%

सोना: 'गिरावट पर खरीदें'

गोल्ड पर ब्रोकरेज हाउस ने न्यूट्रल स्टांस जारी रखा है और 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति की सलाह दी है। इससे आपको अगले साल बेहतर रिटर्न मिल सकता है। स्वर्ण बाजार के जानकारों का मानना है कि अगने साल सोना 65 से 70 हजार प्रति दस ग्राम तक के स्तर को भी छू सकता है। गोल्ड में निवेशकों को अच्छा मार्जन मिलने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, कहा भी जाता है कि सोने में निवेश सबसे सुरक्षित है। हालांकि जानकार सोने को गिरावट के बाद ही खरीदने की सलाह दे रहे हैं।

बॉन्ड मार्केट

ब्रोकरेज हाउस ने जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर कुछ नोन-एएए एक्सपोजर वाले बॉन्ड के लिए क्वालिटी अप्रोच का रिकमेंडेशन करते हैं।

करंसी मार्केट को डायरेक्शन देने वाले इवेंट

1) एफओएमसी मीटिंग में ब्याज दरों को लेकर आगे क्या फैसला आता है
2) विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ग्रोथ
3) तेल की कीमतें
4) कमोडिटी प्रॉसेस की दिशा
5) महंगाई और विकास की गतिशीलता
6) फॉरेन फ्लो की दिशा

- निवेश में विविधता लाएं, निवेश बढ़ाते जाएं
- अपने पोर्टफोलियो का नए सिरे से आकलन करें
- बाजार के मूड और माहौल के हिसाब से करें निवेश
- अलग-अलग एसेट क्लास में अपना पैसा अलोकेट करें
- अक्टूबर इक्विटी मार्केट के लिए सबसे अस्थिर महीना रहा

डायवर्सिफिकेशन के सूत्र को अपनाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप निवेशक हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो का नए सिरे से आकलन करना चाहिए। न सिर्फ आकलन करना चाहिए, बल्कि बाजार के मूड और माहौल के हिसाब से अलग अलग एसेट क्लास में अपना पैसा अलोकेट करना चाहिए, ताकि आपके पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफिकेशन मिले और रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल हो सके। किस मार्केट साइकिल में आपको कितना पैसा कहां मसलन इक्विटी, गोल्ड, बांड या ऐसे दूसरे एसेट एसेट क्लास में होना चाहिए, इसका अपना खास महत्व है। एक ब्रोकरेज हाउस ने मल्टी एसेट अलोकेशन को लेकर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इस रिपोर्ट में उसने कई अहम बिंदुओं को उठाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आप किस तरह से अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर खुद को अमीर बना सकते हैं और कैसे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

अभी किस एसेट पर क्या है व्यू

इक्विटी-'रीजनेबल प्राइस पर ग्रोथ'

रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर 2023 की बात करें तो यह इक्विटी मार्केट के लिए एक अस्थिर महीना साबित हुआ, क्योंकि इस दौरान निफ्टी 50 टॉप लेवल से 6 फीसदी तक करेक्ट हुआ है। इस गिरावट का कारण बनने वाले कुछ महत्वपूर्ण फैक्टर थे। पहला: यूएस 10-ईयर बांड यील्ड में ग्रोथ। दूसरा: मिड ईस्ट में चल रहे जियो-पॉलिटिकल टेंशन। तीसरा: बढ़ती और अस्थिर कच्चे तेल की कीमतें। चौथा: कंजम्पशन ग्रोथ में नरमी।

ये रहे विनर

हालांकि, स्मॉल और मिडकैप पिछले एक साल में 29% और 25% की ग्रोथ के साथ विनर रहे हैं। यहां से आगे, बाजार में एक स्टाइल और सेक्टर रोटेशन देखने की संभावना है, पिछले कुछ महीनों में मिडकैप और स्मॉलकैप की मजबूत पकड़ के साथ, ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि लार्जकैप की तुलना में कुछ पॉकेट्स में मौजूदा स्तरों पर सेफ्टी मार्जिन कम हो गया। इसे ध्यान में रखते हुए, ब्रॉडर मार्केट में निकट अवधि में कुछ समय के लिए करेक्शन देखा जा सकता है और फ्लो लार्जकैप की ओर ट्रांसफर होने की संभावना है।

ये सेफ्टी मार्जिन दे रहे

मौजूदा वैल्युएशन पर, हाई बांड यील्ड, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों और मजबूत डॉलर सूचकांक के मौजूदा सीनेरियो के बीच लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन प्रदान करते हैं। बहरहाल, ब्रॉडर मार्केट की लॉन्ग टर्म स्टोरी आकर्षक बनी हुई है और इस संदर्भ में, 'रीजनेबल प्राइस पर ग्रोथ' थीम वर्तमान समय में आकर्षक लग रही है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2023 के लिए निफ्टी का टारगेट 20,200 पर बनाए रखा है।

बॉन्ड मार्केट

कुछ ब्रोकरेज हाउस जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर कुछ नॉन-एएए एक्सपोजर वाले बॉन्ड के लिए क्वालिटी अप्रोच का रिकमेंडेशन करते हैं।

गोल्ड

गोल्ड पर ब्रोकरेज हाउस ने न्यूट्रल स्टांस जारी रखा है और 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति की सलाह दी है।

करंसी मार्केट को ये देते हैं दिशा

1. एफओएमसी मीटिंग में ब्याज दरों को लेकर आगे क्या फैसला आता है
2. विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ग्रोथ
3. तेल की कीमतें
4. कमोडिटी प्रॉसेस की दिशा
5. महंगाई और विकास की गतिशीलता
6. विदेशी प्रवाह की दिशा

क्रेडिट कार्ड ईएमआई में क्यों करना पड़ता है 18% ज्यादा भुगतान

- क्रेडिट कार्ड के खर्च को ईएमआई में तब्दील करना चाहते हैं, तो जान लें जरूरी बातें
- **ईएमआई में आम तौर पर बताए गए ब्याज से ज्यादा भुगतान करना होगा**
- यहां तक कि नो कॉस्ट ईएमआई भी बिना लागत नहीं होती

बिजनेस डेस्क

यह बात तो आम तौर पर सभी लोग जानते हैं कि क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम को ड्यू डेट यानी देय तारीख तक पूरी तरह नहीं चुकाने पर काफी भारी-भरकम ब्याज देना पड़ सकता है। यह ब्याज कई बार सालाना 42 फीसदी तक भी हो सकता है। इसके अलावा कई बार लेट पेमेंट पेनाल्टी के तौर पर भी मोटी रकम देनी पड़ सकती है, लेकिन अगर आपने क्रेडिट कार्ड से कोई बड़ी खरीदारी की है और ड्यू डेट तक पूरी रकम चुकाना मुश्किल हो रहा है, तो एक उपाय पूरे पेमेंट को ईएमआई में तब्दील करने का होता है। ऐसी ईएमआई पर लगने वाला इंटरेस्ट उस ब्याज के मुकाबले कम होता है, जो पूरी रकम का भुगतान नहीं करने पर देना पड़ता है, लेकिन क्या आपको पता है कि क्रेडिट कार्ड की ईएमआई में बताए गए ब्याज के अलावा 18% एक्स्ट्रा कॉस्ट यानी अतिरिक्त लागत भी जुड़ी होती है।

'नो कॉस्ट ईएमआई' भी बिना लागत नहीं

कई बार आपको क्रेडिट कार्ड कंपनी/रिटेलर की तरफ से पूरी रकम को 'नो कॉस्ट ईएमआई' में तब्दील करने का ऑफर भी मिलता है। आम तौर पर लोग इससे काफी आकर्षित हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि 'नो कॉस्ट ईएमआई' का मतलब यह है कि आपको सिर्फ उतने ही पैसे देने हैं, जितने की आपने खरीदारी की है। इसके अलावा कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा, लेकिन आम तौर पर ऐसा होता नहीं है। अक्सर 'नो कॉस्ट ईएमआई' की भी लागत होती है। अगर आपको इस सुविधा का लाभ उठाने का फैसला करते समय इस बारे में जानकारी नहीं होगी, तो क्रेडिट कार्ड की ईएमआई का पेमेंट करते समय आपको झटका लग सकता है।

ऐसा क्यों होता है

आपको पता होना चाहिए कि क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम पर लगने वाले ब्याज पर आपको गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) भी देना पड़ सकता है। दरअसल, वित्तीय संस्थानों की बहुत सारी सर्विसेज और चार्जेज जीएसटी के दायरे में शामिल हैं, जिनका बोझ आखिरकार ग्राहकों पर ही पड़ता है। क्रेडिट कार्ड पर लगने वाला इंटरेस्ट भी इसी कैटेगरी में शामिल है, जिस पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी देना होता है। यह जीएसटी क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन के इंटरेस्ट पर लगता है। जाहिर है कि अगर आपने क्रेडिट कार्ड से किए खर्च को ईएमआई में तब्दील किया तो बिल आने पर इंटरेस्ट के ऊपर 18 फीसदी जीएसटी भी जुड़ा हुआ मिलेगा। मिसाल के तौर पर अगर आप ईएमआई के लिए 20 फीसदी ब्याज दे रहे हैं, तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी जोड़ने के बाद ब्याज की पूरी लागत 23.6 फीसदी हो जाएगी।

क्रेडिट कार्ड इंटरेस्ट पर जीएसटी

हमने क्रेडिट कार्ड के सामान्य ईएमआई पर लगने वाले जीएसटी की बात की, लेकिन आपके मन में ये सवाल उठ रहा होगा कि अगर हमारी ईएमआई 'नो कॉस्ट' है, तो भला उस पर जीएसटी क्यों लगेगा? दरअसल, नो-कॉस्ट ईएमआई के मामले में भी आमतौर पर ऐसा नहीं होता कि क्रेडिट कार्ड कंपनी ब्याज न ले। असल में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाला बैंक तो ब्याज लेता है, लेकिन सामान बेचने वाला रिटेलर ईएमआई के पूरे टेन्योर के दौरान वसूले जाने वाले ब्याज के बराबर रकम आपको इंस्टैंट डिस्काउंट के रूप में ऑफर कर देता है। इसलिए वो दावा करता है कि आपके लिए इस ईएमआई की कोई लागत नहीं है, लेकिन ऑफर किए जा रहे डिस्काउंट में आमतौर पर सिर्फ ईएमआई का ब्याज शामिल होता है, उस ब्याज पर सरकार की तरफ से वसूला जाने वाला जीएसटी नहीं। मिसाल के तौर पर अगर क्रेडिट कार्ड ईएमआई का ब्याज सालाना 20 फीसदी है, तो आपको उस पर 18 फीसदी जीएसटी देना होगा, जो ईएमआई की कुल रकम के 3.6 फीसदी के बराबर होगा।

यह भी संभव : हो सकता है आपको प्रोसेसिंग फीस या किसी और चार्ज के रूप में कुछ और पैसे भी देने पड़ें। इसलिए अगर आप क्रेडिट कार्ड की खरीदारी को ईएमआई या नो कॉस्ट ईएमआई में तब्दील कराने की सोच रहे हैं, तो पहले इन सभी अतिरिक्त लागतों को जोड़कर उसकी लागत निकालें और तभी कोई फैसला करें।

बल्क/ब्लॉक/इनसाइडर डील क्या है?

दीपशा तनेजा
फाइनेंसियल एडवाइजर

स्टॉक में निवेश करने वाले जरूर जान लें इन टर्म के बारे में, थोक डील एक ऐसा व्यापार, जहां एक एकल निवेशक लेनदेन के माध्यम से इक्विटी शेयर खरीदता या बेचता है

याद रखें कि थोक सौदे आपके समग्र विश्लेषण में केवल एक कारक हैं, और इस जानकारी को एक व्यापक ट्रेडिंग रणनीति के साथ एकीकृत करना महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, हमेशा जानकारी को सत्यापित करें, बाज़ार नियमों के बारे में सूचित रहें और व्यापारिक निर्णय लेने से पहले वित्तीय पेशेवरों से परामर्श करने पर विचार करें।

शेयर बाजार में बल्क यानी थोक सौदे, व ब्लॉक डील बहुत महत्वपूर्ण है। स्टॉक में निवेश करने वालों को इन टर्म के बारे में पता होना चाहिए। शेयर बाजार में इन दो लोकप्रिय प्रकार के सौदों के अलावा, एक और प्रकार का सौदा होता है जो ऐसे व्यक्तियों द्वारा होता है जो कंपनी के बारे में आंतरिक जानकारी तक पहुंच रखने वाले प्रमोटर या निवेशक समूह होते हैं। इस प्रकार के सौदों को अंदरूनी सौदे यानी इनसाइडर डील के रूप में जाना जाता है। अब इन्हें और विस्तार से समझते हैं। थोक डील क्या है? बल्क यानी थोक डील एक ऐसा व्यापार है जहां एक एकल निवेशक एक लेनदेन के माध्यम से किसी कंपनी के 0.5% से अधिक इक्विटी शेयर खरीदता या बेचता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि कंपनी ए के पास कुल बकाया शेयरों की संख्या 1 करोड़ है, तो एक थोक सौदे में एक ही लेनदेन में कम से कम 50,000 शेयर (1 करोड़ का 0.5%) खरीदना या बेचना शामिल होगा। सभी एनएसई थोक सौदे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट किए जाते हैं, और सभी बीएसई थोक सौदे वास्तविक समय में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट किए जाते हैं और दिन के अंत में जनता के लिए उपलब्ध होते हैं। तो, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर किए गए कोई भी थोक सौदे एनएसई थोक सौदे हैं, जबकि यदि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर थोक सौदे किए जाते हैं, तो वे बीएसई थोक सौदे हैं। ये सौदे संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड और अन्य बड़े बाजार सहभागियों की व्यापारिक गतिविधि में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं, जो स्टॉक की कीमत और समग्र बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं।

ब्लॉक डील क्या है?

एनएसई ब्लॉक डील या बीएसई ब्लॉक डील थोक डील से काफी अलग हैं; ब्लॉक डील के मामले में, दो ज्ञात पक्षों के बीच एक सहमत मूल्य पर न्यूनतम 10 करोड़ रुपये मूल्य के बड़ी संख्या में शेयरों की खरीद या बिक्री होनी चाहिए। हाँ! एक ब्लॉक डील में, खरीदार और विक्रेता दोनों पहले से ही एक-दूसरे को जानते हैं, और सौदे पर ऑफ-मार्केट बातचीत की जाती है, जिसका अर्थ है कि इसे नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से निष्पादित नहीं किया जाता है जहां अधिकांश खुदरा निवेशक शेयर खरीदते और बेचते हैं। ब्लॉक डील को विशेष ₹ब्लॉक डील विंडो₹ पर एकल लेनदेन के माध्यम से अलग से निष्पादित किया जाता है, जो आम तौर पर सुबह के सत्र में केवल 35 मिनट के लिए खुला होता है।

बल्क सौदे बनाम ब्लॉक सौदे डील का आकार

ब्लॉक डील

इसमें बड़ी मात्रा में शेयर शामिल होते हैं, जो आमतौर पर स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित पूर्वनिर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक होते हैं (उदाहरण के लिए, 5,00,000 शेयर या भारत में न्यूनतम मूल्य 5 करोड़ रुपये)। ब्लॉक डील का आकार पर्याप्त होता है, और लेनदेन मूल्य महत्वपूर्ण हो सकता है।

बल्क डील

इसमें पर्याप्त मात्रा में शेयर शामिल होते हैं, लेकिन स्टॉक एक्सचेंज द्वारा परिभाषित कोई विशिष्ट न्यूनतम मात्रा नहीं होती है। किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों के न्यूनतम 0.5% वाले लेनदेन को अक्सर थोक सौदे माना जाता है। थोक सौदे का आकार महत्वपूर्ण है लेकिन ब्लॉक सौदे जितना बड़ा नहीं हो सकता है।

निष्पादन

ब्लॉक डील

एक विशेष व्यापार के माध्यम से निष्पादित। स्टॉक की कीमत पर प्रभाव को कम करने के लिए नियमित बाजार घंटों से अलग विंडो या तंत्र। ब्लॉक डील के लिए ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को बड़े लेनदेन को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

थोक सौदा

सामान्य बाजार घंटों के दौरान स्टॉक एक्सचेंज के नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निष्पादित। लेन-देन नियमित बाज़ार गतिविधि के साथ एकीकृत होते हैं और स्टॉक की कीमत पर तुलनात्मक रूप से कम प्रभाव पड़ सकता है।

प्रकटीकरण

ब्लॉक डील

मात्रा, कीमत और प्रतिभागियों सहित ब्लॉक डील विवरण का तत्काल और अनिवार्य खुलासा आवश्यक है। यह बाजार में पारदर्शिता और सूचना का समय पर प्रसार सुनिश्चित करता है।

थोक सौदा

ब्लॉक सौदों की तुलना में थोक सौदों के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताएँ कम कठोर हैं। हालाँकि एक्सचेंजों को प्रकटीकरण की आवश्यकता होती है, यह प्रक्रिया तत्काल या विस्तृत नहीं हो सकती है।

प्रतिभागी

ब्लॉक डील

इसमें आमतौर पर संस्थागत निवेशक, म्यूचुअल फंड या बड़े वित्तीय संस्थान शामिल होते हैं। संस्थागत प्रतिभागी अक्सर बाज़ार पर अत्यधिक प्रभाव डाले बिना महत्वपूर्ण लेनदेन निष्पादित करने के लिए ब्लॉक डील में संलग्न होते हैं।

थोक सौदा

इसमें खुदरा निवेशकों, उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों और छोटे संस्थागत खिलाड़ियों सहित प्रतिभागियों का एक विविध समूह शामिल हो सकता है। कठोर न्यूनतम मात्रा सीमा के अभाव के कारण थोक सौदे प्रतिभागियों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित कर सकते हैं।

ध्यान रखें

हालांकि, व्यापक दृष्टिकोण से, थोक सौदे और ब्लॉक सौदे दोनों समान लगते हैं, क्योंकि इसमें महत्वपूर्ण मात्रा में शेयरों की खरीद या बिक्री शामिल होती है। हालाँकि, उनमें से प्रत्येक की विशिष्ट विशेषताएं हैं, जिन्हें चार मापदंडों के आधार पर समझाया गया है। संक्षेप में, थोक और ब्लॉक सौदों के बीच मुख्य अंतर उनके आकार मानदंड, निष्पादन के तरीके और बाजार दृश्यता पर प्रभाव हैं। दोनों सौदों में महत्वपूर्ण संख्या में शेयर शामिल हैं, लेकिन ब्लॉक सौदे पूर्ण मात्रा/मूल्य पर अधिक केंद्रित होते हैं और बाजार के प्रभाव को कम करने के लिए ऑफ-मार्केट निष्पादित किए जाते हैं। दूसरी ओर, थोक सौदे नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निष्पादित किए जाते हैं, जो बाजार की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं।

इनसाइडर डील क्या है?

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, ये सौदे प्रमोटर समूहों या निवेशक समूहों के व्यक्तियों द्वारा किए जाते हैं। लेकिन चूंकि ऐसे व्यक्तियों के पास कंपनी के बारे में आंतरिक जानकारी तक पहुंच होती है, इसलिए अनुचित लाभ या स्टॉक में हेरफेर को रोकने के लिए, बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा ऐसे सौदों की बारीकी से निगरानी की जाती है। अंदरूनी व्यापार को आम तौर पर तब अवैध माना जाता है जब इसमें कंपनी के व्यक्तियों द्वारा गैर-सार्वजनिक जानकारी के आधार पर शेयरों का व्यापार शामिल होता है। हालाँकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि हालाँकि अंदरूनी सौदे एक चिंता का विषय हैं, लेकिन अंदरूनी सूत्रों द्वारा किए गए सभी लेनदेन अवैध नहीं हैं। अंदरूनी सूत्रों को कुछ शर्तों के तहत अपनी कंपनी की प्रतिभूतियों का व्यापार करने की अनुमति है, जैसे विशिष्ट रिपोर्टिंग आवश्यकताओं का पालन करना और महत्वपूर्ण गैर-सार्वजनिक जानकारी के आधार पर व्यापार करने से बचना।

ट्रेडिंग अवसरों की पहचान कैसे करें?

थोक डील डेटा तक पहुंचें

एनएसई अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर थोक सौदों की जानकारी प्रदान करता है। आप दैनिक थोक डील डेटा पा सकते हैं जिसमें स्टॉक का नाम, कारोबार की मात्रा, कारोबार की कीमत और खरीदारों और विक्रेताओं के नाम जैसे विवरण शामिल हैं।

थोक सौदों के महत्व को समझें

पहचानें कि थोक सौदों में बड़े लेनदेन शामिल होते हैं, और संस्थागत निवेशक या उच्च-निवल मूल्य वाले व्यक्ति अक्सर इन सौदों में भाग लेते हैं। थोक सौदों के माध्यम से स्वामित्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव बाजार की धारणा में बदलाव का संकेत दे सकता है।

रुझान और पैटर्न देखें

रुझानों और पैटर्न की पहचान करने के लिए विशिष्ट शेयरों के ऐतिहासिक थोक सौदे डेटा विश्लेषण करें। आवर्ती खरीदारों या विक्रेताओं, व्यापारिक गतिविधि में वृद्धि, या समय के साथ थोक सौदों की एक श्रृंखला की तलाश करें।

कारोबार की मात्रा पर विचार करें

थोक सौदे में कारोबार किए गए शेयरों की मात्रा पर ध्यान दें। स्टॉक के औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम के सापेक्ष बड़ी मात्रा निवेशकों की बढ़ी हुई रुचि या संभावित संस्थागत गतिविधि का संकेत दे सकती है। थोक सौदों से जुड़े मूल्य उतार-चढ़ाव का मूल्यांकन करें। एक थोक सौदे के बाद एक महत्वपूर्ण मूल्य परिवर्तन यह संकेत दे सकता है कि सौदे ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, और आगे की कीमत में उतार-चढ़ाव की उम्मीद की जा सकती है।

अंदरूनी व्यापार की जांच करें

जबकि थोक सौदे स्वयं अंदरूनी व्यापार का संकेत नहीं दे सकते हैं, असामान्य या अप्रत्याशित व्यापारिक गतिविधि की जांच की जानी चाहिए। किसी भी बाद की घोषणा या समाचार पर नज़र रखें जो थोक सौदे की गतिविधि को समझा सके।

तकनीकी विश्लेषण का प्रयोग करें

संभावित प्रवेश या निकास बिंदुओं की पहचान करने के लिए तकनीकी विश्लेषण उपकरणों और संकेतकों के साथ थोक सौदे की जानकारी को संयोजित करें। चार्ट पैटर्न, समर्थन और प्रतिरोध स्तर और अन्य तकनीकी संकेतों को देखें जो थोक डील डेटा के साथ संरेखित होते हैं।

सेक्टर रुझानों की निगरानी करें

व्यापक बाज़ार संदर्भ और सेक्टर रुझानों पर विचार करें। संभावित व्यापारिक अवसरों का विश्लेषण करते समय विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में थोक सौदे अधिक प्रासंगिक हो सकते हैं। बाज़ार समाचार, कंपनी घोषणाओं और व्यापक आर्थिक कारकों पर अपडेट रहें। बाहरी घटनाएं स्टॉक की कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं और थोक सौदा गतिविधि को संदर्भ प्रदान कर सकती हैं।

जोखिम प्रबंधन

अपनी पूंजी की सुरक्षा के लिए जोखिम प्रबंधन रणनीतियों को लागू करें। जबकि थोक सौदे बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं, किसी भी व्यापारिक अवसर के समग्र जोखिम और इनाम पर विचार करना आवश्यक है।

इस सप्ताह दो अहम मुद्दों ने सुर्खियां बटोरी। भाजपा ने तीन राज्यों में जीत के बाद नए चेहरे को सीएम बनाकर चौंकाया, तो संसद में वर्ष 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले की बरसी 13 दिसंबर को कुछेक अराजक लोगों ने घुसपैठ कर स्मोक बम (धुएं) से दहशत फैलाने की कोशिश की। भाजपा के नेतृत्व परिवर्तन का राजनीतिक विश्लेषण जरूरी है, वहीं यह कांग्रेस के अतीत में किए प्रयोग से कैसे अलग है, इसका भी आंकलन आवश्यक है। संसद में धुआं कांड ने संसद की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा किया है। कोई अगर दहशत फैलाने के मकसद से स्मोक बम सभी सुरक्षा चक्रों को भेदते हुए संसद के अंदर ले जा सकता है, तो वह खतरनाक रासायनिक हथियार भी ले जा सकता था। संसद की समूची सुरक्षा व्यवस्था की जांच जरूरी है, लेकिन इस पर भी विपक्ष की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है। अतीत में संसद पर हमले के अलावा कई बार सुरक्षा चक्र भेदने के मामले भी हुए हैं, ऐसे में इस घटना की गंभीरता का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

संसद में धुआं कांड के आरोपित

संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर 8 सुरक्षाकर्मियों को बेशक सस्पेंड कर दिया गया है, लेकिन सच तो ये भी है कि इसके लिए काफी हद तक दिल्ली पुलिस का नई दिल्ली जिला पुलिस भी जिम्मेदार है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संसद भवन के बाहर की सुरक्षा का जिम्मा दिल्ली पुलिस के पास है। सस्पेंड किए गए सभी आठ सुरक्षाकर्मी लोकसभा सचिवालय के सिक्योरिटी स्टाफ से हैं।

संसद में 'धुआं' आक्रोश या साजिश

विश्लेषण

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

13 दिसंबर, 2023 को उसी आतंकी हमले की 22वीं बरसी थी। उसी दिन संसद पर एक और प्रहार किया गया, जिसकी 2001 के आतंकी हमले से तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन यह भी एक किस्म का आतंकवाद ही था। 2001 के हमले में हमारे 9 सुरक्षाकर्मी जवान और एक माली 'शहीद' हो गए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अकसर दावा किया जाता रहा कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता, लेकिन सभी दावे खोखले साबित हुए। क्या आतंकी घुसपैठिए उन तक भी पहुंच सकते हैं? यह सवाल आज घोर चिन्तन-मनन का है। अब सरकार और विपक्ष को इस मुद्दे पर साझा विमर्श करना चाहिए कि संसद में सुरक्षा के चाक-चौबंद बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं?

मैं 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर आतंकी हमले का प्रत्यक्ष साक्षी रहा हूं। गुरुवार का दिन था। आसार थे कि ताबूत घोटाले पर संसद में हंगामा होगा और कार्यवाही चल नहीं पाएगी। ऐसा ही हुआ। संसद की कार्यवाही स्थगित होते ही कई सांसद अपने आवास की ओर जाने लगे थे। करीब 11.30 बजे तक संसद परिसर में सब कुछ सामान्य था। बम और विस्फोटकों से लदी एक कार आतंक बरपाने और 'अति विशिष्ट' लोगों को निशाना बनाने परिसर में घुस चुकी थी, इसका न तो सांसदों को इल्म था और न ही सुरक्षा-तंत्र कोई संदेह कर पाया था। करीब 11.40 बजे भयानक विस्फोट और गोलियों की तड़ातड़ आवाज़ ने सभी को चौंका दिया। स्तब्ध और सन्न कर दिया। कइयों के पांव भी लड़खड़ाए। पल भर में साफ़ हो गया कि 'लोकतंत्र के मंदिर' संसद पर भी आतंकी हमला हो चुका था। अंततः तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की आशंकाएं सच साबित हुईं। उन्होंने अलग-अलग संबोधनों में आशंका जताई थी कि संसद भी 'अलकायदा' के निशाने पर है। बेशक 13 दिसंबर का हमला जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने किया था, लेकिन उनके तार कंधार और तालिबान से जुड़े थे। आतंकियों ने जब हमला किया, तो मैं कुछ पत्रकार साथियों के संग द्वार नंबर 2 से बाहर आ रहा था। पलक झपकते ही एक सुरक्षाकर्मी ने हमें कंकरीट की एक बड़ी-सी शिला की ओट में धकिया दिया था। उसी पल संसद का सायरन गूंज उठा। सेना कमांडो की वर्दी में 5 आतंकवादी एंबेसडर कार नं. डीएल-3 सी जे 1527 के जरिये संसद भवन में घुसे थे। कार पर गृह मंत्रालय और हैविटेट सेंटर, लोदी रोड के स्टीकर चिपके थे और छत पर लाल बत्ती लगी थी। बाद में गृह मंत्रालय का स्टीकर फर्जी निकला। कार द्वार नंबर 11 की तरफ बढ़ी, जहां से तत्कालीन उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति कृष्णकांत और उपसभापति नज़मा हेपतुल्ला भीतर जाते थे। सुरक्षाकर्मियों ने कार की तेज गति को देखते हुए टोका और कार एक पेड़ से जा टकराई। आतंकी बाहर निकले और गेट नंबर 12 और 5 की तरफ बढ़े, जिधर से प्रधानमंत्री अकसर आते-जाते थे। उस दिन प्रश्नकाल में प्रधानमंत्री वाजपेयी को जवाब देने थे, लेकिन कार्यवाही स्थगित होने के कारण वह आवास पर ही थे। बहरहाल, आतंकी हमला हो चुका था।

एक और प्रहार

13 दिसंबर, 2023 को उसी आतंकी हमले की 22वीं बरसी थी। उसी दिन संसद पर एक और प्रहार किया गया, जिसकी 2001 के आतंकी हमले से तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन यह भी एक किस्म का आतंकवाद ही है। 2001 के हमले में हमारे 9 सुरक्षाकर्मी जवान और एक माली 'शहीद' हो गए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अकसर दावा किया जाता रहा कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता, लेकिन सभी दावे खोखले साबित हुए, जब लोकसभा में 'शून्य-काल' की कार्यवाही चल रही थी और अचानक दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगा दी। कूदने के बाद एक युवक सांसदों की सीटों को फांदता रहा और सदन में अफरा-तफरी मच गई। दहशत में सांसद 'पकड़ो-पकड़ो' चिल्लाने लगे। अचानक एक युवक ने अपना जूता खोला और 'स्मोक कैन' का इस्तेमाल किया। नतीजतन लोकसभा में पीला-सा धुआं फैलने लगा। बसपा सांसद मलूक नागर, आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल और एक सिख सांसद की बहादुरी ने युवक की घेरेबंदी की और सांसदों ने उन घुसपैठियों को दबोच लिया। खूब पिटाई भी की। बाद में मार्शल और सुरक्षाकर्मी आए और युवकों को पकड़ कर बाहर ले गए। सदन की कार्यवाही स्थगित की जा चुकी थी।

संसद के बाहरी इलाके में धारा 144 लागू होती है, लेकिन वहां बाकायदा 6 आरोपी संसद भवन के पास जमा हुए और फिर इस घटना को अंजाम दिया और दिल्ली पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। ऐसे में दिल्ली पुलिस पर सवाल उठना तो लाजिमी है। सूत्रों के मुताबिक, इस संसद सत्र के दौरान करीब 1200 हथियारबंद पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात थे। इनमें करीब 400 से ज्यादा पुलिसकर्मी दूसरे जिलों से यहां ड्यूटी करने आए थे, जबकि बाकी पुलिसकर्मी नई दिल्ली जिला पुलिस के थे। फिर भी संसद के भीतर धुआं कांड हुआ।

स्पष्ट संदेश

बेशक यह आतंकी हमला नहीं था, लेकिन युवकों के मंसूबे कमतर भी नहीं थे। पीला धुआं संसद के भीतर और बाहर भी फैलाया गया और खूब नारेबाजी की गई। घुसपैठिए धुआं फैला कर स्पष्ट संदेश देना चाहते थे कि भारतीय संसद के भीतर घुसकर हमला भी किया जा सकता है। धुआं ज़हरीला और जानलेवा भी हो सकता था। उन युवकों के पास हथियार या बम भी हो सकते थे, क्योंकि यह रासायनिक अस्त्रों का दौर है। कल्पना कीजिए कि 2001 के आतंकी हमले के दौरान 150-200 सांसदों को 'सेंट्रल हॉल' में बंद रखना पड़ा था। यदि आतंकी अपने हथियारों के संग सदनों के भीतर घुसने में कामयाब हो जाते, तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था!

बदलाव करने की बात

इसी तरह घुसपैठियों द्वारा छोड़ा गया 'पीला धुआं' घातक और विषैला होता, तो उसके अंजाम कुछ भी हो सकते थे! यह सिर्फ सुरक्षा संबंधी गंभीर चूक नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर हमला भी है। खुफिया विभाग की भी नाकामी है। सुरक्षा बंदोबस्त और जांच-पड़ताल में गहरी दरारें हैं। हमारी संसदीय सुरक्षा धातु-आधारित रही है। उसमें जूता,प्लास्टिक और रबड़ आदि रडार पर नहीं आते। अब इसमें बदलाव करने की बात शुरू हो गई है। अब फुल बॉडी स्कैनर लगाने की भी चर्चा शुरू हुई है। दर्शक-दीर्घा में कांच की दीवार बनाई जा सकती है, ताकि सदन में कूदने की किसी भी संभावना को खत्म किया जा सके। यह प्रहार नये संसद भवन में हुआ है। सवाल है कि बीते तीन माह से संसद की सुरक्षा का आईपीएस प्रभारी, संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी, तैनात क्यों नहीं है? सरकार खाली पदों पर सुरक्षाकर्मियों की भर्ती क्यों नहीं कर रही है? क्या सिर्फ स्पीकर के विशेषाधिकार में ही संसद की सुरक्षा छोड़ी जा सकती है? यह संभव ही नहीं है। संसद में देश के प्रधानमंत्री, स्पीकर और सभापति, मंत्री गण और चुने हुए सांसद बैठते हैं और देश की दिशा और दशा तय करने के फैसले लेते हैं। क्या आतंकी घुसपैठिए उन तक भी पहुंच सकते हैं? यह सवाल आज घोर चिन्तन-मनन का है।

हंगामा करना महज राजनीति

क्या वे युवक या इस कांड के गिरफ्तार किए गए सभी किरदार 'आतंकवादी' हैं। सभी के व्यक्तिगत खुलासे देश के सामने हैं। एक बात मैं अपने अनुभव से स्पष्ट कर सकता हूं कि संसद के भीतर जाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। सांसद के सिफारिशी पत्र के बावजूद दीर्घा तक पहुंचना सरल नहीं है। संसद की कार्यवाही कवर करने वाले पत्रकारों को भी कंप्यूटरीकृत सुरक्षा जांच से गुज़रना पड़ता है। दीर्घा से पहले एक छोटा-सा रिसेप्शन होता है, जहां बैग, मोबाइल, कोई अन्य संवेदनशील वस्तु आदि छोड़ कर आप दीर्घा में जा सकते हैं। दीर्घा में जाने वाले के पास एक पेन और नोटबुक की ही अनुमति है। आरोपितों के खिलाफ आतंकवाद रोधी अधिनियम यूएपीए की धारा 16 और 18 में मामले दर्ज किए गए हैं। आपराधिक साजिश, देश को तोड़ने, सांसदों के काम में बाधा डालने सरीखी धाराएं भी लगाई गई हैं। यूएपीए में ही फांसी या आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है। बेशक उच्चस्तरीय जांच की जा रही है। उसके ठोस निष्कर्षों के बिना गृहमंत्री सदन में वक्तव्य नहीं दे सकते, यह विपक्ष के सांसदों को भी ज्ञात होना चाहिए। लिहाजा लोकसभा में हंगामा करना महज राजनीति है। बेरोज़गारी और महंगाई, यकीनन, राष्ट्रीय समस्याएं हैं, लेकिन वे आतंकवाद या घुसपैठ अथवा किसी प्रहार के जरिये संसद के भीतर नहीं जा सकतीं। लिहाजा विपक्षी सांसद आरोपितों को 'बेचारा बेरोज़गार' या 'भूला-भटका' मत कहें। अभी तो यह यथार्थ सामने आना है कि संसद में कूदने वाले युवक और उनके 'मास्टर माइंड' कौन हैं? किस संगठन से जुड़े हैं या कौन उन्हें फंडिंग कर रहा है? जब कश्मीर में आतंकवाद और जेहाद चरम पर थे, तब भी सियासत की एक जमात युवा आतंकियों को 'भूला-भटका' मानती थी, लेकिन अकेले उस आतंकवाद ने करीब 45,000 जिंदगियां छीन ली थीं। पंजाब और पूर्वोत्तर के आतंकवाद की तो मैं चर्चा ही नहीं कर रहा हूं। और अब तो संसद पर प्रहार किया गया है। यह गंभीर बात है।

सुरक्षा की समीक्षा

घुसपैठियों की 'शहीद भगत सिंह' या 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस' सरीखों से तुलना करना भी देशद्रोह है। महान क्रांतिकारियों को बदनाम करने का दुस्साहस है। इसका सभी खंडन करें और सोशल मीडिया को भी तलब करें। विपक्ष को यह बताना भी अनिवार्य है कि मैसूर के विवादित भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा से स्पीकर ओम बिरला स्पष्टीकरण ले चुके हैं और जांच समिति भी उनसे पूछताछ करेगी। कमोबेश अब सरकार और विपक्ष को इस मुद्दे पर साझा विमर्श करना चाहिए कि संसद में सुरक्षा के चाक-चौबंद बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं? सुरक्षित होना जरूरी है।

भविष्य के नजरिये से परखें नेतृत्व परिवर्तन को

तीन नए सीएम

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

अपने फायदे के लिए राजनीति बेशक जज्बात का इस्तेमाल करती है, लेकिन असलियत में वह बेहद निर्मम होती है। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि राजनीति जिस बुनियाद पर, जिसके नाम पर कदम-दर-कदम आगे बढ़ती है, वह लोक स्वभाव से कहीं ज्यादा भावुक होता है। हर चुनावों के बाद जज्बात का यह रेला उमड़ता है और कई बार इतिहास के कूड़ेदान में कहीं खो जाता है। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव और तीन राज्यों में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा ने जिस तरह के कदम उठाए हैं, उसके बाद जज्ज़ातों का यह रेला एक बार फिर दिख रहा है। भाजपा के प्रशंसक और वोटर वर्ग में जहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान के लिए भावनाओं का यह ज्वार कहीं ज्यादा उमड़ा दिख रहा है। दिलचस्प यह है कि जज्बात का यह रेला मोदी विरोधी मीडिया और राजनीति की ओर से भी हिलोरें लेता नजर आ रहा है, जो शिवराज के लिए बेचारा भाव दिखाते हुए मोदी-शाह की जोड़ी की रणनीति पर सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि प्रशंसकों व मोदी विरोधी सियासी मोर्चे की भावुकता में भी राजनीति है। मोदी विरोधी खेमे की भावुकता में राजनीति की चाशनी ज्यादा है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी ही भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास की पहली शख्सियत है, जो जज्बात और पारंपरिक राजनीतिक मुहावरों को किनारे रख रही है? यादों की खोह से जब हम गुजरेंगे तो हमें पता चलेगा कि यह पहला मौका नहीं है, जब किसी विजेता मुख्यमंत्री को अगली सरकार के नेतृत्व से वंचित कर दिया गया।

याद कीजिए, 1985 के विधानसभा चुनावों को। जिस मध्य प्रदेश के शिवराज को लेकर जज्बातों का ज्वार उमड़ रहा है, उसी मध्य प्रदेश और बिहार में 1985 में विधानसभा चुनाव हुए थे। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की अगुआई में कांग्रेस चुनाव मैदान में उतरी थी। बेशक इंदिरा गांधी की हत्या की याद ताजा थी। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भोपाल गैस त्रासदी से उपजे जख्म भी ताजे थे। कांग्रेस को ना सिर्फ जीत मिली, बल्कि पिछले 1980 के चुनावों की तुलना में दो सीटें ज्यादा यानी 250 सीटों पर जीत मिली थी। कुछ-कुछ आज ही की तरह के तब भी हालात थे। विपक्षी भाजपा की सीटें 60 से घटकर 58 रह गई थीं। यहां जान लेना जरूरी है कि तब मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग नहीं हुआ था। उस दौरान मध्य प्रदेश की विधानसभा में 320 सीटें होती थीं। अव्वल तो इस जीत का श्रेय अर्जुन सिंह को जाता था। इस लिहाज से एक बार फिर उन्हें ही राज्य की कमान मिलनी चाहिए थी। अर्जुन सिंह की आस बेमानी भी नहीं थी। लेकिन राजीव गांधी ने उनकी जगह पूर्व पत्रकार और कभी राजनादगांव जिले के खबरनवीस रहे मोतीलाल वोरा को कमान सौंप दी थी। मोतीलाल ने राजनीति की शुरूआत सोशलिस्ट पार्टी से की थी। तब भी मध्य प्रदेश कांग्रेस में कई लोग ऐसे रहे होंगे, जिन्होंने कांग्रेसी राजनीतिक माहौल में ना सिर्फ सांस लेना शुरू किया होगा, बल्कि उनका सियासी कद आसमान छू रहा होगा। लेकिन राजीव गांधी ने मोतीलाल वोरा पर भरोसा किया।

1985 के ही शुरूआती महीनों में बिहार में भी विधानसभा के चुनाव हुए। तब कांग्रेसी सरकार की अगुआई चंद्रशेखर सिंह कर रहे थे। उनकी अगुआई में बिहार विधानसभा की 324 सीटों में से कांग्रेस ने 196 सीटों पर भारी जीत मिली थी, जबकि इसके ठीक पहले 1980 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को 169 सीटों पर जीत मिली थी। 1980 के चुनावों के आंकड़ों के हिसाब से देखें तो 1985 की जीत के लिए कुछ हद तक चंद्रशेखर सिंह को भी श्रेय दिया जाना चाहिए। इस लिहाज से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उनका हक बनता था। पिछले चुनाव की तुलना में 27 सीटें ज्यादा जीतने की वजह से उनका दावा और भी मजबूत था। लेकिन राजीव गांधी ने मध्य प्रदेश की तरह चंद्रशेखर सिंह की बजाय बिंदेश्वरी दुबे पर भरोसा किया और उन्हें कांग्रेसी ताज सौंप दिया गया। यह पता नहीं है कि 1985 में अर्जुन सिंह और चंद्रशेखर सिंह को लेकर आज के शिवराज के पक्ष में उठे जज्बात की तरह कोई लहर चली या नहीं। बहरहाल ऐसे में यह मानना कि शिवराज को मौका ना मिलना भारतीय राजनीति के लिए कोई पहली घटना है, वह गलत है, ऐसा अतीत में भी हो चुका है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में जिस तरह जमे-जमाए नेताओं को मौका न देकर भाजपा ने जिस तरह नए व अनजान जैसे नेताओं को कमान सौंपी है, उसकी भाजपा से ज्यादा विरोधी खेमे की ओर से आलोचनाएं हो रही हैं। कहा जा रहा है कि मोदी-शाह का कदम प्रचलित राजनीतिक सिद्धांतों की बलि है। भाजपा में भी पहली बार ऐसा नहीं हो रहा है। याद कीजिए, 2003 के मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों को। तब मध्य प्रदेश में सुंदरलाल पटवा, गौरीशंकर शेजवार, विक्रम वर्मा, कैलाशचंद्र जोशी जैसे कद्दावर नेता मौजूद थे, लेकिन भाजपा ने उनकी तुलना में अपेक्षाकृत नई और युवा नेता उमा भारती को चुना। उमा भारती ने भी बीजेपी को निराश नहीं किया और 2003 में भाजपा को राज्य में भारी जीत मिली। इसी तरह जब उसी साल वसुंधरा पर भाजपा ने राजस्थान के लिए भरोसा जताया, तब बेशक राजस्थान भाजपा के दिग्गज भैरो सिंह शेखावत उपराष्ट्रपति बन चुके थे। उनके बाद ललित किशोर चतुर्वेदी, गुलाब चंद कटारिया, हरिशंकर भाभड़ा जैसे दिग्गज नेता तब राजस्थानी राजनीति में सक्रिय थे। जसवंत सिंह को भी इसी श्रेणी में रख सकते हैं, लेकिन पार्टी ने उनकी तुलना में नई वसुंधरा पर भरोसा जताया और उन्हें कमान सौंप दी। कुछ इसी तरह 2001 में गुजरात में नरेंद्र मोदी को भी कमान सौंपी गई। जबकि वहां केशुभाई पटेल, शंकर सिंह बाघेला, सुरेश राणा जैसे दिग्गज नेता पहले से ही थे, लेकिन पार्टी ने मोदी पर भरोसा जताया। इन नेताओं ने अपनी परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन किया। अपने संगठन को भी ऊंचाई तक पहुंचाया और अपनी सरकारों को भी। 2001 के गुजरात के नए नेतृत्व की ताकत तो अब देश देख रहा है। नरेंद्र मोदी देश ही नहीं वैश्विक क्षितिज पर छा गए हैं। इन संदर्भों में कह सकते हैं कि भाजपा ने तीनों राज्यों में जिन नए नेतृत्वों पर भरोसा जताया है, उसकी भी वजह यही रही है कि ये संगठन और परिदृश्य को भविष्य में नई ऊँचाइयां देंगे।

इन अर्थों में कांग्रेस में बदले गए नेतृत्व को भी परखना होगा। यह देखना होगा कि उन्होंने किस तरह अपनी पार्टी को फायदा पहुंचाया। एमपी में मोतीलाल वोरा को देखिए। वे अगली बार अपनी सरकार को वापस नहीं जिता पाए। यही स्थिति बिहार में भी हुआ। बिंदेश्वरी दुबे 3 साल बाद ही हटा दिए गए। जगन्नाथ मिश्र आए। उसके बाद कांग्रेस बिहार में लौट ही नहीं पाई।

दरअसल कांग्रेसी और भाजपायी नेतृत्व परिवर्तन में सोच और दृष्टि को लेकर काफी अंतर है। बीजेपी के बारे में कहा जा सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन की वजह नए नेतृत्व को उभारना और उसके जरिए संगठन को भविष्य के अनुरूप तैयार करना है, जबकि कांग्रेसी नेतृत्व परिवर्तन में या तो आलाकमान की अपनी पसंद-नापसंद दिखती रही है या फिर क्षत्रपों की मठाधीशी। कांग्रेसी राजनीतिक हल्के में यह प्रवृत्ति बीते विधानसभा चुनावों में भी दिखी। अगर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने नए नेतृत्व के लिए राह खाली की होती या उन्हें मौका दिया होता, कुछ ऐसी सोच अशोक गहलोत की रहती तो शायद कांग्रेस के लिए चुनावी नतीजे ऐसे नहीं होते। लेकिन दोनों राज्यों में स्थापित नेतृत्व की दबंगई कायम रही। कांग्रेस का आलाकमान भी इनके सामने दयनीय रहा। तेलंगाना में उसने नए नेतृत्व पर भरोसा जताया और हालात बदल कर रख दिया।

कांग्रेसी हल्के में नेतृत्व परिवर्तन के पीछे दूरंदेशी अंदाज कम नजर आता है, जबकि बीजेपी की सोच इसके उलट नजर आती है। हो सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन के पीछे बीजेपी आलाकमान की अपनी पसंद और नापसंद भी रही हो, लेकिन मोटे तौर पर यह दृष्टिगोचर नहीं हो रहा। इसीलिए शायद बीजेपी लगातार आगे बढ़ती दिख रही है।

विरोध का तरीका सही नहीं

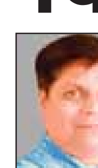

धुआं कांड

सुरेश हिंदुस्थानी
वरिष्ठ पत्रकार

लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली से सहमत या असहमत होना एक जायज प्रक्रिया है। रचनात्मक विरोध लोकतंत्र को और भी मजबूत बनाता है, लेकिन अभी लोकसभा के अंदर जिस प्रकार से कुछ अराजक लोगों ने धुआं कांड करके दहशत पैदा करने की कोशिश की, वह अक्षम्य है। ऐसे अराजकों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, पर उससे भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस कांड पर राजनीति हो रही है। तथ्यात्मक बात यह है कि विपक्षी दलों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग के बजाय सरकार को निशाने पर लिया है। सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है, इसलिए सरकार की ओर से इस मामले में जिम्मेदारी वाला व्यवहार किया ही जाना चाहिए, लेकिन विपक्ष का रवैया भी देश हित का होना चाहिए, क्योंकि अपराध को लेकर राजनीति करना देश के लिए घातक है। यहां सुरक्षा में चूक तो है ही, इसके लिए सुरक्षा एजेंसियां अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकतीं।

वर्तमान में देश की सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए केंद्र सरकार को निशाने पर लेना एक आम बात होती जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता की मर्यादाओं को भी लांघने का कृत्य भी यदा-कदा दिखाई देता है। यह बात सही है कि विविधता वाले भारत देश में कोई एक बात सबको सही लगे, यह हो ही नहीं सकता, लेकिन लोकतंत्र यही कहता है कि विरोध जताने का तरीका अहिंसक, लोकतांत्रिक व शांतिपूर्ण होना चाहिए। व्यक्तिगत स्वार्थ व्यक्ति को अधिकांशतः गलत मार्ग पर ही ले जाने के लिए प्रेरित करता है। विपक्ष का रवैया आरोपियों के हौसले बढ़ाने वाला है, वे आरोपियों पर नरम और सरकार पर गर्म हो रहे हैं। हालांकि यह भी सर्वथा सत्य है कि देश की संसद पर इस प्रकार का कृत्य सरकार द्वारा प्रायोजित सुरक्षा पर भी अनेक प्रकार के सवाल स्थापित करता है। विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले सवाल जायज हैं, लेकिन सुरक्षा के मुद्दे को राजनीतिक रूप से उठाना अत्यंत गंभीर है। विपक्षी दल के सांसद भी देश की संसद का हिस्सा हैं, इसलिए उनकी भी भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जिम्मेदारी कम नहीं होती। सरकार के हर कदम की आलोचना करना मात्र ही राजनीति नहीं होती। राजनीति में देश भाव दिखना चाहिए।

आज देश का राजनीतिक वातावरण एक प्रकार से प्रदूषित जैसा दिखाई देता है। देश में इस राजनीतिक प्रदूषण के लिए हर राजनीतिक दल जिम्मेदार है, क्योंकि आज के राजनीतिक दल एक दूसरे को नीचा दिखाने और स्वयं को स्थापित करने की राजनीति करते दिखाई देते हैं। वास्तविकता यह है कि इस प्रकार की राजनीति किसी भी प्रकार से देश हितैषी नहीं कही जा सकती, लेकिन सवाल यह भी है कि संसद की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए कुछ लोग असंसदीय हरकत कर देते हैं। यह घटना सरकार के सुरक्षा इंतजामों पर गहरे सवाल अंकित करती है। अगर विपक्षी दल सरकार के गृह मंत्री पर सवाल उठाते हैं तो इसमें गलत क्या है। गृह मंत्री को जवाब देना ही चाहिए, क्योंकि गृहमंत्री जवाब नहीं देंगे तो कौन देगा? यहां पर सवाल यह भी आता है कि अगर गृह मंत्री जवाब देने के लिए आते हैं तो क्या विपक्ष उनको सुनने को तैयार होगा? ऐसा इसलिए कि कई बार विपक्षी दल चर्चा से भागे हैं। हालांकि सुरक्षा बलों ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार होने वाले आरोपियों से पूछताछ हो रही है।

इस घटना को चाहे कुछ भी रूप दिया जाए, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इन सभी ने कानून अपने हाथ में लिया है। विपक्षी नेता इन आरोपियों के बारे में यह वकालत करते दिखते हैं कि वह बेरोजगारी के कारण मोदी सरकार से दुखी थे, और वे सरकार के विरोध में आक्रोश व्यक्त कर रहे थे। परंतु विपक्षी दलों को यह भी समझना चाहिए कि क्या आक्रोश व्यक्त करने का यह तरीका ठीक था? इसका प्रथम दृष्टया उत्तर यही होगा कि विरोध करने का स्थान संसद नहीं होना चाहिए। जैसे विरोध के अन्य आंदोलन होते हैं, वैसे ही लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना चाहिए। यहां एक सवाल यह भी आ रहा है कि जो विरोध करने वाले हैं, उनको संबल कौन दे रहा है? उनके पीछे कौन हैं? भाजपा के वे सांसद जिन्होंने इन धुआं कांड के आरोपियों का पास बनवाने में सहयोग किया, आखिर उनसे चूक कैसी हुई? क्या वे सांसद भी धुआं कांड की साजिश करने वालों के शिकार बन गए? पास बनवाने में मदद करने वाले की भूमिका की जांच होनी चाहिए। संसद में हुई घटना के निहितार्थ कुछ भी हों, लेकिन सुरक्षा का विषय कभी राजनीतिक नहीं होना चाहिए। आरोपियों की कार्यवाही के बाद लोकसभा में जिस प्रकार का दृश्य दिखाई दिया, उससे एक भय पैदा हुआ। सांसद इधर उधर भागने लगे। आतंक की स्थिति निर्मित हो गई थी। यह एक प्रकार से सुरक्षा बलों की नाकामी ही थी। और भी बड़ी घटना हो सकती थी, क्योंकि आरोपी जिस प्रकार से संसद के अंदर पहुंचने में सफल हो गए, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे ही खतरनाक इरादों वाले भी पहुंच सकते थे। इसके बाद फिर वैसा ही दृश्य उपस्थित होने में देर नहीं लगती, जो 2001 में 13 दिसंबर को दिखाई दिया था। सवाल यह भी है कि आरोपियों ने इसी दिन को क्यों चुना? क्या इसके तार भी उस घटना से जुड़े हैं। इस बात की जांच की जानी चाहिए। खैर, जो भी हो घटना को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष को भी इसकी गंभीरता समझना चाहिए, क्योंकि यह सब सुनियोजित तरीके से किया गया था। नारे लगाना और स्मोक बम फोड़ना उस स्थान पर सामान्य बात नहीं है, जहां ऐसा करना प्रतिबंधित हो। इस घटना को देश मानस के हिसाब से देखना चाहिए, राजनीतिक दृष्टि से नहीं।

3 अन्य मामलों पर उठाए सवाल

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला परेशान करने वाला

मुंबई में 'भारत का संविधान नियंत्रण एवं संतुलन' विषय पर व्याख्यान देते हुए पूर्व जस्टिस नरीमन ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रोहिंटन नरीमन ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के शीर्ष अदालत के हालिया फैसले पर तीखा हमला बोला। जस्टिस नरीमन ने कहा कि इस फैसले का संघवाद पर असर पड़ा है। मुंबई में 'भारत का संविधान नियंत्रण एवं संतुलन' विषय पर व्याख्यान देते हुए जस्टिस नरीमन ने कहा कि राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने पर निर्णय लेने से इनकार करके शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को अनुच्छेद 356 को दरकिनार करने की अनुमति दी है, जिसके अनुसार किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन केवल एक साल के लिए संभव है।

इन पर भी लगाया प्रश्नचिह्न

1 बीबीसी पर आयकर छापे, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर कानून और केरल के राज्यपाल की कार्रवाई।

2 यह डॉक्यूमेंट्री हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री, (तत्कालीन) गुजरात के मुख्यमंत्री के बारे में बताती हैं।

3 चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर प्रस्तावित कानून पर कहा कि इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव एक कल्पना बनकर रह जाएंगे।

सरकार के फैसले पर भी उठाए सवाल

जस्टिस नरीमन ने कहा, अनुच्छेद 356 संवैधानिक विघटन से संबंधित है, जब केंद्र सत्ता संभालता है। किसी भी परिस्थिति में यह एक साल से अधिक नहीं हो सकता है, जब तक कि राष्ट्रीय आपातकाल न हो या चुनाव आयोग को यह न कहना पड़े कि चुनाव संभव नहीं हैं। सरकार ने राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने का अनोखा तरीका निकाला। आप राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के इस सरल तरीके से इसे दरकिनार कर सकते हैं।

अनुच्छेद 356 (5) को नहीं देखा गया

उन्होंने कहा 'हम फैसला नहीं करेंगे' का मतलब है, वास्तव में, आपने फैसला कर लिया है। आपने इस असंवैधानिक अधिनियम को अनिश्चित काल के लिए आगे बढ़ने की अनुमति दी है और आपने अनुच्छेद 356 (5) को नजरअंदाज कर दिया है।

एसजी के पास विधायिका को बाध्य करने का अधिकार नहीं

सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता के इस आश्वासन पर कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। कोर्ट के तर्क के संबंध में जस्टिस नरीमन ने कहा कि एसजी के पास उत्तराधिकारी सरकार या विधायिका को बाध्य करने का अधिकार नहीं है और जम्मू-कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश में बदलने के लिए एक कानून की आवश्यकता होगी।

सरकार के लिए फंड जुटाने की जरूरत नहीं

न्यायाधीश दें साहस का परिचय: ज. कौल

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और उसके जज सरकार के लिए "फंड संग्रहकर्ता" नहीं हैं। उन्होंने कहा कि किसी मामले में लगने वाले जोखिमों की तुलना में कानून के सिद्धांत अधिक महत्वपूर्ण हैं।जस्टिस कौल ने कहा कि अगर जज लोकतंत्र में अन्य संस्थानों से साहस दिखाने की उम्मीद करते हैं तो उन्हें साहसी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों के पास उनका समर्थन करने के लिए संवैधानिक संरक्षण है।

खबर संक्षेप

राघव चड्ढा राज्यसभा में आप के नेता नियुक्त

नई दिल्ली। आप ने अपने सांसद राघव चड्ढा को संजय सिंह के स्थान पर राज्यसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया है। राज्यसभा सभापति को लिखे पत्र में आप पार्टी के नेतृत्व ने कहा है कि संजय सिंह की अनुपस्थिति में, जिन्हें 'स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं' हैं। राघव अब से उच्च सदन में पार्टी के नेता होंगे। आप के राज्यसभा सदस्य संजय फिलहाल जेल में हैं।

लखनऊ में बनेगी देश की पहली एआई सिटी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को देश के उभरते हुए आईटी हॉस्पॉट के तौर पर स्थापित करने के लिए नादरगंज क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंससिटी के विकास की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी गई है। सीएम योगी के दिशा-निर्देश में एक विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है जिसको क्रियान्वित करते हुए यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने प्रक्रिया शुरू की है।

चमोली पुलिस का फेसबुक पेज हैक

चमोली। साइबर अपराधियों ने चमोली पुलिस का ऑफिशियल फेसबुक पेज हैक कर दिया। पुलिस के लोगो वाली तस्वीर को हटाकर वहां आपत्तिजनक तस्वीर लगा दी। साइबर अपराधियों ने इससे पहले भी उत्तराखंड पुलिस का फेसबुक पेज हैक किया था। शुरुआत में कोई समझ ही नहीं पाया कि ये पुलिस का ऑफिशियल पेज ही है या किसी ने बनाया है।

शादी में लहंगा नहीं पहनेंगी सिख दुल्हन

चंडीगढ़। सिख दुल्हनों के लिए नया ड्रेस कोड तय कर दिया गया है। तख्त श्री नांदेड़ साहिब में पांच सिंह साहिबान ने इस बारे में प्रस्ताव पारित किया। लावां के दौरान सिख दुल्हन को लहंगा नहीं बल्कि पूरा सूट पहनना चाहिए। सिर पर चुन्नी होनी चाहिए। जत्थेदारों ने कहा कि भारी लहंगा पहनने से दुल्हन को गुरु साहिब के सामने नतमस्तक होने में दिक्कत होती है। इसलिए यह फरमान दिया है।

सुक्खू सरकार राहत राशि में कर रही बंदरबांट

बिलासपुर। तीन राज्यों में जीत के बाद बिलासपुर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि 21वीं सदी सात्विक शक्तियों की है। अभिनंदन समारोह में नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में किसी भी काम के पूरा नहीं होने की गारंटी पक्की है। कांग्रेस सरकार राहत राशि में बंदरबांट कर रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की चारों सीटें जीतेगी।

कांग्रेस सांसद के यहां मिले 351 करोड़ रु.

धीरज साहू गांधी परिवार का एटीएम, जवाब तो देना होगा

कटक में एक स्कूल की 150वीं वर्षगांठ में शिक्षा मंत्री प्रधान ने दी प्रतिक्रिया

एजेंसी ▶▶ कटक

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर एवं दूसरे ठिकानों से करोड़ों रुपये बरामद होने के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गांधी परिवार पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि धीरज साहू गांधी परिवार का एटीएम है। ये तमाम रुपए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एवं उनके परिवार का है। शिक्षा मंत्री कटक में आयोजित एक स्कूल के 150वीं वर्षगांठ में हिस्सा लेने के मौके पर दिए अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही है। ओडिशा समेत देश के विभिन्न जगह पर आयकर विभाग की ओर से हुई छापेमारी में झारखंड के कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर से एवं उनके शराब फैक्ट्री और विभिन्न ठिकानों से करोड़ों रुपए बरामद हुए। साहू ने शुक्रवार को अपने प्रतिक्रिया में कहा है कि वह तमाम रुपए उनके परिवार का है। इन पैसों के लाभार्थी कौन है, जवाब उन्हें देना होगा। रकम कहां से आई उसे भी बताना होगा।

2- 3 राज्यों में था शराब का कारोबार

झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के आबकारी नीति निर्धारक थे। ओडिशा से सबसे ज्यादा राशि बरामद की गई है और वजह है कि यहां पर आबकारी नीति में भ्रष्टाचार ही प्रमुख वजह है। यहां की भ्रष्ट आबकारी नीति में दीमक लगने के कारण यह देखने को मिला है।उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी शामिल है, उसे जवाब देना होगा। छुपाने से कुछ नहीं होगा। एजेंसी जांच में जुटी है। आज भी देश के विभिन्न ठिकानों पर इस घटना को लेकर जांच जारी है। 500 करोड़ से अधिक रुपए का पता लग चुका है।

जांच की जा रही, रिपोर्ट आने दीजिए

संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जांच एजेंसी घटना की जांच कर रही है। उसकी रिपोर्ट आने दीजिए। इससे पहले भी इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। संसद में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए था। पार्लियामेंट एक गंभीर स्थान है। जो लोग ये काम किए हैं, वह बिल्कुल गलत काम किए हैं।

संसद में सुरक्षा घेरा तोड़ने पर कांग्रेस और भाजपा में वार-पलटवार

बेरोजगारी के कारण संसद का सुरक्षा घेरा टूटा: राहुल

कांग्रेस को हमलावरों पर सहानुभूति क्यों ? : पूनावाला

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। पूनावाला ने कहा कि राहुल 3 चुनाव हार क्या गए ऐसा तर्क दे रहे। पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। पूनावाला ने कहा पहले जब भी ऐसी घटनाएं हुईं, तो कभी भी तुच्छ राजनीति नहीं की गई....

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए जाने लगे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में सुरक्षा उल्लंघन पर अपनी पहली टिप्पणी में इसके लिए पीएमनरेंद्र मोदी की नीतियों को दोषी ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके कारण देश में बेरोजगारी और मुद्रास्फीति में इजाफा हुआ है।

पत्रकारों से बात करते हुए राहुल ने कहा कि लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन क्यों हुआ? बेरोजगारी इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा है। मोदीजी की नीतियों के कारण भारत के युवाओं को नौकरी नहीं मिल पा रही है। उल्लंघन तो जरूर हुआ है, लेकिन इसके पीछे बेरोजगारी और महंगाई ही कारण है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए चार लोगों में से कम से कम तीन बेरोजगार हैं। दो के परिवारों का कहना है कि वे नौकरी नहीं मिलने से निराश थे।

ओछी राजनीति न करें, इनके तार तो आपसे नहीं जुड़े: भाजपा

पालकों का कहना- हम समृद्ध नही, फिर भी शिक्षित किया

मैसूरु निवासी मनोरंजन इंजीनियरिंग स्नातक है, जो एक आईटी फर्म में काम करता था, अब खेती में अपने पिता की मदद कर रहा है। लातूर के अमोल शिंदे सेना भर्ती में में कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं रहा। जींद की नीलम आजाद एक प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक की नौकरी के लिए असफल कोशिश की थी। चौथा लखनऊ का सागर शर्मा ई-रिक्शा चलाता है।आजाद की मां सरस्वती ने कहा कि हम एक समृद्ध परिवार नहीं हैं, लेकिन फिर भी हमने उसे शिक्षित किया। वह कहती थीं कि मैंने बेवजह बहुत पढ़ाई की लेकिन नौकरी नहीं मिली। इससे अच्छा तो मैं मर जाऊं। अमोल की मां ने कहा था कि सेना भर्ती में असफल होने के कारण वह उदास हो गया था। न जाने किस कारण से उसने ऐसा किया?

पहले भी हुई हैं ऐसी घटनाएं

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि पहले जब भी ऐसी घटनाएं घटीं, उन पर कभी ओछी राजनीति नहीं की, लेकिन राहुल एक ऐसा नेता जो हमेशा युवा है लेकिन अपरिपक्व हैं। 13 दिसंबर को जो कुछ हुआ उसे शर्मनाक तरीके से सही ठहराते हुए कहता है कि इस तरह की घटना इसलिए हुई क्योंकि देश में बेरोजगारी और महंगाई है।

भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा

राहुल शर्मनाक हरकत को सही ठहरा रहे

संसद सुरक्षा उल्लंघन में कांग्रेस संसद के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। पूनावाला ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। पूनावाला ने कह कि राहुल गांधी 3चुनाव हार क्या गए ऐसा तर्क दे रहे। पूनावाला दिल्ली में स्थित पार्टी कार्यालय में हुई पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। पूनावाला ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि, पहले जब भी ऐसी घटनाएं हुईं, तो उन पर कभी भी तुच्छ राजनीति नहीं की गई लेकिन राहुल एक ऐसा नेता जो युवा हैं लेकिन अपरिपक्व हैं, सामने आते हैं और जो हुआ उसे शर्मनाक तरीके से सही ठहराते हैं।

निंदा करने की जगह कांग्रेस इसे जायज बता रही

पूनावाला ने संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस और आईएनडीआई गठबंधन पर निशाना साधते हुए बयान को बचकाना और गैरजिम्मेदाराना बताया। पूनावाला ने कहा कि देश और संसद की सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। संसद के भीतर 13 दिसंबर की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। इसकी निंदा की जानी चाहिए लेकिन कांग्रेस के नेता हमलावरों के प्रति सहानुभूति दिखा रहे हैं। कांग्रेस के अभियान डोनेशन फॉर देश पर शहजाद पूनावाला ने कहा कि इन्होंने साठ सालों तक देश को लूटा है। तीन राज्यों में हार के बाद यह साफ है कि देश तो कांग्रेस को वोट देने के मूड में भी नहीं है।

नीलम तो कांग्रेस के लिए वोट मांगती दिखी थी

पूनावाला ने सवालिया लहजे में कहा कि संसद के अंदर हमला करने वालों के बचाव में उतरे विपक्ष के तार तो कहीं इनके साथ नहीं जुड़े हैं? हमले की आरोपित नीलम आजाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ दिखाई दी थी और उसके लिए ही वोट मांगती दिखाई दी थी। इनको कानूनी सहायता भी कांग्रेस पार्टी तो नहीं दे रही हैं? ये रिश्ता क्या कहलाता है?

पहाड़ों पर बर्फबारी ने मैदानी क्षेत्रों को कंपाया

नई दिल्ली। पहाड़ों में बर्फबारी से उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों के तापमान में तेजी से गिरावट आई है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के कई स्थानों का न्यूनतम तापमान गिरकर 5 डिग्री से नीचे आ गया है। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री तक पहुंच गया है, जो शिमला के न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री से लगभग दो डिग्री कम है। मौसम विभाग का मानना है कि न्यूनतम तापमान में अगले 4-5 दिनों तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। यहां तक कि एक-दो दिनों में उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में शीतलहर की आशंका है। दिल्ली और हरियाणा के हिसार का तापमान शीतलहर के करीब पहुंच चुका है। बिहार-झारखंड का तापमान भी तेजी से गिर रहा है।

पुजारी की हत्या के बाद बवाल 10 थानों की पुलिस पहुंची

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले में शिव मंदिर के एक पुजारी की हत्या के बाद शनिवार को भारी बवाल मच गया। गुस्साए लोगों ने एनएच 27 को जाम करते हुए आगजनी और पुलिस जीप में तोड़फोड़ की। इसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हवाई फायरिंग भी की गई। तनाव को देखते हुए 10 थानों की पुलिस बुलाई गई है। यह मामला मांझागढ़ थाना इलाके के दानापुर गांव का है। मंदिर के पुजारी 6 दिनों से लापता थे, शनिवार को उनका शव मिलने पर लोग आक्रोशित हो गए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। भीड़ के उग्र तेवर को देखकर पुलिस ने लाठी भांजना शुरू किया तो ग्रामीण पथराव करने लगे। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की। इसके बाद स्थिति नियंत्रित हुई। पुलिस ने हवाई फायरिंग से इनकार किया है।

कांग्रेस कल से शुरू करेगी ऑनलाइन क्राउडफंडिंग

हर बूथ पर 10 घरों से चंदा इकट्ठा करने का लक्ष्य

महासचिव वेणुगोपाल ने दी जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को एक बड़ी घोषणा की। पार्टी 18 दिसंबर से एक ऑनलाइन क्राउडफंडिंग अभियान 'डोनेट फॉर देश' शुरू करेगी। पार्टी ने कहा कि यह पहल 1920-21 में महात्मा गांधी के ऐतिहासिक 'तिलक स्वराज फंड' से प्रेरित है। नई दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और अजय माकन ने यह घोषणा की। माकन ने कहा कि कांग्रेस के 138 साल पूरे होने पर हम देशवासियों से अनुरोध करते हैं कि वे कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कांग्रेस के खाते में रुपए 138,1,380 या 13,800 की राशि जमा करें।

'तिलक स्वराज फंड' की प्रेरणा बताया

महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह पहल 1920-21 में महात्मा गांधी के ऐतिहासिक 'तिलक स्वराज फंड' से प्रेरित है और इसका उद्देश्य समान संसाधन वितरण और अवसरों से समृद्ध भारत बनाने में हमारी पार्टी को सशक्त बनाना है। वहीं पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि 'डोनेट फॉर देश' पहल एक व्यापक अभियान है। इस पहल के तहत पार्टी कांग्रेस की 138वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 138 या उससे 10 गुना रुपए दान को प्रोत्साहित कर रही है।

अयोध्या में महायज्ञ शुरू, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा तक चलेगा आयोजन

महाराष्ट्र के चंद्रपुर के सागौन की खास लकड़ी से बने हैं ये विशेष दरवाजे

राम मंदिर के 14 दरवाजों पर चढ़ेगी सोने की परत हैदराबाद के कारीगरों ने तांबे से की सुंदर नक्काशी

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में कुल 46 दरवाजे होंगे। इसमें से 18 दरवाजे ग्राउंड फ्लोर पर लगेंगे। इन 18 में से 14 दरवाजों पर सोने की परत चढ़ेगी। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के सागौन की खास लकड़ी से बने इन दरवाजों पर हैदराबाद के कारीगरों ने नक्काशी की है। इसके बाद इन पर तांबे की परत चढ़ाई गई। अब इस पर सोने की परत लगाने का काम जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा।

गर्भगृह का सिंहासन भी बन चुका

इसी तरह राम मंदिर के गर्भगृह का सिंहासन भी बनकर तैयार हो चुका है। यहां भी सोने का काम होना बाकी है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कोशिश है कि 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले होने वाले सभी निर्माण कार्य दिसंबर के अंत तक पूरे कर लिए जाए। बचे हुए कामों को हर हाल में जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद सभी कार्यों की समीक्षा शुरू होगी।

महायज्ञ शुरू हुआ

22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इससे पहले अयोध्या में एक महायज्ञ भी शुरू हुआ है। जो प्राण प्रतिष्ठा तक लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में कोई व्यवधान न आए।

स्वर्ण जड़ित 7 दरवाजे तैयार

राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह से बनकर तैयार है। यहां लगने वाले 14 स्वर्ण जड़ित दरवाजों की जिम्मेदारी गाजियाबाद की एक ज्वेलर्स कंपनी को दी गई है। सूत्रों के अनुसार, 7 दरवाजों पर सोने की परत चढ़ा दी गई है। जनवरी के पहले सप्ताह तक सभी दरवाजें तैयार हो जाएंगे।

गोंडा से आई चीनी असम से चाय पत्ती और काली मिर्च

प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अयोध्या आने वाले रामभक्तों का भी खास ख्याल रखा जा रहा है। 25 दिसंबर से 15 मार्च तक अयोध्या में 36 स्थान पर भंडारे चलेंगे। इसके लिए देशभर से राम भक्त अनाज और मसाले लेकर आ रहे हैं। अयोध्या में असम से चाय पत्ती, तेजपत्ता, दालचीनी, काली मिर्च और अदरक की पहली खेप आ चुकी है। हरियाणा से 400 क्विंटल चावल अयोध्या पहुंच चुका है। गोंडा से चीनी भेजी गई है। रामसेवक पुरम में केंद्रीय भंडार गृह बनाया गया है।

ठाणे में प्रेमिका प्रिया का खुलासा

अफसर के बेटे ने की कार से कुचलकर मारने की कोशिश

एजेंसी ▶▶ ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। एक अधिकारी के बेटे ने अपनी गर्लफ्रेंड को कार से कुचलकर मारने की कोशिश की है। एमएसआरडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर के बेटे अश्वजीत गायकवाड़ के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। हालांकि अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

चार साल से दोनों रिलेशनशिप में थे

बताया जा रहा है कि अश्वजीत गायकवाड़ और पीड़िता प्रिया सिंह पिछले साढ़े चार साल से रिलेशनशिप में थे। लेकिन कुछ समय पहले प्रिया सिंह को पता चला कि वह पहले से शादीशुदा है। सोमवार देर रात प्रिया अपने बॉयफ्रेंड से मिलने एक होटल के पास गई थी और इस दौरान अश्वजीत की पत्नी भी उसके साथ थी। तभी अश्वजीत प्रिया सिंह पर गुस्सा हो गया। इसके बाद दोनों के बीच काफी लड़ाई हुई और फिर अश्वजीत और उसके दोस्तों ने प्रिया के साथ मारपीट की।

हीरो के 40 साल पूरे, जैकी ने मनाया जश्न

मुंबई। निर्देशक सुभाष घई और अभिनेता जैकी श्रॉफ शनिवार को 'हीरो' के 40 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ सीन्स के साथ एक वीडियो भी शेयर की और कैप्शन में लिखा, "डस्ट से स्टार तक #हीरो #40 साल"।

500 करोड़ क्लब के करीब पहुंची एनिमल

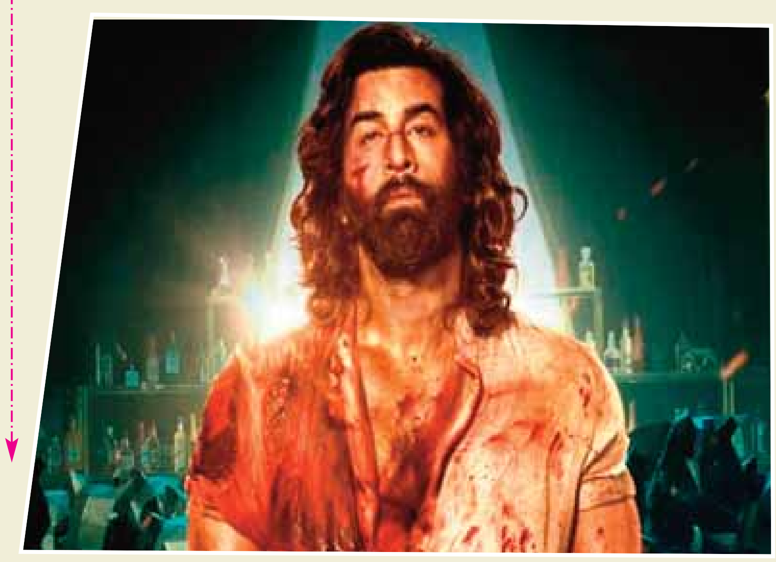

मुंबई। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने अब तक दुनियाभर में जबरदस्त कलेक्शन कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर एनिमल का एकतरफा कब्जा है। इसमें भारत में तीसरे शनिवार यानी 16 दिनों में 486.96 का बिजनेस कर लिया है।

इंडियन पुलिस फोर्स का शानदार टीजर रिलीज

मुंबई। फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की पहली ओटीटी सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का टीजर शनिवार को जारी किया गया। यह एक्शन, पावर, शानदार परफॉर्मेंस और पुलिस फोर्स से भरपूर है। एक मिनट से ज्यादा लंबे टीजर में एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी की झलक मिलती है।

'ड्राई डे' का पहला गाना 'हल्ला मचा' आउट...

मुंबई। जितेंद्र कुमार और श्रिया पिलगांवकर स्टारर हिंदी ओरिजिनल फिल्म ड्राई डे एक शानदार रिलीज वीक के लिए तैयार है। इस फील-गुड फिल्म का मूड सेट करते हुए फिल्म का पहला गाना 'हल्ला मचा', जो एक जबरदस्त होली गीत भी है, आज रिलीज़ कर दिया गया है। इस गाने को देव नेगी और अकासा सिंह की गतिशील जोड़ी ने अपनी आवाज के जादू से सजाया हैं और संगीत जावेद-मोहसिन द्वारा रचित हैं। 'ड्राई डे' में जितेंद्र कुमार, श्रिया पिलगांवकर और अन्नू कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। ये फिल्म विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर 22 दिसंबर को हिंदी में प्रीमियर होगी।

लाइफStyle

तृप्ति इंस्टा पर बढ़े फॉलोवर्स

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों फिल्म 'एनिमल' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म के सुपरहिट होने के बाद तृप्ति इंस्टाग्राम पर दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली अभिनेत्री बन गईं।

एनिमल' फिल्म में तृप्ति डिमरी एक छोटे से किरदार में नजर आईं, बावजूद इसके फिल्म में उनके किरदार 'जोया' को जिस तरह से दर्शक पसंद कर रहे हैं, उसकी कल्पना भी तृप्ति ने कभी नहीं की थी। फिल्म की सफलता के बाद अभिनेत्री के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी फॉलोवर्स की संख्या काफी बढ़ रही है। अब इस पर तृप्ति ने प्रतिक्रिया दी है।

हाल ही में दिए इंटरव्यू में तृप्ति ने कहा, उन्हें बिलकुल भी अंदाजा नहीं था कि एनिमल' फिल्म में उनके किरदार जोया को लोग इतना प्यार देंगे। सोशल मीडिया पर बढ़ रहे फॉलोवर्स की संख्या का हिसाब मैं नहीं रखती हूं। मेरे परिवार के लोग और मेरे दोस्त मुझे स्क्रीनशॉट भेज कर बताते हैं कि तुम्हारे इतने ज्यादा फॉलोवर्स बढ़ गए हैं। मुझे अच्छा जरूर लग रहा है, लेकिन मैं गिनती नहीं करती हूं। अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए तृप्ति ने कहा कि मैं काम और अपनी निजी जिंदगी में बैलेंस बना कर चलती हूं। मैं परिवार के साथ समय बिताती हूं और दोस्तों के लिए भी समय निकालती हूं। मैं नहीं चाहती कि भविष्य में जब पीछे मुड़ कर देखूं तो मुझे पछतावा हो कि मैं जिंदगी जी ही नहीं पाई, बस काम ही करती रह गई।

हॉलीवुड मसाला

फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन काम से ज्यादा अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक बार फिर उन्होंने अपनी नई तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में बॉडीकोन ट्रांसपेरेट ड्रेस में बेहद बोल्ड लग रही है। इस ड्रेस में एक्ट्रेस के इनरगार्मेंट भी दिखाई दे रहे हैं।

चौथी बार मां बनने वाली हैं हिलेरी...

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस और सिंगर हिलेरी डफ इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी चौथी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया है। हिलेरी अपने पति मैथ्यू कोमा के तीसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। मैथ्यू कोमा और हिलेरी डफ ने साल 2018 और 2021 में अपनी बेटियों बैंक्स और मॅई का दुनिया में स्वागत किया। अब यह जोड़ा अपने तीसरे बच्चे के दुनिया में आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वहीं हिलेरी डफ का अपने पहले पति माइक कॉमरी से 11 साल का बेटा लुका भी है, जिसके साथ वह अक्सर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हिलेरी डफ ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही है।

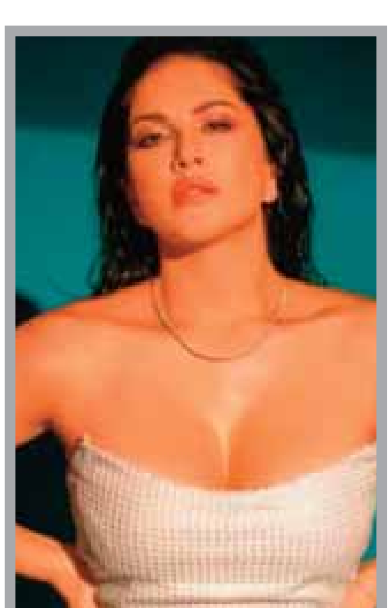

अब करेंगी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी जल्द ही मलयालम ओटीटी में कदम रखने जा रही हैं। वह मलयालम वेब सीरीज पैन इंडियन सुंदरी से अपना डेब्यू कर रही हैं। एचआर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज को रिलीज किया जाएगा। इसे लेकर अभी आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है। यह एक हाई बजट की कॉमेडी एक्शन थ्रिलर सीरीज है। इसमें मालविका श्रीनाथ और अप्पानी सारथ भी अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा अन्य कलाकारों और क्रू में मलयालम इंडस्ट्री के कई दिग्गज शामिल हैं। एचआर प्रोडक्शंस के बैनर तले श्रीना प्रतापन द्वारा इसे निर्मित किया गया है। वहीं सतीश कुमार ने वेब सीरीज पैन इंडियन सुंदरी को लिखा और निर्देशित किया है। इसका स्क्रीनप्ले प्रिंस डेनी और लेनिन जॉनी ने किया है।

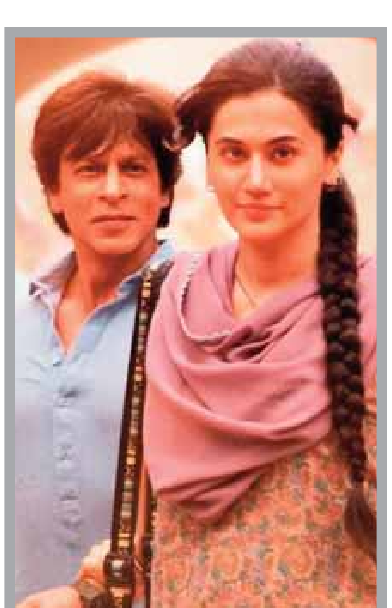

'डंकी' को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान पिछले कई दिनों से अपनी अपकमिंग फिल्म 'डंकी' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। पठान और जवान के बाद अब फैंस को किंग खान की इस मूवी का भी बेसब्री से इंतजार है। इस बीच 'डंकी' से जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है। एक्टर की ये फिल्म सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से फिल्म पास हो गई है। ट्रेड एनालिस्ट गिरीश जौहर के मुताबिक, शाहरुख खान की 'डंकी' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से यू/ए सर्टिफिकेट देकर पास किया गया है। इसके साथ ही फिल्म के रनटाइम का भी खुलासा हो चुका है। 'डंकी' का रनटाइम 2 घंटे 41 मिनट होगा। डंकी 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी मसाला

एजाज ने पवित्रा संग शेयर की तस्वीर...

मुंबई। एजाज खान और पवित्रा पुनिया टीवी के पावर कपल्स में से एक हैं। दोनों की मुलाकात रियालिटी शो बिग बॉस 14 के दौरान हुई थीं। शो के बाद से ही दोनों अपनी क्यूट केमिस्ट्री से फैंस को इंप्रेस करते रहते हैं हालांकि बीते दिनों अचानक ही कपल के ब्रेकअप की खबर सामने आई। मीडिया

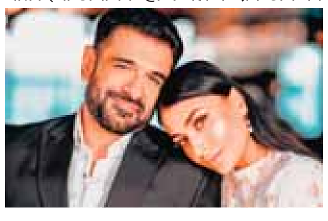

रिपोर्ट्स में दावा किया कि एजाज खान और पवित्रा पुनिया ने तीन साल एक दूसरे को डेट करने के बाद अपना रिश्ता तोड़ दिया है। अब इन खबरों पर एजाज खान ने अपने ब्रेकअप की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। एजाज ने पवित्रा पुनिया संग ब्रेकअप की अफवाहों को बकवास बताया है। उन्होंने कोई इंटरव्यू नहीं दिया, बल्कि अपनी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक फोटो शेयर करके इन खबरों को बकवास करार दिया है। एजाज ने अपनी लेडी लव पवित्रा संग एक तस्वीर शेयर की जो एक इवेंट की है। इस तस्वीर में एजाज अपनी लेडी लव के चेहरे की तरफ देख रहे हैं और उनके फेस पर स्माइल है। वही पवित्रा कैमरे की ओर पोज दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ एजाज खान ने हैशटैग 'इंस्पिरेशन' लिखा है।

अभिनेत्रियों ने दुनियाभर में चर्चा बटोरी और खूब नाम कमाया

इन अभिनेत्रियों के लिए 2023 रहा बेहद खास, दी धमाकेदार हिट

***मुंबई।** बॉलीवुड के लिए साल 2023 अभिनेत्रियों के लिए बेहद स्पेशल रहा। कई अभिनेत्रियों ने इस साल लॉन्ग ब्रेक के बाद कमबैक किया और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस का सूखा खत्म करने में मददगार साबित हुईं। फिल्मों के लिहाज से अभिनेत्रियों ने दुनियाभर में चर्चा बटोरी और खूब नाम कमाया। साल 2023 की मोस्ट सक्सेसफुल एक्ट्रेसेस की लिस्ट।*

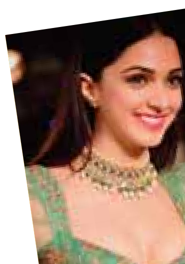

कियारा आडवाणी : 'फगली' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने वाली कियारा आडवाणी ने चंद सालों में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। पिछले साल उनकी फिल्म 'भूल भुलैया 2' हिट रही थी और इस साल 'सत्यप्रेम की कथा' ने बॉक्स ऑफिस पर ठीकठाक कमाई की। बैक-टू-बैक कार्तिक आर्यन के साथ फिल्मों ने कियारा को हेडलाइंस में बनाए रखा। कियारा अब अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुटी हैं। वह राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर और ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में नजर आएंगी।

आलिया भट्ट : आलिया भट्ट के लिए भी साल 2023 भी बेहद खास रहा। मां बनने के बाद अभिनेत्री ने फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार वापसी की। आलिया को इसी साल फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था। कुछ समय पहले अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' की अनाउंसमेंट कर थी। वह इस फिल्म को को-प्रोड्यूस भी कर रही हैं।

अनन्या पांडे : 'लाइगर' के बुरी तरह फ्लॉप होने के बाद साल 2023 में रिलीज हुई 'ड्रीम गर्ल 2' में अनन्या पांडे छा गईं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया था। साथ ही अनन्या के अभिनय को भी काफी पसंद किया गया था। जल्द ही वह 'खो गए हम कहां', 'कंट्रोल' और 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर' फिल्मों में दिखाई देंगी।

अदा शर्मा : सालों से सिनेमा में अपनी पहचान बनाने की मशक्कत कर रहीं अदा शर्मा के लिए साल 2023 बेहद लकी रहा। फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने उनके सपनों को उड़ान भरी और बी-टाउन की बेस्ट एक्ट्रेसेस में शुमाल हो गईं। 2023 की हिट फिल्मों में शुमार 'द केरल स्टोरी' में अदा के अभिनय को खूब सराहा गया। इस फिल्म ने 242 करोड़ का का कारोबार किया था। अगले साल अप्रैल में अदा शर्मा की 'बस्तर' रिलीज होगी।

सारा अली खान : 'लव आज कल' और 'कुली नंबर 1' के फ्लॉप होने के बाद सारा अली खान की दो फिल्में थिएटर की बजाय ओटीटी पर रिलीज हुईं और सारा ने अपने अभिनय से हर किसी का दिल जीत लिया। तीन साल बाद सारा ने विक्की कौशल के साथ फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की और छा गईं। कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 88 करोड़ का कारोबार किया था। सारा के पास आगामी फिल्मों की एक लंबी लाइन है, जिसमें 'ए वतन मेरे वतन', 'मेट्रो इन दिनों' और 'मर्डर मुबारक' हैं।

आठवीं पीढ़ी के वंशज

बाबा हरजीत सिंह, बाबा फकीर सिंह की आठवीं पीढ़ी के वंशज हैं। उन्होंने कहा कि उनका किसी भी राजनीतिक दल के साथ संबंध नहीं है। वे केवल सनातन परंपराओं के वाहक हैं। वे कई बार अयोध्या भी जा चुके हैं। अब उन्होंने राम मंदिर न्यास समिति से आग्रह किया है कि 22 जनवरी को मूर्ति स्थापना के अवसर पर उन्हें अयोध्या में लंगर लगाने की इजाजत दी जाए।

अयोध्या में अगले साल 22 जनवरी को होगी भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा निहंगों ने मांगी लंगर लगाने की अनुमति

एजेंसी ▸▸| अयोध्या

अयोध्या में अगले साल 22 जनवरी को भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना के मौके पर निहंगों ने लंगर लगाने की अनुमति मांगी है। निहंग बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने इस संबंध में राम मंदिर ट्रस्ट को पत्र लिखा है।

उन्होंने पत्र में कहा कि सिख पंथ को हिंदू धर्म से अलग करके देखने वाले कट्टरपंथियों को जानना चाहिए कि राम मंदिर के लिए पहली एफआईआर हिंदुओं के खिलाफ नहीं बल्कि सिखों के खिलाफ हुई थी। सिख पंथ ही सनातन हिंदू धर्म संस्कृति का अभिन्न अंग और धर्म रक्षक योद्धा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 30 नवंबर, 1858 को निहंगों ने बाबरी मस्जिद पर कब्जा करके वहां हवन किया था और सभी

दीवारों पर श्रीराम लिखा था। इस मामले में निहंग सिखों पर दर्ज एफआईआर में लिखा गया था कि निहंग सिख बाबरी मस्जिद में घुस गए और वहां राम नाम के साथ हवन कर रहे हैं। इस मामले में अन्य के अलावा निहंग बाबा फकीर सिंह के विरुद्ध केस दर्ज हुआ था।

अमेरिकी हिंदू प्राण प्रतिष्ठा पर जलाएंगे घर पर दीये

वाशिंगटन। अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग अगले महीने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अपने घरों में पांच दीये जला कर इसका जश्न मनाने की योजना बना रहे हैं। अमेरिकी हिंदू समुदाय ने इस मौके पर कई कार्यक्रम भी आयोजित करने की योजना बनाई है, जिसमें विभिन्न शहरों में कार रैलियां निकालना, भव्य उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण करना तथा सामुदायिक सभा आदि शामिल हैं। शिकागो में हिंदू समुदाय के नेता भरत बराई ने बताया, "यह हम सभी के लिए एक सपने के सच होने जैसा

है। अगले साल 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए मंदिर अधिकारियों द्वारा आमंत्रित लोगों में से एक डॉ. बरई ने कहा कि बड़ी संख्या में हिंदू अमेरिकियों ने राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लिया था।

विहिप ने लॉन्च की वेबसाइट

विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) ने इन समारोहों में 1,000 से अधिक मंदिरों और व्यक्तियों की भागीदारी की सुविधा के लिए एक वेबसाइट लॉन्च की है। यह संस्था यहां समारोहों का नेतृत्व कर रही है। वीएचपीए ने सभी हिंदू अमेरिकियों से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने के लिए अपने घरों में कम से कम पांच दीये जलाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, ''हिंदू अमेरिकियों के बीच अभूतपूर्व उत्साह है। बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने के लिए अयोध्या जाना चाहते हैं।'

'मरकर' वापस जिंदा हुई महिला

बताया उस 24 मिनट का अनुभव, बोली- बहुत शांति महसूस हुई

अमेरिका में एक महिला के दिल की धड़कन के बंद होने के बाद डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मगर 24 मिनट तक मौत की अवस्था में रहने के बाद अचानक उसे होश आ गया। ठीक होने के बाद महिला ने मौत के करीब पहुंचने का अपना अनुभव साझा किया है। लेखिका लॉरेन कैनाडे ने कहा कि बेहोशी से उठने के बाद उनको पिछले हफ्ते की कोई बात याद नहीं रही। कैनाडे ने रेडिट पर चल रहे 'आस्क मी एनीथिंग' प्रोग्राम के दौरान यह सब खुलासा किया। महिला ने बताया कि उनको अस्पताल ले जाया गया और बेहोशी से उठने से पहले वह दो दिनों तक कोमा में रहीं।

एजेंसी ▸▸| वाशिंगटन

एक रिपोर्ट के मुताबिक लेखिका लॉरेन कैनाडे ने उनकी जिंदगी को बचाने के लिए जल्द सीपीआर शुरू करने के लिए अपने पति को धन्यवाद दिया और कहा कि वह हमेशा उनके 'हीरो' रहेंगे। कैनाडे ने कहा कि "पिछले फरवरी में मुझे घर पर अचानक कार्डियक अरेस्ट हुआ। मेरे पति ने 911 पर कॉल किया और सीपीआर शुरू किया। ईएमटी को मुझे फिर से जिंदा करने में 24 मिनट लगे। आईसीयू में 9 दिनों के बाद मुझे ठीक बताया गया और एमआरआई में मेरे दिमाग को कोई नुकसान दिखाई नहीं दिया। कैनाडे ने कहा कि दिमाग में बिजली की गतिविधि को मापने वाले इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम के नतीजे में सामने आया कि फिर से जिंदा होने के तुरंत बाद उन्हें 30 मिनट से अधिक समय तक मिर्गी के दौरे का अनुभव हुआ था।

दिल की धड़कन बंद होते ही

लेखिका लॉरेन कैनाडे ने कहा कि उनके दिल की धड़कन बंद होते ही उनके पति ने 4 मिनट तक सीपीआर दिया। ऑपरेटर ने उन्हें बताया कि क्या करना है। उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया था. उन्हें डॉक्टरों ने बताया कि उनका कार्डियक अरेस्ट कोविड की जटिलताओं के कारण हुआ था। आईसीयू में भर्ती होने पर उनका कोविड परीक्षण पॉजिटिव आया था।

अनुभव का सबसे दिलचस्प हिस्सा

न्यूयॉर्क पोस्ट ने कहा कि लेखिका लॉरेन कैनाडे का मामला दिलचस्प है। क्योंकि अधिकांश लोग ऐसे हालात में बेहोशी से उठने के बाद लंबे समय तक जीवित नहीं रहते हैं। 1982 और 2018 के बीच दर्ज किए गए 65 मामलों में से केवल 18 लोग ही पूरी तरह ठीक हो पाए। लेखिका लॉरेन कैनाडे ने कहा कि उनके अनुभव का सबसे दिलचस्प हिस्सा 'अत्यधिक शांति' की अनुभूति थी। जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह भावना 'जागने के बाद कुछ हफ्तों' तक उनके साथ रही। उन्होंने यह भी साफ किया कि उन्होंने अपनी आंखों के सामने अपने जीवन की घटनाओं को चमकते हुए नहीं देखा।

एनएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर भारत की पहली लिस्टिंग

मुंबई। एनएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज में आज भारत की पहली लिस्टिंग श्री आशीषकुमार चौहान ;प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारीए नेशनल स्टॉक एक्सचेंजद्ध की उपस्थिति में हुई और इस मौके पर डॉ आर बालासुब्रमण्यम अध्यक्ष, सलाहकार समिति, सोशल स्टॉक एक्सचेंजए सेबी, रमेश स्वामी संस्थापक निदेशक, उन्नति अश्वनी भाटिया पूर्णकालिक सदस्य सेबी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति अपने आज के एनएसई दौरे के दौरान मौजूद रहे।

सूर्या रोशनी ने कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का नजरिया बदल दिया

जबलपुर। पिछले 50 वर्षों से कारोबार में संलग्न सूर्या रोशनी लाइट, पंखे, इलेक्ट्रिक वॉटर हीटर, घरेलू उपकरण, स्टील पाइप और पीवीसी पाइप उद्योग में भारत के सबसे जाने-माने और भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है। सूर्या भारत में ब्रांडेड लाइटिंग प्रोडक्ट का सबसे बड़ा निर्माता है जो निरंतर प्रगति करते हुए अपने उद्योग में एक मानक स्थापित करता है। सूर्या एक बार फिर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार का नया नजरिया पेश करते हुए पूरे देश के बाजारो से जुड़ कर अपनी नई सीरीज के उपकरणों और बीईई रेटेड सीलिंग पंखे लॉन्च करने के लिए तैयार है। ये पंखे कार्य क्षमता और सुंदरता की नई मिसाल हैं सूर्या ने आज के ग्राहकों की ऊंची पसंद को देखते हुए बीईई स्टार लेबल के साथ नए सीलिंग पंखे लॉन्च किए।

बी.आर्क. के विद्यार्थियों ने सीओए से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीता

जबलपुर। नवरचना युनिवर्सिटी के बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क), स्कूल ऑफ एनवायर्नमेंटल डिजाइन एंड आर्पिटेक्चर के विद्यार्थियों ने 'एक्सीलेंस इन डोक्यूमेन्टेशन ऑफ आर्किटेक्चर हेरिटेज 2023' के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार (प्रथमपुरस्कार) जीता है। प्रोफेसर मनाली भद्रा द्वारा मार्गदर्शित 'उरु' वुडन बोट मेकिंग क्राफ्ट ऑफ केरल में इन समुद्री जहाजों में समाविष्ट गहन इतिहास और उत्कृष्ट शिल्प कारीगरी एवं कौशल हाइलाइट किया गया है। केरल के कोझिकोड के बेपोर शहर में उरु लकड़ी की नावों का पारंपरिक शिल्प कई शताब्दियों स प्रचलित है। यह शिल्प भारतीय कारीगरों की विरासत और सरलता का उदाहरण है, जिसे संरक्षित करने के प्रति वंशजों के बीच घटती रुचि के कारण इसके लुप्त होने का खतरा है।

अचार खाने की जगह पेपर में लगा घिसने, जीत लिया लोगों का दिल

नई दिल्ली। आज के समय में सोशल मीडिया ने लोगो की जिंदगी में गहरी जगह बना ली है। हर किसी के दिन के कई घंटे इस सोशल मीडिया पर गुजरते हैं। जहां कई लोग इसे समय की बर्बादी मानते हैं वहीं ऐसे भी कुछ लोग हैं, जो इसके इस्तेमाल के जरिये अपने टैलेंट को लोगों के सामने ले आते हैं। पहले अगर किसी में कोई टैलेंट होता था, तो कई बार वो अन्य लोगों के सामने नहीं आ सकता था। ऐसा इसलिए कि उनके पास साधन नहीं थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होता। आज के समय में लोगों को अपने टैलेंट को दुनिया के सामने लाने के लिए किसी और की जरुरत नहीं पड़ती। लोग सोशल मीडिया के जरिये ही अपने आर्ट को पेश कर देते हैं। अगर आर्ट में दम होता है तो वो अपने आप ही लोगब की नजर में आकर वायरल हो जाता है।

राशिफल

मेष मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा।तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन परिवार में सदभाव बनाये रखने के प्रयास करे। किसी मित्र का आगमन हो सकता है। अनावश्यक विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। संपत्ति में निवेश के रास्ते खुलेंगे। लाभ के योग हैं।

सिंह आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से निजात मिलेगी।

कन्या खर्चों में वृद्धि भी होगी। मीठे खानपान में रुचि रहेगी। आय में वृद्धि भी होगी। व्यर्थ की चिंताओं से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

तुला कारोबार में भाग-दौड़ अधिक रहेगी, परन्तु यथानुरूप लाभ के अवसर कम मिल सकते हैं। आशातीत सफलता मिलने के योग कम हैं।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के साधन बन सकते हैं।

मकर कारोबार में कठिनाइयां तो आ सकती हैं, परन्तु किसी मित्र के सहयोग से कारोबार के लिए विदेश यात्रा पर जाने का अवसर भी मिल सकता है।

कुंभ नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। खर्च बढ़ेंगे। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा में वृद्धि हो सकती है। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

देखिए मंगल की धरती का 360 डिग्री व्यू, हर तरफ पड़े हैं पत्थर ही पत्थर, हवा तक नहीं चलती!

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अंतरिक्ष की दुनिया रहस्यों से भरी हुई है. यहां के तमाम राज पर से विज्ञान पर्दा उठा ही चुका है लेकिन कुछ मिस्ट्री ऐसी हैं, जिनके बारे में वैज्ञानिक ज्यादा से ज्यादा जानने में जुटे हुए हैं। कुछ ऐसा ही रहस्य है, दूसरे ग्रहों के वातावरण का. विज्ञान ये जानने में जुटा है कि धरती की तरह और भी किसी ग्रह पर हवा-पानी या ऐसी परिस्थितियां हैं क्या कि वहां जीवन जिया जा सके।आपने पृथ्वी की जमीन देखी होगी, जो काफी हरी-भरी है. यहां हवा चलती रहती है और धूप भी दिखती है लेकिन आज आपको दर्शन कराएंगे मंग्रह की जमीन का. हम यहां बसने के ख्वाब संजो रहे हैं लेकिन इसकी धरती पर हवा-पानी का नामोनिशान नहीं है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मंगल की सतह को 360 डिग्री व्यू में देखा जा सकता है।

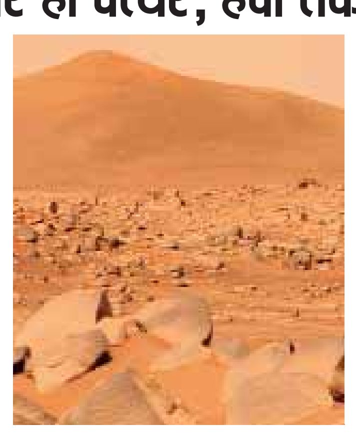

ऐसी दिखती है मंगल ग्रह की सतह

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक रोवर मंगल ग्रह की सतह का वीडियो ले रहा है। सतह का 360 डिग्री व्यू देखने के बाद आप देखेंगे कि हर तरफ लाल रंग की मिट्टी दिख रही और बड़े-बड़े पत्थर दिख रहे हैं। यहां हवा-पानी का कोई निशान नहीं है बल्कि रोवर के व्हील का निशान भी दिख रहे हैं। ये व्यू रोवर ने लिया है, जो 5 अप्रैल, 2023 का है।

लोगों ने दिए रिएक्शन

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के **@wonderofscience** नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो को 13 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस पर कमेंट करते हुए लोगों ने कहा कि ये तो मौत की घाटी जैसा है। एक यूजर ने कहा कि ये बंजर है तो एक ने कहा कि हम यहां बस्तियां बसाने की सोच रहे हैं, वहां कुछ है भी नहीं।

पाकिस्तान में मुशाल मलिक ने फिर रची

मुजफ्फराबाद से श्रीनगर तक तैयार किया 'प्लान

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

कश्मीर में अनुच्छेद 370 मामले में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पाकिस्तान ने एक बार फिर बड़ी साजिशों को अंजाम देने की तैयारी शुरू कर दी है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने न सिर्फ अपने देश, बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से घाटी में माहौल खराब करने के लिए साजिशें रचनी शुरू कर दी हैं। इसके लिए बकायदा सोशल मीडिया से लेकर कश्मीर घाटी के भीतर सक्रिय स्लीपर सेल के आतंकियों को भी पाकिस्तान आतंकवादियों ने संदेश भेजा है। जानकारी इस बात की भी मिली है कि दिल्ली की जेल में बंद आतंकी यासीन मलिक की पत्नी मुशाल ने इस्लामाबाद से इस पूरे मामले में माहौल बनाने की नींव रखी है। मुशाल मलिक ने अपने संदेश में मुजफ्फराबाद से लेकर श्रीनगर के भीतर संगठन में नए लोगों को जोड़ने और उनको आगे बढ़ाने का नया मिशन शुरू करने की योजना बनाई है।

जब बीच हवा में रुकी फ्लाइट! वीडियो ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अपने कामों के लिए लोग फ्लाइट में सवारी करते हैं, इस दौरान कई बार फ्लाइट में गड़बड़ी भी आती है। इस समय लोग काफी डर भी जाते हैं। ऐक ऐसे ही वीडियो ने इन दिनों सोशल मीडिया पर तूफान ला रखा है। दरअसल सैन फ्रांसिस्को के आसमान में एक विचित्र क्षण में, एक उड़ान में एक यात्री को एक ऑप्टिकल

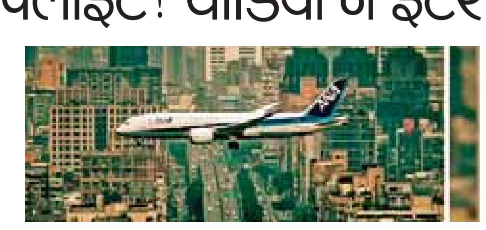

भ्रम का सामना करना पड़ा, जिसने तब से इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। रिपोर्ट के अनुसार करीब दो महीने पहले रेडिड पर पोस्ट किया गया वीडियो फिर से सामने आ गया है। वीडियो में विमानन के नियमों की अवहेलना करते हुए एक विमान को बीच हवा में लटका हुआ दिखाया गया है। यह घटना हेडविंड और टेलविंड के बीच जटिल विलय से उत्पन्न होती है जो विमान अपनी यात्रा के दौरान नेविगेट करते हैं। जबकि टेलविंड्स एक बढ़ावा प्रदान करते हैं।

वैवाहिकी

वर चाहिए

परिचय सम्मेलन- परिचय सम्मेलन युवा अग्रवाल मंच द्वारा 06-07 जनवरी 2024 को रायपुर में आयोजित अ. भा. एजुकेटेड परिचय सम्मेलन में सहभागिता करें www.cqyuvaagrawal.com संपर्क करें- 7974442355 (434)

वधु चाहिए

वधु चाहिए
जैन दिगंबर वधु चाहिए जैन उम्र 28 वर्ष कद 5 फीट 2 इंच 12वीं पास युवक हेतु सजातीय वधु चाहिए
संपर्क करें
8839484995
9926110737

वधु चाहिए- 43 वर्ष वर के लिए, जाति ठाकुर, वधु चाहिए जाति बंधन नहीं है रायपुर में घर एवं कृषि जमीन सम्पन्न परिवार संपर्क करे 9300982497 (51)

वधु चाहिए- 26 वर्षीय जाति कुर्मी, गोत्र-कश्यप 10 वीं पास लड़का, रंग गोरा, ऊंचाई 5'3'' प्रायवेट जॉब 10 हजार महीना के लिए स्वजातीय सुशिक्षित छ.ग. वासी वधु चाहिए संपर्क करें 7974634251, 8827909058 (32206)

वधु चाहिए- गुजराती 44 वर्षीय 5'11'' स्वयं का व्यवसाय इनकम 40000/- मासिक, युवक हेतु कन्या चाहिए उच्च जाति बंधन नहीं संपर्क करें:- 98271-14645, 91311-39179 (2310)

वर चाहिए

GROOM WANTED- Professionally Qualified Boy From Higher Caste Hindus/Brahmins For 48 Divorcee Girl Government job Chattisgarh Look Young, Need Government/Businessman Upto 53 Acceptable Preferably From Chattisgarh, 7587571277, 8517960010 (4773)

वर चाहिए- 24 वर्षीय जाति कुर्मी, गोत्र-कश्यप, बी.ए. उत्तीर्ण कन्या रंग गोरा, ऊंचाई 5'3'' हेतु शिक्षित नौकरी पेशा छ.ग. वासी वर चाहिए संपर्क करें 7974634251, 8827909058 (32207)

शब्द पहेली - 5366

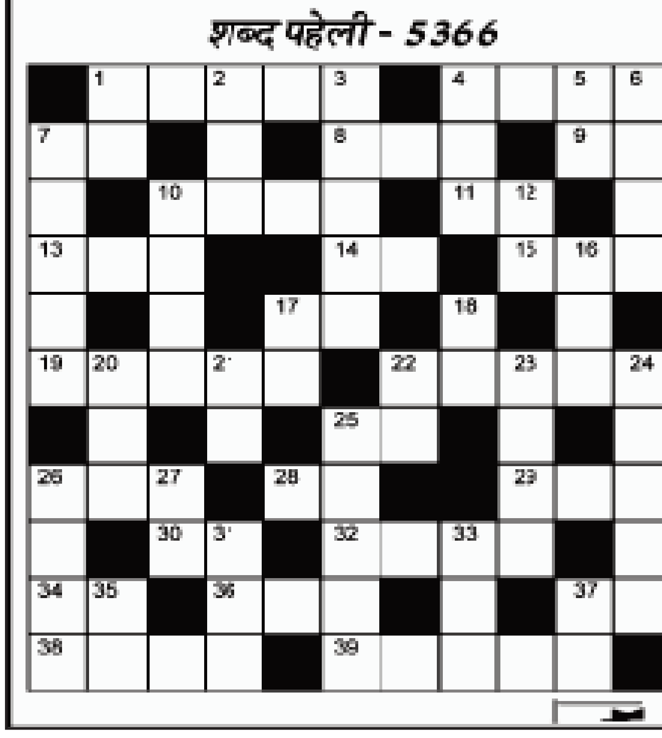

बाएँ से दाएं
1. असहकार-5
4. शत्रुता,दुश्मनी-4
7. नाच,नृत्य (अं-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. माया का विलोम-2
10. ईश्वर,शिव-4
11. संज्ञा,संबोधन-2
13. वेग,गति-3
14. महसूल,राहदारी-2
15. अंधकार,अंधेरा-3
17. कुंजी,ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतना,बेगानापन-5
25. समय,वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा,सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी,धूल-2
32. नट बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स,हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. लदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे
1. तराजू डंडा,पसा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना,अड़ जाना-3
5. जंगल,कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी,धन-4
12. बोर,राय-2
16. राजा,महाराजा-3
17. चतुर्थ,चौथा-2
18. हलवा-2
20. पश्चात्ताप-3
21. तन,देह-2
22. ढप-2
23. स्मारक-4
24. चोर,लुटेरा-5
25. बेवी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना,बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-3
31. कमल,नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी,अवकाश-2
37. राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली - 5365 का हल

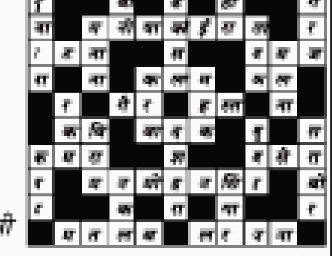

सूडोकु नवताल - 5376

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENMOHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5375 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

बीत रहा वर्ष 2023 इस मायने में खास रहा कि अपने देश भारत ने इस दौरान विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई ऐसी कीर्ति-गाथाएं लिखीं, जो अभूतपूर्व रहीं। इनसे भारत यह साबित करने में सफल रहा कि हम अर्थव्यवस्था के साथ ही वैज्ञानिक महाशक्ति बनने की ओर भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। इस वर्ष देश ने जो वैज्ञानिक-तकनीकी उपलब्धियां हासिल कीं, उन पर एक नजर।

चांद की सतह पर चंद्रयान-3 लैंडर, रोवर

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

विज्ञान-तकनीक 2023
लहराया भारतीय परचम

आज देश अगर तीव्र गति से चौमुखी विकास की ओर अग्रसर है तो इसमें विज्ञान और तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बीत रहा वर्ष अपने देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियों वाला रहा।

छू लिया चांद-पहुंचे सूरज के करीब

इसरो द्वारा चंद्रयान-3 के लैंडर को चंद्रमा की सतह के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारकर देश ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व छलांग लगाई। इसके साथ ही गगन यान की तैयारी संबंधी प्रक्षेपणों की सफलता और सूर्य मिशन के अंतर्गत आदित्य एल-1 के सफल प्रक्षेपण ने इस वर्ष अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हमारी आशाओं, आकांक्षाओं के

आकाश को और ऊंचा उठा दिया है। इन उपलब्धियों ने हमें यह सोचने की ठोस जमीन दी कि अब अंतरिक्ष में हमारा भी अपना स्टेशन हो सकता है। हमारे वैज्ञानिक भी विश्व के उन्नत तकनीक वाले और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में ऊपरी पायदान पर रहने वाले देशों के वैज्ञानिकों की तरह वहां रहकर गहन शोध कर सकते हैं। भारतीय वैज्ञानिक, समूचे संसार को यह बताने में कामयाब रहे कि चंद्रमा पर लैंडर उतारना हमारे लिए महज शुरुआत है। हम ना सिर्फ जल्द ही मानव सहित अंतरिक्ष में पहुंचेंगे, मंगल, वृहस्पति और शुक्र तक हमारे शोध के दायरे में होंगे। साथ ही सूर्य के तमाम रहस्यों को सबसे पहले उजागर करने में सक्षम होंगे, वह भी स्वदेशी तकनीक, घरेलू स्टार्टअप्स के भरोसे और बेहद कम लागत पर।

स्पेस रिसर्च में की नई शुरुआत

स्पेस टेक्नोलॉजी में हमारे आगे बढ़ने का मतलब यह नहीं कि हमने मात्र आसमान नापे, इस वर्ष जमीन पर भी कई ठोस काम किए गए। जैसे, महाराष्ट्र के हिंगोली में हमने

एलआईजीओ-इंडिया नाम से ऐसा लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित करना शुरू किया, जो ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार जैसे विशाल खगोलीय वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है।

एआई क्षेत्र में बढ़ाए कदम

मात्र अंतरिक्ष में ही नहीं तकनीक और विज्ञान के कई अन्य क्षेत्रों में भी भारतीय वैज्ञानिकों ने अपना परचम लहराया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्र में भारत ने बेहद प्रभावी तरीके से दिखाया कि हम इस क्षेत्र के मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरने की कूव्वत रखते हैं। साथ ही भारत का रुझान उन सभी विकसित देशों के विपरीत रहा, जो इसको

खतरा मानते हैं। चैट जीपीटी आने के साथ जब समूचे संसार में इसके इंसानों की जगह ले सकने, दूसरे तमाम भयानक नतीजों पर बहस शुरू हुई तो ग्लोबल टेक्नोलॉजी सम्मेलन में विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय के हमारे राज्यमंत्री ने कहा कि इससे जनित डीपफेक या सोशल मीडिया टॉक्सिटी से डरने के बजाय हमें आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म और नॉन एआई प्लेटफॉर्म को जिम्मेदार बनाना होगा। हमने दुनिया को भरोसा दिलाया कि हेल्थकेयर, एजुकेशन जैसे कई क्षेत्रों में हम एआई का इस्तेमाल करेंगे और इसके 120 अरब डॉलर के बाजार में शानदार उपलब्धियां हासिल करके दिखाएंगे। इस दिशा में देश करीब 85,000 टैलेंटेड इंजीनियर्स का पूल तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

इनोवेशन में भी बढ़े आगे

इसी साल साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 5,800 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च करने की घोषणा हुई। देश में इस साल 25वां नेशनल टेक्नोलॉजी डे की थीम 'स्कूल टू स्टार्टअप्स-इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट' रखना बताता है कि इस क्षेत्र में बुनियादी विकास के लिए सरकार की सोच सही दिशा में है। वैसे भी देश इस साल ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग में 81वें स्थान से ऊपर उठकर चालीसवें स्थान पर पहुंच गया है। पेटेंट की संख्या तीस हजार तक पहुंची और देश में टेक इन्क्यूबेशन सेंटरों की संख्या आज 650 से ऊपर हो गई, जो दस बरस पहले मात्र 155 थी।

टेक्नो-स्टार्टअप्स में बने लीडर

युवाओं में डिजिटल उद्यम और स्टार्टअप स्थापित करने के बढ़ते रुझान के चलते, इसकी संख्या एक लाख पार कर गई। देश इस साल विश्व का तीसरा सबसे बड़ा टेक्नोलॉजिकल स्टार्टअप इकोसिस्टम बनने में सफल हुआ। इस वर्ष इस बात का एहसास और मजबूत हुआ कि देश टेक लीडर बनने की हर संभव दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही कार्बन उत्सर्जन पर रोक लगाकर, जलवायु संकट से निपटने में सहायक हरित तकनीक, बैंकिंग, क्रिप्टोकरेंसी और मेडिकल डाटा की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकने वाले ब्लॉक चेन के अलावा रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपेक्षिक प्रगति दिखी।

इन क्षेत्रों में विस्तार का है इंतजार

हालांकि इस साल 5जी, अपने प्रायोगिक स्तर पर ही रहा। उससे जिस प्रभाव और बदलाव की उम्मीद की जा रही थी, वह नहीं दिखा। यह अलग तथ्य है कि इसकी कवरेज का विस्तार तेज होता दिखा। संभव है कि इसकी

कनेक्टिविटी पूरे देश में फैलने, 5जी समर्थित उपकरणों को विकसित होने और आम इस्तेमाल में लेने में थोड़ा और वक्त लगे। इस साल उम्मीद यह भी थी कि सुपर एप्स का चलन बेतहाशा बढ़ेगा। यूजर एक ही एप से कई काम कर सकेंगे पर थोड़ी वृद्धि के बावजूद यह चलन जोर नहीं पकड़ सका। ठीक इसी तरह एयर टैक्सी के ट्रायल के बावजूद इसे पूरी तरह प्रैक्टिस में नहीं लाया जा सका।

इस वर्ष यह देखना बहुत सुखकर रहा कि देश राष्ट्रीय स्तर ही नहीं वैश्विक फलक पर भी विज्ञान-तकनीक के क्षेत्र में अपनी महत्ता साबित करने में सफल रहा। कुल मिलाकर विज्ञान और तकनीक क्षेत्र में उपलब्धियों के लिहाज से यह वर्ष शानदार रहा। *

उठाए गए सराहनीय कदम

सेमीकंडक्टरों के निर्माण और रक्षा के अलावा तमाम तरह की महत्वपूर्ण तकनीक के मामले में इस वर्ष देश ने अमेरिका के साथ जो समझौते किए हैं, वे दूरगामी परिणाम वाले होंगे। इसके अलावा डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) बिल कानून बनने के करीब पहुंच गया, जो आम लोगों की डिजिटल निजता के हनन और आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने में कारगर हथियार हो सकता है। इनके अलावा देश में विज्ञान पुरस्कारों के क्षेत्र में एक बेहतर प्रगति इस वर्ष यह हुई कि हर साल पद्म पुरस्कारों की तर्ज पर 3 विज्ञान रत्न दिए जाने का फैसला लिया गया। यह सम्मान वैज्ञानिक के पूरे जीवन की उपलब्धियों को एक तरह से मान्यता देगा। साथ ही तय हुआ कि अगले साल से प्रतिवर्ष 11 मई को 56 राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार घोषित होंगे, जो राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस यानी 23 अगस्त को दिए जाएंगे।

स्मार्ट लाइफ @ स्मार्ट कार्ड

आज के दौर में टेक्नोलॉजी ने हम सबकी लाइफस्टाइल को पूरी तरह से बदल दिया है। खासतौर पर स्मार्ट कार्ड का मल्टीपर्पस और ईजी यूज हमारी लाइफ को स्मार्ट बनाने में बड़ा रोल निभा रहा है।

टेक्नोलाइफ / अपराजिता

आंकड़े बताते हैं, देश की राजधानी दिल्ली की मेट्रो ट्रेन में सफर करने वाले 73.6 फीसदी यात्री टिकट के लिए पेमेंट स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। हर महीने औसतन 61,36,626 यात्री मेट्रो ट्रेन से सफर करते हैं, जिनमें से दो तिहाई से ज्यादा दैनिक यात्री टिकट खरीदने के लिए स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि कोरोना के पहले ही अपने देश में स्मार्ट शॉपिंग होने लगी थी यानी ऐसी खरीदारी, जिसमें जेब से रुपए निकालने की बजाय, प्लास्टिक की कार्ड से भुगतान किया जाता है। लेकिन कोविड पीरियड के बाद तो इसमें बेतहाशा तेजी देखी जा रही है।

होते हैं मल्टीपर्पस : वास्तव में स्मार्ट कार्ड, विजिटिंग कार्ड के आकार का प्लास्टिक से बना ऐसा कार्ड होता है, जिसमें एक माइक्रोप्रोसेसर और एक मेमोरी चिप या सिर्फ एक मेमोरी चिप मौजूद होती है। जिस स्मार्ट कार्ड में माइक्रोप्रोसेसर होता है, उसमें कई तरह की जानकारियां जोड़ी या घटाई जा सकती हैं। स्मार्ट कार्ड में विभिन्न तरह के डाटा स्टोर होते हैं। ये हमारी आईडेंटिटी को कैरी करने का जरिया होते हैं। साथ ही इनसे शॉपिंग भी आसानी से की जा सकती है। यही वजह है कि इन दिनों स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल घर के कई तरह के कामों को पूरा करने के लिए होता है। सच बात तो यह है कि आज हमारी जीवनशैली, जो इस कदर स्मार्ट हो गई है, उसमें बड़ी भूमिका स्मार्ट कार्ड्स की भी है।

सिक्योर करता है पिन: आजकल अधिकतर उपभोक्ता सामान और सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनियां, पेमेंट लेने के लिए स्मार्ट कार्ड को सीधे क्रेडिट कार्ड के तौर पर यूज करने लगी हैं। दरअसल, स्मार्ट कार्ड में कार्ड होल्डर या कार्ड तक पहुंच चाहने वाले किसी तीसरे को सुरक्षित रूप से पहचानने और प्रमाणित करने के तरीके उपलब्ध होते हैं। मसलन, किसी भी कार्ड धारक को अपने आपको प्रमाणित करने के लिए एक निश्चित पिन कोड या बायोमेट्रिक डाटा का उपयोग करना पड़ता है। स्मार्ट कार्ड डाटा को सुरक्षित रूप से संग्रहित करने और इंक्रिप्शन के साथ संचार को सुरक्षित रखने का तरीका भी प्रदान करते हैं। इसलिए स्मार्ट कार्ड बहुत ज्यादा यूज होने लगे हैं। स्मार्ट कार्ड को इस कदर उपयोगी बनाने में सबसे ज्यादा भूमिका चार अंकों वाले स्मार्ट पिन की होती है, जो एक तरह से हर बार स्मार्ट कार्ड धारक को अपनी पहचान सत्यापित करने में मदद करता है।

लाइफ को बनाया ईजी: स्मार्ट कार्ड ने हमारी डेली लाइफ को इसलिए भी काफी स्मार्ट बना दिया है, क्योंकि इसके चलते अब हमें बहुत सारी चीजें हमेशा साथ लेकर नहीं चलनी पड़ती हैं। जैसे हमारे तमाम डाक्यूमेंट्स इसमें सुरक्षित होते हैं। यह विभिन्न तरह के कांटेक्टलेस संपर्कों के काम आता है। यही वजह है कि यह बैंकिंग सेवाओं में तो इस्तेमाल होता ही है, टेलीकॉम और आईडी कार्ड सिस्टम में भी इसका उपयोग होता है। सबसे ज्यादा आजकल इसका उपयोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को एक्सेस करने में होता है। यह क्रेडिट कार्ड की तरह ही इस्तेमाल होता है, जिस कारण यह हमें काफी हद तक बेफिक्र बनाता है। स्मार्ट कार्ड में डुएल इंटरफेस भी होता है यानी, इसमें कार्ड कांटेक्ट और कांटेक्टलेस इंटरफेस दोनों को सम्मलित किया जाता है। जिस कारण ये अलग-अलग सिस्टम में उपयोगी साबित होते हैं। स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल लोग ज्यादातर समय पेमेंट करने, अपनी पहचान साबित करने और सेफ एक्सेस कंट्रोल में करते हैं।

होते हैं कई प्रकार : स्मार्ट कार्ड कई प्रकार के होते हैं। जैसे पेमेंट स्मार्ट कार्ड, आमतौर पर शॉपिंग करने और लेन-देन में ही सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाता है। क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड इसी का हिस्सा होते हैं। आधार कार्ड एक दूसरा स्मार्ट कार्ड है, जो हमारी ऑनलाइन पहचान का इन दिनों सबसे बड़ा जरिया है। अब ड्राइविंग लाइसेंस भी स्मार्ट कार्ड बन रहे हैं, जिसमें किसी ड्राइवर की सारी व्यक्तिगत जानकारियां और उसकी गाड़ी की सारी जानकारियां मौजूद होती हैं। इन सबके अलावा एम्बेडिड स्मार्ट कार्ड भी होते हैं, जो वास्तव में हमारी व्यक्तिगत पहचान, सुरक्षा पासवर्ड और डिजिटल सुरक्षा उद्देश्यों में इस्तेमाल होते हैं। एक और महत्वपूर्ण स्मार्ट कार्ड होता है जिससे एक्सेस कार्ड भी कहते हैं। यह कार्ड विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को पहचानने और विशिष्ट स्थान और सुविधाओं तक पहुंचाने में मददगार होता है।

होती हैं कुछ खामियां: स्मार्ट कार्ड का एक नुकसान यह है कि अगर यह अचानक गुम हो जाए तो आपको कुछ दिनों तक कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही इसके हैक किए जाने की भी आशंकाएं होती हैं। लेकिन फिर भी स्मार्ट कार्ड ने जिंदगी को स्मार्ट और स्मूथ बना दिया है। *

गीत / शिवचरण चौहान

धूप में नहाने के दिन

बैठकर गीत गुनगुनाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।
फूलों के साथ खिल रही है।
भौरों के गले मिल रही है।
धूप सुबह से दोपहर तक
सरसों का तेल मल रही है।।
सिसियाती शिशिर को भगाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।
शहद सरीखी मीठी मन भायी।
धूप देख चिड़िया भी हर्षायी।
फूलों के चेहरों पर लाली है
कली-कली लगती है मुसकायी।
गालों में उबटन लगवाने के।
आए दिन धूप में नहाने के।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता से मुलाकातें

आलोकधन्वा के पहले कविता संकलन 'दुनिया रोज बनती है' के पचीस साल बाद उनका दूसरा संग्रह 'मुलाकातें' हाल में छपकर आया है। ये कविताएं पढ़कर साबित होता है कि आलोक कविताएं केवल रचते नहीं, उन्हें अपने भीतर जीते भी हैं। कई कविताओं में ऐसी पंक्तियां हैं, जो विचलित कर देती हैं। इनमें विस्थापन की टीस है, अधूरी रह गई आकांक्षाओं का दर्द है, समाज की भयावह निष्ठुरता के चिन्ह हैं तो जीवन की नश्वरता के बोध से उपजा दर्शन भी है। खासतौर पर देश के विभाजन का जख्म उन्हें आज भी बेचैन बनाए हुए है। उनकी बेचैनियां कविताओं में प्रभावी ढंग से व्यक्त हुई हैं। वे कहते हैं-*अगर भारत का विभाजन/ नहीं होता/ तो हम बेहतर कवि होते/ बार-बार बारूद से झुलसते/ कत्लगाहों को पार करते हुए/ हम विडंबनाओं के कवि बनकर रह गए।* ये कविताएं अनकहे शब्दों में कहती हैं कि आज के दौर में कवि होना कितना त्रासद हो सकता है। *

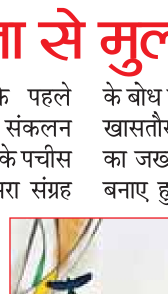

पुस्तक: मुलाकातें, **रचनाकार:** आलोकधन्वा, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली

लघुकथाएं

एहसास

बात कुछ दिनों पहले की है, उस दिन घनश्याम जी खामोशी में बैठे अपने अतीत में खोए हुए थे। बेटे रवि ने आकर कहा, 'बाऊजी, अब आप यहां गांव में नहीं रहेंगे। कल सुबह हम सब दिल्ली चलेंगे।' तीन माह पहले ही रवि की मां का देहांत हुआ था। वह पहले भी कई बार मां-बाबूजी को शहर चलने के लिए कह चुका था, लेकिन दोनों शहर ना जाने के बहुत सारे कारण गिना देते। इस बार रवि के साथ शहर ना जाने का कोई कारण नहीं था। हालांकि रवि के चाचा-चाची ने उसे आश्वस्त किया था, 'बेटा हम बड़े भाई साहब का पूरा ध्यान रखेंगे। गांव में उनका मन भी लगता है।' लेकिन रवि ने उनकी नहीं सुनी। घनश्याम जी को लेकर वह शहर आ गया। रवि अपने बाऊ जी को लेकर निश्चिंत हो गया था। वह और उसकी पत्नी आशा सुबह ऑफिस चले जाते। दो साल का बेटा नंदन डे-केयर में होता। कामवाली बाई सुबह ही नाश्ता और खाना बनाकर चली जाती। घर में अकेले घनश्याम जी रह जाते। जिस अकेलेपन का हवाला देकर रवि उन्हें शहर लाया था, वह अकेलापन दिन-ब-दिन और बढ़ता ही जा रहा था। जो घनश्याम जी को काटता था।

तभी दरवाजे की घंटी बजी, घनश्याम जी की तंद्रा टूटी। रवि, आशा और नंदन वापस घर आ गए थे। नंदन को देख घनश्याम जी खिल उठते थे। सुबह सबके जाने के बाद उदास हो जाते। उनकी हालत घर में रखे उस पौधे जैसी थी, जो पानी और खाद मिलते ही खिल उठता और अनदेखा होने के कारण मुरझा जाता। ऐसी स्थिति में लगातार रहने की वजह से घनश्याम जी बीमार रहने लगे। दिन-ब-दिन उनका स्वास्थ्य गिरता जा रहा था। व्यस्तता के कारण रवि, आशा और नंदन उनके साथ समय नहीं बिता पाते थे।

एक दिन बाबूजी ने रवि को पास बुलाया और बोले, 'बेटा, मुझे पता है, तुम्हें मेरी चिंता रहती है, लेकिन तुम्हारे पास समय की कमी है, मैं तुम्हारी मजबूरी समझता हूं। अपने दिल पर कोई बोझ ना रखो, हमें गांव छोड़ आओ। वहां तुम्हारे चाचा-चाची हैं, भतीजा दिनेश उसकी पत्नी मीना और उसका बेटा गोलू भी है। उनके साथ मेरा मन लगा रहता है। मुझे वहीं पहुंचा दो। जब छुट्टियां हुआ करेंगी, तुम गांव मुझसे मिलने आ जाया करना या मुझे दो-चार दिन के लिए बुला लिया करना। मैं आ जाया करूंगा।' देर से ही सही, रवि को इस बात का एहसास हो गया कि पौधे को जड़ से उखाड़ कर नई जगह लगा देने भर से ही वो पौधा नहीं लग जाता, उसे समय-समय पर खाद, पानी और धूप की भी जरूरत होती है। रवि ने जल्द ही बाबूजी को वापस गांव पहुंचा दिया। अब छुट्टियों में वह परिवार सहित गांव आ जाता है। घनश्याम जी भी कभी-कभी कुछ दिनों के लिए रवि के पास शहर आ जाते हैं। *

-प्रगति त्रिपाठी

व्यवहार

सेठ जयराम का नाम दूर-दूर तक मशहूर था। वह शहर के प्रतिष्ठित, वैभवशाली और दयावान व्यक्ति माने जाते थे। गरीब और मजबूर लोगों को काम देते, उनका सहारा बनते थे। बेटा कुशल ठीक उनके विपरीत स्वभाव का था, क्रोधी और घमंडी। वह हर रोज किसी ना किसी से वेवजह उलझता रहता था। उसकी अभद्र भाषा और अशिष्टता से लोग उससे परेशान रहते, उससे दूरी बनाकर रखते। कुशल अपने रुआब में ही रहता। जब भी मौका मिलता अपने कर्मचारियों को पीट भी देता। एक दिन सेठ जयराम कुशल को अपने साथ एक जमीन दिखाने ले गए, जहां उन्हें एक नया कारखाना लगाना था। सेठ जी ने बेटे को जगह दिखाते हुए कहा, 'कुशल, यहां हमें एक नया कारखाना खोलना है। तुम्हें यह जगह कैसी लगी?' कुशल ने अहं भाव से जवाब दिया, 'जिस कारखाने का मैं मालिक होऊंगा। जहां मुझे जानने वाले होंगे, वह जगह ही नहीं, लोग भी कैसे खराब हो सकते हैं? मैं जब, जैसा चाहूंगा, वैसे काम करा लूंगा। पिताजी आप निश्चिंत रहें। यहां मेरा दबदबा रहेगा।'

यह सुनकर सेठ जयराम को चिंता हुई। तभी उनकी नजर पास में ही लगे एक पेड़ पर पड़ी। उन्होंने उसका फल अपने ड्राइवर से तुड़वाया और कुशल को चखने के लिए दिया। एक पल बाद सेठजी ने पूछा, 'बेटा, इस फल का स्वाद कैसा है, बताना तो?' कुशल मुंह बनाकर बोला, 'यह फल तो बहुत खट्टा है।' सेठ जयराम ड्राइवर से बोले, 'कुशल को जरा पानी तो पिलाओ।' कुशल ने पानी पिया और बोला, 'यह तो कमाल का फल है पिताजी। अब तो फल का स्वाद बिल्कुल विपरीत हो गया, मीठा मीठा!' सेठ जयराम मुस्कुराते हुए बोले, 'इस फल का नाम आंवला है। अपने भीतर इसी फल जैसा व्यवहार लाओ। भीतर से मीठे स्वभाव के बनो, सहृदय बनो। परिचय और नाम बस कुछ समय तक काम आते हैं। कर्म और व्यवहार किसी भी मनुष्य के हृदय में हमेशा बने रहते हैं। इसके आधार पर ही इंसान सबका दिल जीतता है। जीवन में सफल होने के लिए यह समझना बहुत जरूरी है।' कुशल अपने पिताजी की बात पर निरुत्तर हो गया। *

-प्रियंका वल्लरी

सर्दी का उपहार

बाहर बहुत सर्दी थी। रीना घर के अंदर बैठी चाय की चुस्कियां ले रही थी। उसने अदरक की जायकेदार चाय बनाई थी। रीना के घर की खिड़की से बाहर सड़क पर रेहड़ी लगाए लोग दिखाई देते हैं। वह अकसर खिड़की के पास बैठकर बाजार की चहल-पहल का आनंद लेती। रीना ने देखा, ठेले पर अदरक बेच रहा बुजुर्ग आदमी सर्दी से कांप रहा है। बुजुर्ग ने पतली कमीज पहनी हुई थी। जिसके ऊपर उसने एक पुराना कोट पहन रखा था, जो कई जगह से फटा था। कोट सर्दी रोकने में नाकाम था। यह देखकर रीना को अपने बचपन के दिन याद आ गए। तब उसके घर के आर्थिक हालात ठीक नहीं थे। ठिठुरते जाड़े में उसके पिताजी और बाबा भी ऐसे ही फटे और पुराने कपड़ों से सर्दी रोकने की कोशिश करते थे। वह खुद भी मामूली कपड़ों में रहती थी। उसके पास ऊनी कपड़ों का अभाव था। रीना बचपन में यही सोचती थी, जब बड़ी हो जाएगी, कमाएगी तो अपने पापा और बाबा के लिए कोट और ऊनी कपड़े खरीदेगी। यह सब सोचकर वह सिहर सी उठी। बचपन की बातों की ठंडक उसे गर्म कमरे में महसूस होने लगी। वह उठी और पास के ऊनी कपड़ों की शॉप में चली गई। वहां उसने एक ऊनी स्वेटर, टोपी और मफलर खरीदा और आ गई अदरक बेचने वाले बुजुर्ग के पास। रीना गरम कपड़ों का थैला उसकी ओर बढ़ाते हुए बोली, 'ये आपके लिए छोटा सा उपहार है।'

रीना की बात सुनकर बुजुर्ग को कुछ समझ में नहीं पाया, वह बुदबुदाया, 'कैसा उपहार बिटिया!' 'आप इतनी अच्छी अदरक जो बेचते हैं। यह इसी का उपहार है।' रीना ने कहा। यह कहकर वह वापस घर लौट आई। उसे आज बहुत अच्छा लग रहा था। रीना को लग रहा था जैसे उसने आज अपने स्वर्गीय पिता और दादा जी को ऊनी कपड़े भेंट किए हैं। अब जब वह खिड़की से उस बुजुर्ग को स्वेटर, मफलर और टोपी पहने देखती है तो उसे बहुत सुकून महसूस होता है। *

-ललित शौर्य

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को तीसरे दिन ही रिकॉर्ड 347 रन से करारी शिकस्त देकर इतिहास रचा। भारत ने महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उसने श्रीलंका का रिकॉर्ड तोड़ा जिसने 1998 में पाकिस्तान को 309 रन से हराया था। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी के स्कोर 6 विकेट पर 186 रन पर समाप्त घोषित करके इंग्लैंड के सामने 479 रन का असंभव लक्ष्य रखा। ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (4 विकेट) और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर (तीन विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके इंग्लैंड को 131 रन पर ढेर कर दिया।

ऐतिहासिक जीत, भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को रिकॉर्ड 347 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

भारत ने अपनी पहली पारी में 428 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इसके बाद इंग्लैंड की टीम को 136 रन पर समेट दिया था। यह भारतीय टीम की इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 15 टेस्ट मैच में पहली जीत है। इससे वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में बढ़े मनोबल के साथ भाग लेगी।

पिछले तीन दिन में भारतीय टीम ने ऐसी कोई कमजोरी नहीं दिखाई जिससे यह लगे कि वह पिछले दो वर्षों में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही है। यह भारत का पिछले नौ वर्ष में घरेलू धरती पर पहला टेस्ट मैच था।

दीप्ति प्लेयर ऑफ द मैच

दीप्ति प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। दीप्ति ने दोनों पारियों को मिलाकर 9 विकेट लिए। दीप्ति ने पहली पारी में 5.3 ओवर में 7 रन देकर 1.27 की इकोनॉमी रेट से 5 विकेट लिए। जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 8 ओवर में 32 रन देकर 4 की इकोनॉमी रेट से 4 विकेट लिए। दीप्ति ने पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 67 रन भी बनाए थे।

सबसे बड़ी जीत

मैच	जीत	साल
भारत/इंग्लैंड	347	2023
श्रीलंका/पाकिस्तान	309	1998
न्यूजीलैंड/द.अफ्रीका	188	1972
आस्ट्रेलिया/इंग्लैंड	186	1949
इंग्लैंड/न्यूजीलैंड	185	1949

पहले दिन चार अर्धशतक

मुंबई में टेस्ट के पहले दिन भारत ने 7 विकेट पर 410 रन बनाए। शुभा सतीश (69 रन), जेमिमा रोड्रिगेज (68 रन) और यास्तिका भाटिया (66 रन) ने अर्धशतक जमाए। दीप्ति शर्मा 60 और पूजा वस्त्राकर 4 रन बनाकर नॉटआउट रहीं। इंग्लैंड से लौरेन बेल ने 2 विकेट लिए। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

दूसरे दिन गिरे 19 विकेट

दूसरे दिन के खेल में 19 विकेट गिरे। इनमें इंग्लैंड के 10 और भारत के 9 विकेट शामिल रहे। दूसरे ही दिन इंडिया विमेंस टीम अपनी पहली पारी में 428 रन बनाकर ऑलआउट हुई। दूसरी पारी में भारत ने 6 विकेट पर 186 रन बनाए।

9 साल बाद घर में खेला टेस्ट मैच

भारतीय महिला टीम 9 साल बाद घर में टेस्ट मैच खेलने उतरी थी। इससे पहले 2014 में महिला टीम घरेलू जमीन पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेली थी। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट के बाद भारतीय टीम को अगले टेस्ट के लिए ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 21 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच वानखेड़े में टेस्ट मैच खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज होगी।

खबर संक्षेप

भुजाहीन शीतल देवीने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। पैर से तीर चलाने वाली पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शनिवार को यहां शुरुआती खेलो इंडिया पैरा खेलो के कम्पाउंड वर्ग के ओपन वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शीतल का 141 का स्कोर उत्तर प्रदेश की ज्योति बालियान की चुनौती को पस्त करने के लिए काफी था जिन्होंने 138 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। शीतल ने हाल में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में एक स्वर्ण सहित दो पदक जीते थे। हरियाणा की सरिता ने 137 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

महिला बल्लेबाज शुभा के उंगली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। भारत की महिला बल्लेबाज शुभा सतीश की उंगली में 'फ्रैक्चर और डिस्लोकेशन' के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह खेले जाने वाले टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध हो गया है। शुभा ने

इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच की पहली पारी में सबसे ज्यादा 69 रन बनाने के अलावा जेमिमा रोड्रिग्स के साथ 115 रन की साझेदारी की थी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट पदार्पण पर अर्धशतक जड़ने वाली इस बल्लेबाज की चोट के बारे में शनिवार को कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यह जानकारी दी।

भारत ने दिखाया कि कैसे खेलें : नाइट

नवी मुंबई। इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान हीथर नाइट ने शनिवार को स्वीकार किया कि भारत ने उन्हें दिखाया कि इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों में कैसे खेलना है।

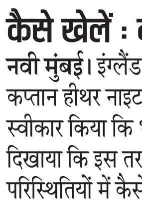

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम ने शनिवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट में इंग्लैंड को तीन दिन के अंदर 347 रन से रौंदकर महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की।भारतीय टीम अपनी सरजमीं पर नौ साल के बाद खेल रही थी। तीसरे दिन इंग्लैंड ने अपने सभी 10 विकेट गंवा दिए जिसमें ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने मिलकर सात विकेट झटके।

नई शुरुआत करने उतरेगा भारत द.अफ्रीका के खिलाफ वनडे आज

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

विश्व कप के फाइनल में पराजय का कड़वा स्वाद चखने के बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से इस प्रारूप में नई शुरुआत करने के लिए उतरेगी। जिसमें नई पीढ़ी के उसके कई खिलाड़ी अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बेताब होंगे। अब जबकि टी20 विश्व कप पास में है तब वनडे श्रृंखला की प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठाए जा सकते हैं लेकिन 2025 में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए भारत ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के लिए भी अपने नए खिलाड़ियों को आजमाने का यह बेहतरीन मौका होगा। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पिछले डेड़ दशक में सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपनी विशेष छाप छोड़ी है, लेकिन अब उनका कॅरियर अवसान पर है और ऐसे में उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। इन परिस्थितियों में सबसे ज्यादा ध्यान केएल राहुल पर रहेगा जो तीन मैच की श्रृंखला में टीम की अगुवाई करेंगे। वह पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं लेकिन इस श्रृंखला में सफलता मिलने पर उन्हें लंबी अवधि के लिए वनडे टीम की कमान सौंपी जा सकती है।

■ भारत की युवा पीढ़ी के क्रिकेटर बिखेरेंगे जलवा

मध्यक्रम प्रदर्शन को बेताब

राहुल, अस्वस्थ होने के कारण टी20 श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले रुतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी पहले भी अपने कौशल का परिचय दे चुके हैं, लेकिन कुछ अन्य खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे। इन खिलाड़ियों में रिंकू सिंह भी शामिल है जिन्होंने इस साल टी20 क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ी है। टीम प्रबंधन उन्हें 50 ओवरों के प्रारूप में भी आजमाना चाहेगा। रजत पाटीदार को भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का मौका मिल सकता है। इसी तरह से भारद्वाज साईं सुदर्शन और तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम में जगह मिल सकती है।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : मार्कराम (कप्तान), बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन , लिजाद विलियम्स।

शमी टेस्ट से और चाहर वनडे श्रृंखला से बाहर

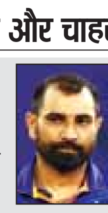

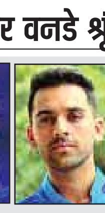

मुंबई। भारत को दक्षिण अफ्रीका में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की अपनी कवायद में मोहम्मद शमी की सेवाएं नहीं मिलेंगी क्योंकि चिकित्सा टीम ने इस तेज गेंदबाज को दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने के लिए मंजूरी नहीं दी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को यह जानकारी दी। वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद टखने की चोट से जूझ रहे शमी को टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। इस बीच तेज गेंदबाज दीपक चाहर भी निजी कारणों से एकदिवसीय टीम से हट गए हैं। उनकी जगह तेज गेंदबाज आकाशदीप को वनडे टीम में शामिल किया गया है।

स्पेन ने भारत को जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के कांस्य पदक प्लेऑफ मैच में हराया

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारत की शनिवार को यहां जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के कांस्य पदक के प्लेऑफ में सम्मान बचाये रखने की उम्मीद स्पेन से 1-3 से मिली हार से टूट गई।

स्पेन के लिए निकोलस अल्वारेज ने 25वें और 51वें मिनट में और पेटचामे पाउ ने 40वें मिनट में गोल दागा। भारत के लिए एकमात्र गोल सुनील जोजो ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से किया। दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन की पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील नहीं कर पाने की कमजोरी शनिवार को फिर सामने आई। टूर्नामेंट के इस चरण में भारत को स्पेन से दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा। पूल चरण में भी भारत इस यूरोपीय टीम से 1-4 से हार गया था। भारत भुवनेश्वर में 2021 में हुए पिछले चरण में चौथे स्थान पर रहा था। स्पेन ने उत्तम सिंह की अगुआई वाली टीम पर जीत से इस वैश्विक टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। उसने रोटरडम में 2005 चरण में भारत को पेनल्टी पर 6-5 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

रियल कश्मीर ने शिलांग लाजोंग को 3-1 से हराया

श्रीनगर। रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए शनिवार को आई-लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले दौर के अपने आखिरी घरेलू मैच में शिलांग लाजोंग एफसी को 3-1 से हराया। कमल इसाह ने मैच के पांचवें मिनट में ही रियल कश्मीर का खाता खोल दिया लेकिन 16वें मिनट में करीम साम्ब ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। ग्नोहरे क्रिजो (55वां मिनट) और मोहम्मद इनाम (69वां मिनट) ने दूसरे हाफ में गोल किए जिससे टीम की बढ़त को 3-1 हो गई। टीम मैच के आखिर तक इस बढ़त को बनाए रखने में सफल रही। आरकेएफसी 10 मैचों में छह जीत, दो ड्रॉ और दो हार से 20 अंक के साथ तालिका में तीसरे पायदान पर है। शिलांग लाजोंग 16 अंक के साथ पांचवें पायदान पर है।

आयुष-सतीश में होगा ओडिशा मास्टर्स का खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कटक

विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी ने शनिवार को यहां इंडोनेशिया के अलवी फरहान को तीन गेम तक चले रोमांचक मैच में हराकर ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरण से होगा।

कर्नाटक के रहने वाले आयुष ने शनिवार को हालांकि फरहान को 19-21, 21-14, 22-20 से पराजित किया और पहली बार सुपर 100 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। आयुष रविवार को फाइनल में हमवतन सतीश का सामना करेंगे। सतीश ने पिछली बार के चैंपियन किरण जॉर्ज को 41 मिनट में 21-18, 21-14 से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई। सतीश भी पहली बार सुपर 100 टूर्नामेंट के फाइनल में खेलेंगे। तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी भी फाइनल में पहुंच गई है। सेमीफाइनल में उन्होंने डेनमार्क की तीसरी वरीयता प्राप्त मैड्स वेस्टरगार्ड और क्रिस्टीन बुश की जोड़ी को 21-14, 21-14 से हराया।

भारत की वनडे टीम में युवा आकाश दीप ने बनाई जगह

आकाश दीप ने सासाराम से कोलकाता होते हुए तय किया भारतीय ड्रेसिंग रूम तक का सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बंगाल के पूर्व गेंदबाज सौराशीष लाहिड़ी उस वक्त अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके तब भारतीय टीम में जगह बनाने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप ने उन्हें फोन किया। यह बिल्कुल स्वाभाविक भी था क्योंकि राज्य स्तरीय पर उनके पहले कोच के तौर पर लाहिड़ी ने एक क्रिकेटर के रूप में आकाश के विकास को करीब से देखा था। बंगाल के पूर्व ऑफ स्पिनर लाहिड़ी ने अपने कॅरियर की सबसे अच्छी खबर मिलने के तुरंत बाद अपने शिष्य के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए कहा, 'आज, आकाश ने फोन किया और कहा, 'सर, मैं तो ट्रेन था, पर ट्रेन को भी पटरी पर लाना होता है, वो आपने किया'।'

टेनिस बॉल क्रिकेट से बनाई पहचान

बिहार के सासाराम के सुदूर गांव के एक मध्यम वर्गीय परिवार से आने वाले 27 वर्षीय आकाश को यहां तक पहुंचने के लिए संघर्षों का सामना करना पड़ा। कम समय के अंतराल में उनके पिता और बड़े भाई का निधन हो गया और परिवार का दूर-दूर तक खेलों को कोई नाता नहीं था। गोपालगंज के मुकेश की तरह ही आकाश ने भी बंगाल में टेनिस बॉल क्रिकेट से पहचान बनाई और फिर राज्य की 'विजन 2020' का हिस्सा बने।

कार्यालय क्षेत्र संचालक, कान्हा टायगर रिजर्व, मण्डला (म. प्र.) 481661
ई-मेल:fdknp.mdl@mp.gov.in, दूरभाष: 07642-250760, फैक्स : 07642-251266

कर्तव्य पर उपस्थित होने बाबद् विज्ञप्ति

श्री गंगा बैगा आत्मज श्री गुड्डी बैगा ग्राम- दूधी (बैगिनटोला), वार्ड नम्बर- 02 पोस्ट - जोधपुर, तहसील सोहागपुर जिला शहडोल, मध्यप्रदेश आप किसली परिक्षेत्र में वनरक्षक की हैसियत से पदस्थिति के दौरान दिनांक 07.04.2022 से आज पर्यन्त तक अपने कर्तव्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं। इस अवधि में आपके द्वारा आज दिनांक तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से कोई पत्राचार नहीं किया गया। आप गश्ती कार्य हेतु प्रदाय शासकीय मोबाईल (MASTrIPES) भी साथ ले गये हैं।

एतद् द्वारा आपको यह सूचित किया जाता है कि यह विज्ञापन प्रकाशित होने के तीन दिवस के अंदर कर्तव्य पर उपस्थित होवें अन्यथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण तथा अपील नियम 1966 के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही करते हुये आपको सेवा से पृथक करण के आदेश जारी कर दिये जावेंगे एवं गश्ती कार्य हेतु प्रदाय शासकीय मोबाईल (MASTrIPES) भी जमा करें अन्यथा वसूली की कार्यवाही की जावेगी जिसके लिये आप व्यक्तिगत रूप से जवाबदार होंगे।

उप संचालक
कान्हा टायगर रिजर्व, मण्डला (म. प्र.)

G-21759/23

दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य विभाग – जबलपुर मंडल
मंडल रेल प्रबंधक(वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई–बोली आमंत्रित करता है। **Catalogue:** पार्किंग, **Catalogue No.:** JBP-C-PAR-KY, **Lot No.:** PARKING-JBP-KY-MX-51-23-1, **Assets Details:** करेली स्टेशन पर तीन साल के लिए साईकिल/स्कूटर/कार पार्किंग स्टेंड के लाइसेंस हेतु, **Auction Start:** 29.12. 2023 12:00 hrs, **Auction End:** 29.12.2023 12:30 hrs, संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध हैं कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर E-Auction Leasing मॉड्यूल देखें। लॉट–वार विवरण अपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध हैं। ई–बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य),
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सिवनी (म.प्र.)

विज्ञापन पत्र क्रमांक/5287/व.ले.लि./का.यं./खंण्ड/2023 **निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)** सिवनी, दिनांक 11/12/2023

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई–प्रोक्युरमेंट ई–टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार हैं :–

निविदा सूचना क्रमांक/दिनांक	ई– टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (रू. लाख में)	कुल अमानती राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	ऑन लाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समय अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
26/नि.प्र. /2023–24 दिनांक 11/12/2023	2023_PHED_319209_1	सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के विभिन्न ग्रामों में 200/150 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 40 नग नलकूपों का खनन कार्य। समूह क्रमांक–01	34.80	50,000.00	5,000.00	27/12/2023	27/12/2023	180 दिवस (वर्षाकाल छोड़कर)	म.प्र.लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत "स" सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार
26/नि.प्र. /2023–24 दिनांक 11/12/2023	2023_PHED_319210_1	सिवनी जिले के विकासखण्ड लखनादौन के विभिन्न ग्रामों में 200/150 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 25 नग नलकूपों का खनन कार्य। समूह क्रमांक–02	21.75	50,000.00	5,000.00	27/12/2023	27/12/2023	180 दिवस (वर्षाकाल छोड़कर)	म.प्र.लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत "स" सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सिवनी (म.प्र.)

जी-21719/23

कड़ाके की ठण्ड से जनजीवन प्रभावित

बर्फीली ठण्ड के झटके से कांप उठा शहर

जबलपुर। ठण्ड जोरदार झटका दे रही है। बर्फीली ठण्ड के झटके से शहर कांप उठा है। पिछले दो दिनों से उत्तर भारत में हुई बर्फबारी के कारण कड़ाके की ठण्ड पड़ रही है। गलन भरी ठण्ड का असर जनजीवन पर स्पष्ट तौर पर देखा जा रहा है। रात को सड़कें जल्दी वीरान हो जाती हैं और सुबह लोगों की दिनचर्या देर से शुरू होती है। शीतलहर और कड़ाके की ठण्ड के बीच स्कूली बच्चों की आफत हो गई है। कड़कड़ाती ठण्ड में सुबह जल्दी उठकर तैयार होना और फिर स्कूल जाना, खासकर नन्हें बच्चों के लिये किसी मुसीबत से कम नहीं है। शहर में अलाव की व्यवस्था भी नदारत हो चुकी है। बीच में नगर निगम ने सार्वजनिक स्थानों पर अलाव लगाये थे, अब व्यवस्था की ओर ध्यान नहीं दिया गया। इस कड़ाके की ठण्ड में खुले आसमान के नीचे गुजारा करने वालों को खासी कठिनाई हो रही है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक हिमाचल व जम्मू काश्मीर में हुई बर्फबारी के बाद जबलपुर सहित पूर्वी मध्यप्रदेश के इलाकों में ठण्ड बरकरार रही। पिछले दो दिनों से मौसम शुष्क बना हुआ है, शीतलहर कहर बरपा रही है। बर्फीली हवाओं के सामने धूप भी अपना असर नहीं दिखा सकी। सूर्यास्त के बाद ठण्ड के तेवर और तीखे हो जाते हैं। सर्द हवाओं के झोंके लोगों को घरों में दुबकने विवश कर देते हैं। रात 10 बजे के बाद सड़कें वीरान होने लगती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि दो-तीन दिन अभी ठण्ड का कहर जारी रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 81 प्रतिशत और सायंकाल 57 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्येदय सुबह 6.45 बजे और सूर्यास्त शाम 5.28 बजे हुआ। उत्तर हवायें 2 से 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे कम 7 डिग्री तापमान उमरिया जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

उज्जवला योजना के आवेदन आमंत्रित

जबलपुर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 के तहत निर्धन परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों में आवेदन फार्म जमा किए जा रहे हैं। निःशुल्क गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए आवेदिका को निर्धारित मापदंड अनुसार आवेदन करना होगा। हितग्राही पीएमयूवाय योजना अंतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए नजदीकी ग्राम पंचायत एवं नगरी निकाय तथा गैस एजेंसी पर आवेदन फार्म में वांछित दस्तावेज जमा कर ऑयल कंपनी के ओएमसी पोर्टल पर कनेक्शन स्वीकृत उपरांत प्राप्त कर सकते हैं।

यह होगी पात्रता

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति गृहस्थी, अनुसूचित जनजाति गृहस्थी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राही, अन्य पिछड़ा वर्ग, अन्त्योदय अन्न योजना, चाय और पूर्व चाय बागान जनजातियां, बनवासी, द्वीप एवं नदी द्वीप में निवासरत, एसईसीसी गृहस्थी (एएचएल टिन), 14 बिंदुओं के घोषणा पत्र अनुसार गरीब गृहस्थी के हितग्राही पात्र होंगी।

आवेदन की प्रक्रिया

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए आवेदन करते समय केवाईसी फॉर्म, पहचान पत्र, निवास का प्रमाण पत्र, राशन कार्ड अथवा समग्र आईडी, आवेदिका के आधार की प्रति, परिवार के समस्त वयस्क सदस्यों की आधार की प्रति, आवेदिका के बैंक खाता एवं आईएफएससी का विवरण देना आवश्यक होगा। इसके साथ ही आवेदिका के प्रवासी होने की स्थिति में स्व घोषणा पत्र तथा श्रेणी क्रमांक 10 होने की स्थिति में 14 बिंदुओं का घोषणा पत्र देना होगा।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश पाटन विवेक कुमार की अदालत ने दिन दहाड़े बीच बाजार में मोटरसायकिल सुधरवाने के पैसों के विवाद पर एक युवक की हत्या करने के आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और जुर्माना भी लगा दिया साथ ही न्यायालय ने अपने फैसले में टिप्पणी करते हुए कहा है कि बीच बाजार में लोगों के सामने हत्या करना बेहद नृंशस कृत्य है। आरोपियों पर दया करना हौसलें को बढ़ाने जैसा होगा। कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए यह वांछित है कि अपराधियों को होत्साहित करने कठोर सजा मिलना चाहिए। अभियोजन पक्ष के मुताबिक पाटन थाना क्षेत्र में ग्राम खैरी निवासी सत्तू उर्फ सत्येंद्र ठाकुर टिमरी निवासी अपने दोस्त मोहन सिंह के साथ नानू भाईजान बाबा की मोटरसायकिल की दुकान में मोटरसायकिल सुधरवाने गया था जहां रिपेयरिंग के पैसों को लेकर नानू भाईजान बाबा का सत्तू से विवाद हो गया। गालीगलौज होने लगी। इस दौरान नानू ने सत्तू को डंडा मारा वहीं दूसरे आरोपी बाबा भाईजान ऊर्फ अनवर खान ने दुकान में रखा टी-पाना मारा जो सत्तू के सिर में घुस गया घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से भाग गए। घटना के बाद उसके दोस्त मोहन और मौके पर आए आशीष भुर्रक, सौरभ पंजाबी बुलेरो वाहन से घायल को पाटन सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जबलपुर रिफर कर दिया गया। जबलपुर में मेट्रो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना पर पुलिस ने मृतक के मित्र मोहन की रिपोर्ट पर धारा 302 , 34 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक संदीप जैन ने पैरवी की, गवाहों और सबूतो के मद्देनजर न्यायालय ने आरोपियों को दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा के साथ कुल 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240